शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 144 | गुवाहाटी | गुरुवार, 15 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्य में 20 फरवरी से शुरू होंगी 12वीं की परीक्षाएं पेज 3

आसमान से लेकर जमीन तक चीन की घुसपैठ को विफल किया भारत ने पेज 4

यीपी में निवेश लाने की तैयारी में योगी सरकार मंत्री और अधिकारी विदेश दौरे पर पेज 5

चंडीगढ़ में एसएसपी के मुद्दे पर आमने-सामने हुए राज्यपाल व सीएम पेज 8

तवांग में निगरानी चौकी स्थापित करने की थी योजना : सेना अधिकारी

कोलकाता। गलवान की तरह, चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अरुणाचल प्रदेश के तवांग में यांग्स्ते में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर एक निगरानी चौकी (ओपी) स्थापित करने की योजना बना रही थी, जब भारतीय सेना के जवानों ने उन्हें वहां से भगाया। इस बात का खुलासा अरुणाचल प्रदेश में तैनात सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने किया है। निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, कोई भी ओपी या इसी तरह का ढांचा एलएसी के पास किसी भी ओर से स्थापित नहीं कर सकता है। जानकारी के अनुसार, एलएसी के पास पहले से ही काफी ठंड है। अगले कुछ हफ्तों के भीतर एलएसी के करीब के सभी क्षेत्र कई फीट बर्फ से ढक जाएगा। भारतीय पक्ष से सीमा के अग्रीम पोस्ट पर पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए अंतिम तैयारी की जा रही है। साथ ही बहुत अधिक सैन्य टुकड़ी भी है। सैन्य अधिकारी ने कहा कि पीएलए निश्चित रूप से सर्दियों के लिए हमारी तैयारियों के बारे में अधिक जानने के लिए इच्छुक है, इसलिए उन लोगों ने ओपी स्थापित करने का निर्णय लिया था। जबकि पीएलए के पास निगरानी कैमरे हैं, वे एलएसी से कुछ दूरी पर हैं। ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाता है लेकिन एक प्रत्यक्ष दृश्य हमेशा ही अगली रणनीति बनाने के लिए अच्छा माना जाता है। बता दें कि गालवान में भारतीय सेना द्वारा एक ओपी को ध्वस्त करने के बाद ही पीएलए के साथ संघर्ष शुरू हो गया था, क्योंकि चीनियों ने वहां से हटने से इनकार कर दिया था। त्सेचु के स्थानीय लोग, उस बिंदु के सबसे करीब का एक छोटा सा शहर है जहां शुक्रवार को भारतीय और चीनी सैनिक भिड़े थे, क्षेत्र की शांति भंग करने के लिए पीएलए से बेहद नाखुश हैं। यह चूमी ग्यात्से से बमुश्किल कुछ सौ मीटर की दूरी पर हुआ, एक जलप्रपात (108 छोटे झरनों का समूह) जिसे एलएसी के दोनों ओर से हमारे मोनपाओं (अरुणाचल प्रदेश का एक जन समुदाय) द्वारा पवित्र माना जाता है। वहां रहने वाले लोगों में से एक ने कहा कि भारतीय सेना हमारी भावनाओं का सम्मान करती है और कभी भी इस स्थान की पवित्रता को भंग करने के लिए कुछ नहीं करती है। यह दूसरी बार है जब पीएलए ने यहां हंगामा किया है। पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश सरकार की मदद से उस क्षेत्र में बहुत सारे बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। इससे जहां स्थानीय लोगों को मदद मिली है, वहीं सीमा पर सैनिकों और उपकरणों की तेज और आसान आवाजाही में भी मदद मिली है। सेना अधिकारी ने कहा कि जैसे ही हमें पता चला कि पीएलए एलएसी की ओर बढ़ रही है, हमें पता था कि कैसे प्रतिक्रिया देनी है। वे ओपी स्थापित करने के लिए ऊंचे स्थान तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे लेकिन हमने उन्हें रोक दिया और उन्हें वापस जाने के लिए मजबूर कर दिया। चीनी कहते रहे कि पूरा क्षेत्र उनका है लेकिन हमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। हमारे कुछ सैनिकों को लगी चोटें मामूली हैं।

तवांग मामला : 17 विपक्षी दलों का रास से वॉकआउट

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारतीय और चीनी सेना के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 9 दिसंबर को हुई झड़प को लेकर सरकार पर चर्चा नहीं करने का आरोप लगाते हुए 17 विपक्षी दलों ने बुधवार को राज्यसभा से वॉकआउट किया। कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, एमडीएमके, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भाकपा, जनता दल-यूनाइटेड, डीएमके, तृणमूल कांग्रेस और तेलुगु देशम पार्टी उन 17 पार्टियों में शामिल थीं, जो शून्य काल के दौरान सदन से बाहर चली गईं। संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

चीन ने तैनात किए एयरक्राफ्ट :10 फाइटर जेट्स और सात ड्रोन दिखे

वॉशिंगटन। अरुणाचल के तवांग में 9 दिसंबर को भारतीय और चीनी सैनिकों की झड़प के दो दिन बाद चीन ने अपने शिगात्से पीस एयरपोर्ट पर 10 एयरक्राफ्ट तैनात किए थे। इसका खुलासा सैटेलाइट इमेज में हुआ है। ये इमेज मैक्सार टेक्नोलॉजीज ने जारी की हैं। इसके मुताबिक भारत-चीन बॉर्डर यानी एलएसी से करीब 155 किलोमीटर दूर चीन की मिलिट्री एक्टिविटीज देखी गईं। चीन इस एयरपोर्ट का -शेष पृष्ठ दो पर

झड़प पर संयुक्त राष्ट्र चिंतित

संरा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत और चीन के बीच तनाव कम करने का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने प्रेस वार्ता के दौरान इस मुद्दे पर अपनी टिप्पणी की। स्टीफन दुजारिक ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हमने इन रिपोर्टों को देखा है। हम डी-एस्केलेशन और यह सुनिश्चित करने का आह्वान करेंगे जिससे की उस क्षेत्र में तनाव न बढ़े। स्टीफन दुजारिक का बयान भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच आमने-सामने -शेष पृष्ठ दो पर

आंखों में आंखें डालकर जवाब दे रही सेना : हिमंत

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारतीय सेना ने नौ दिसंबर को चीनी सैनिकों की देश की सीमा में घुसने की कोशिश नाकाम की। भारतीय सेना में अपना दमखम दिखाते हुए, चीनी पीएलए को पीछे जाने पर मजबूर कर दिया। हालांकि इस दौरान दोनों सेनाओं के बीच झड़प भी हुई, जिसमें करीब छह भारतीय सैनिकों को चोटें आई। वहीं, 30 से अधिक चीनी सैनिक घायल हुए। भारतीय सेना ने जिस बहादुरी से चीनीयों का सामना किया, उसकी चर्चा पूरे देश में है। इस मामले में अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

असमिया फूलाम गामोछा को मिला जीआई टैग

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार के जल संसाधन, सूचना एवं जनसंपर्क, संसदीय कार्य मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि आज का दिन असम के लिए एक गौरवशाली क्षण है। उन्होंने कहा है कि हमारी असमिया संस्कृति और परंपरा के प्रिय प्रतीक *फूलाम गामोछा* को भारत सरकार द्वारा भौगोलिक संकेत टैग (जीआई टैग) से सम्मानित किया गया है। हजारिका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट ट्वीट करते हुए कहा है कि आज का दिन हम सभी के लिए बहुत गर्व का क्षण है और हम असम को यह सम्मान देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने अरुणोदय 2.0 को वर्चुअल रूप से किया लॉन्च

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को यहां एक वर्चुअल मीट में अरुणोदय 2.0 योजना को लॉन्च किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के दृष्टिकोण को हकीकत में बदलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने नई दिल्ली स्थित असम हाउस के कांफ्रेंस हॉल से इस बहुप्रतीक्षित योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य भर में आर्थिक रूप से कमजोर लाखों परिवारों के लिए आर्थिक और पोषण सुरक्षा का विस्तार कर रही है। उनमें सबसे प्रमुख अरुणोदय योजना है, जिसे असम बजट 2020-2021 में अष्टदश मुख्तार उन्नयोनी माला के बीच सबसे प्रमुख मनका (माल की मोती) के रूप में वर्णित किया गया है। अरुणोदय 2.0 के बड़े संस्करण के तहत कुल मिलाकर 10.54 लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा गया है। नए समावेश के साथ राज्य में लाभार्थियों की कुल संख्या लगभग 27 लाख हो जाएगी। अरुणोदय के लिए कुल वित्तीय परिव्यय 4,142 करोड़ रुपए प्रति वर्ष है, जो इसे देश में सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभार्थी हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं में से एक बनाता है। अरुणोदय के तहत, इंदिरा मिरी यूनिवर्सल विधवा पेंशन योजना के लाभार्थियों का भी नामांकन किया जाएगा और उन्हें दीनदयाल दिव्यांगजन पेंशन योजना के लाभार्थियों के अलावा 1,200 रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। बाद में, मुख्यमंत्री ने जिला स्तरीय -शेष पृष्ठ दो पर

अनुच्छेद 370 पर सुनवाई जल्द : एससी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निष्प्रभावी करने के केंद्र सरकार निर्णय के खिलाफ दाखिल याचिकाओं को जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगा। वार्ताकार राधा कुमार ने याचिकाओं को जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया, जिसके बाद प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस नरसिंह की पीठ ने कहा कि हम विचार करके तारीख देंगे। इससे पहले, 25 अप्रैल और 23 सितंबर को तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने अनुच्छेद 370 के प्रावधान निष्क्रिय करने के केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ दाखिल याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई थी। मामले -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S.
Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
समय का ध्यान नहीं रखने वाला व्यक्ति अपने जीवन में निर्विघ्न नहीं रहता।
- आचार्य चाणक्य

करोड़ों रुपए की याबा टैबलेट और हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने गुवाहाटी से मंगलवार रात एक एंबुलेंस से 50,000 याबा टैबलेट और 14 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 200 ग्राम हेरोइन सहित बड़ी मात्रा में वर्जित दवाएं जब्त कीं और मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरापी शख्स से कड़ी पूछताछ चल रही है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मिराजौल इस्लाम के रूप में हुई है। वहीं जब्त दवाओं की अनुमानित कीमत करीब 14.10 करोड़ रुपए है। संयुक्त पुलिस आयुक्त पार्थ सारथी महंत ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने मणिपुर में पंजीकृत एंबुलेंस को हैंगराबाड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

सौ सिलेंडरों में विस्फोट, धमाकों से दहला भागलपुर

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में हाईवे पर गैस सिलेंडर से भरे ट्रक में आग लग गई। जिसके बाद एक-एक कर सिलेंडर में विस्फोट होने लगा। ट्रक में 100 से अधिक सिलेंडर लदे हुए थे। वहीं हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हाईवे पर दोनों तरफ गाड़ियों को रोक दिया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना मंगलवार देर रात 2.30 बजे एनएच-31 की है। एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया कि ट्रक भागलपुर की -शेष पृष्ठ दो पर

रेल टिकट में सीनियर सिटीजन को छूट नहीं : रेलमंत्री

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को संकेत दिया कि रेलवे में वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली छूट को अभी बहाल नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने साथ ही कहा कि पिछले वर्ष यात्री सेवा के लिये 59 हजार करोड़ रुपए सब्सिडी दी गई और रेलवे पर पेंशन, वेतन संबंधी भार बहुत ज्यादा है। लोकसभा में महाराष्ट्र से निर्दलीय सांसद नवनीत रवि राणा के पूरक प्रश्न के उत्तर में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह बात कही। नवनीत राणा ने पूछा था कि रेलवे में वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली छूट को कब तक बहाल किया जाएगा? ज्ञात हो कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा विस चुनाव के लिए कांग्रेस ने कमर कसी

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले त्रिपुरा विधानसभा चुनावों के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने बुधवार को राज्य के लिए प्रदेश चुनाव समिति (पीईसी) समेत सात समितियों के गठन की घोषणा की। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष बिरजीत सिन्हा को दस सदस्यीय चुनाव समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं कांग्रेस त्रिपुरा के प्रभारी अजय कुमार, विधायक सुदीप रॉय बर्मन, पूर्व टीपीसीसी के अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय के चार विधायक भाजपा में शामिल, टीएमसी को झटका

शिलांग। मेघालय में चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस और एनपीपी को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, दोनों पार्टी के कुल तीन विधायक भाजपा में शामिल हो गए। इसके अलावा एक निर्दलीय विधायक भी भाजपा ज्वॉइन कर ली है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने चारों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। जिन विधायकों ने भाजपा का दामन थामा है उनमें एनपीपी के बेनेडिक्ट मारक और फैरलीन सांग्मा तथा टीएमसी के विधायक हिमालय मुक्तन शांगप्लियांग शामिल हैं। इसके अलावा निर्दलीय विधायक सैमुएल सांग्मा ने भी पार्टी की सदस्यता ली है। बता दें कि तीनों विधायक 28 नवंबर को ही विधानसभा -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में बड़ी जीत हासिल करेगी भाजपा : हिमंत

नई दिल्ली। वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें पूर्वोत्तर के त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड भी शामिल हैं। असम के मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

छपरा में जहरीली शराब पीने से अब तक 25 मरे, तीन का दाह संस्कार

छपरा। शराबबंदी वाले बिहार में एक बार फिर से जहरीली शराब का कहर देखने को मिला है। सारण जिले में जहरीली शराब पीने से मौत का आंकड़ा बढ़कर 25 पहुंच चुका है। इसमें सबसे अधिक मसरख के 10 लोगों की मौत हुई है, जबकि अमनौर के तीन एवं मढ़ौरा के एक व्यक्ति शामिल है। वहीं, बीमार पड़े कई लोगों ने आंखों की रोशनी घटने की शिकायत भी की है। ताजा जानकारी के अनुसार, प्रशासन ने अभी तक 16 शवों का पोस्टमार्टम कराया है। वहीं तीन शवों का मृतकों के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराए बिना ही अंतिम संस्कार कर दिया है। आधा दर्जन से अधिक लोगों का उपचार सदर अस्पताल एवं पटना के पीएमसीएच में चल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

महाराष्ट्र-कर्नाटक के सीएम के साथ अमित शाह की बैठक, कहा-

मुद्दों को संवैधानिक तरीके से सुलझाएंगे

मुंबई। कर्नाटक से जारी सीमा विवाद के बीच महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे बुधवार को दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। इससे पहले सीएम शिंदे ने कहा था कि बैठक में हम महाराष्ट्र की जनता के हितों पर चर्चा करेंगे। मुझे आशा है कि यह सकारात्मक परिणाम के साथ सकारात्मक बैठक होगी। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद के संबंध में एक बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई के साथ कर्नाटक के गृह मंत्री

अरागा ज्ञानेंद्र भी उपस्थित थे। बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच सीमा को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था। इसके समाधान के लिए मैंने महाराष्ट्र सीएम और उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक सीएम, गृह मंत्री और वरिष्ठ साथियों को यहां बुलाया था। दोनों पक्षों के साथ बहुत अच्छे माहौल में बात हुए। उन्होंने कहा कि जब तक सुप्रीम कोर्ट का इसपर फैसला नहीं आ जाता, कोई भी राज्य इस बारे में एक-दूसरे राज्य पर दावा नहीं करेगा। दोनों तरफ से 3-3 मंत्री बैठेंगे और इस पर चर्चा करेंगे। दोनों राज्यों के बीच और मुद्दे भी हैं, इनका निवारण भी ये मंत्री करेंगे। शाह ने कहा कि मैं विपक्षी दलों महाराष्ट्र और कर्नाटक से इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने का आग्रह करता हूं। हमें इस मुद्दे को हल करने के लिए गठित समिति की चर्चाओं के परिणाम और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा करनी चाहिए। मुझे विश्वास है कि एनसीपी और कांग्रेस उद्धव ठाकरे समूह सहयोग करेंगे।

भिवानी में किसानों ने कृषि मंत्री का पुतला फूंका

भिवानी (हिंस)। अपने आप को किसान हितैषी बताने वाले हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल किसानों की खाद-बीज सहित अन्य समस्याओं का समाधान करने की बजाए किसानों के साथ ही राजनीति करते हुए बार-बार अन्नदाताओं का अपमान कर रहे है। पहले जहां कृषि मंत्री ने किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों पर निंदनीय टिप्पणी की थी तो वही अब आंदोलनकारी किसानों को शराबी व चंदाखोर बताकर अपने किसान हितैषी होने का परिचय दिया है। कृषि मंत्री द्वारा किसानों पर की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में बुधवार को संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ से भिवानी के भगतसिंह चौक पर प्रदेश के कृषि मंत्री जेपी दलाल का प्रतिकात्मक पुतला फूंका गया। उनका कहना था कि किसानों पर इस तरह की टिप्पणी करके अपमान करना मंत्री को शोभा नहीं देता। प्रदर्शन कर रहे किसान नेता कामरेड ओमप्रकाश, बलबीर सिंह बजाड़, एवं संतोष देशवाल ने कहा कि कृषि मंत्री जेपी दलाल ने अपने हकों के लिए सड़कों पर बैठे अन्नदाताओं के बारे में कहा कि ये कुर्सी के काटे हुए बहरूपियों का आंदोलन था। यही नहीं उन्होंने टोल पर बैठने वाले बुजुर्गों और अन्य लोगों को शराबखोर व चंदाखोर जैसे घोर निंदनीय शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि भिवानी जिला के कस्बा लोहारू के गांव लीलस में अपने संबोधन के दौरान किसानों पर इस तरह की अशोभनीय टिप्पणी बेहद निंदनीय है, जिसका वे पुरजोर विरोध करते है। किसान नेताओं ने कहा कि कृषि मंत्री किसान हितैषी होने का दावा करते है, लेकिन इस तरह की बयानबाजी से किसान हितैषी नहीं लगते। किसान नेताओ ने कहा कि कृषि मंत्री किसानों से मांफी मांगे अन्यथा यह प्रदर्शन गांव-गांव में किया जाएगा और बड़े आंदोलन का रूप लेगा।

NIQ No. AFGS/15

SHORT RE-TENDER NOTICE

Sealed tender affixing court fee stamp of Rs. 8.25/- only are invited from the intending contractor/ individual/ farm for execution of the following works and will be received in the office of the undersigned up to **3:00 pm** on **27-12-2022** and will be opened on the same date at the same place at **3:30** pm in presence of the willing tender holder or their authorized agent who wishes to attend the same. The undersigned reserves the right to accept or reject any tender without assigning any reason thereof. The tender holder is liable to pay the taxes as applicable. The rates are to be quoted clearly in figures and words. Final payment will be made in the form of A/C payee cheque after completion of the works in site and the successful contractor / individual / farm shall have to finish bill the undersigned in duplicate.

Sl. No.	Item of Work	Tender Amount (Rs.)	Earnest Money	Cost of Tender Paper (Rs.)
1	Renovation, Repairing & Maintenance of Assam Forest Guards' School, Makum	8,10,000.00	2% for General & 1% for SC/ ST/OBC/ MOBC	500.00

TERMS AND CONDITIONS

a) The tenderer are requested to offer their minimum rates against the above mentioned materials alongwith their quotation & GST registration certificate/ Income Tax return/ PAN Card/Caste Certificate etc.
b) Detailed particular of the work may be seen in the office of the undersigned during office hour upto 2 PM on 15-12-2022 if desired.
c) The undersigned will be the final authority to determine the eligibility of the tender for award of the contract.
d) The undersigned reserves the right to withdraw/reject/cancel the tender without assigning any reason thereof.
e) The rate quoted should be inclusive of GST.
f) Income Tax (1%) & GST (2%) shall be deducted at the time of payment of the bill.
g) All duties/taxes payable by the bidder under the contract shall be included in the total price.
h) The price should be quoted in Indian Rupees Only.

Superintendent
Assam Forest Guards' School, Makum

-- Janasanyog /C/16038/22

एचएसएससी की गड़बड़ी का खामियाजा भुगत रहे चयनित : सैलजा

चंडीगढ़ (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) की गड़बड़ी का खामियाजा प्रदेश के युवाओं को भुगतना पड़ रहा है। पुलिस में महिला व पुरुष कांसटेबल के 6600 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद उनकी ज्वाइनिंग नहीं हो पा रही है। ऐसे में ठंड में युवाओं को भूख हड़ताल पर बैठना पड़ा है। नौकरियों को बेचने व भर्तियों में गड़बड़ी का रिकॉर्ड बनाने वाली भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार को उनकी आवाज सुनाई नहीं दे रही है। बुधवार को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि एचएसएससी ने साल 2019 में 5500 पुरुष व 1100 महिला कॉन्स्टेबल की भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला। साल 2020 में भर्ती प्रक्रिया को पूरा करते हुए इनका अंतिम परिणाम भी घोषित कर सफल रहे आवेदकों की सूची जारी कर दी। इसी बीच भर्ती में एचएसएससी द्वारा की गई गड़बड़ी व फर्जीवाड़ा का मामला उठ गया और इनकी ज्वाइनिंग पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस रोक के बाद से चयनित उम्मीदवार उन्हें ज्वाइनिंग देने के लिए कितनी ही बार सरकार का दरवाजा खटखटा चुके। लेकिन, कोई सुनवाई न होने पर उन्होंने 29 नवंबर से पंचकूला में धरना स्थल पर धरना शुरू कर दिया, जो बाद में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर चले गए। ऐसे में प्रदेश सरकार ने न तो हाईकोर्ट में इस मामले को खत्म कराने के लिए कोई दिलचस्पी दिखाई और न ही एचएसएससी में व्याप्त भ्रष्टाचार पर काबू पाने की कोई कोशिश की। कुमारी सैलजा ने कहा कि साल 2014 में भाजपा की सरकार बनने के बाद से एचएसएससी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक कराने, लिखित परीक्षा रद्द करने, भर्ती प्रक्रिया रद्द करने का रिकॉर्ड बना चुका है।

जहरीली शराब : नीतीश सरकार पर हमलावर भाजपा, छपरा में विरोध मार्च निकालेगी पार्टी

पटना। बिहार के छपरा में जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की मौत हो गई है। इसको लेकर नीतीश कुमार के शराबबंदी पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। बावजूद इसके शराब से लोगों की मौत क्यों हो रही है, यह सबसे बड़ा सवाल है? भाजपा जबरदस्त तरीके से नीतीश कुमार पर हमलावर है। जानकारी यह है कि अब तक जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की मौत हो गई है। इस पर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। बिहार विधान सभा में आज सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वार पलटवार का दौर भी देखने को मिला। इन सबके बीच खबर यह है कि गुरुवार को छपरा में भाजपा नीतीश सरकार के खिलाफ मार्च निकालेगी। जानकारी के मुताबिक भाजपा के सभी विधायक छपरा में जाएंगे। सभी नीतीश सरकार के खिलाफ विरोध मार्च निकालेंगे। आज विधानसभा में शराबबंदी कानून को लेकर पूछे गए सवाल पर नीतीश कुमार ने आपा खो दिया। भाजपा पर जबरदस्त तरीके से हमलावर रही। इन सबके बीच बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पूरे मामले पर कहा कि विपक्ष को जनता

के मुद्दे को उठाना चाहिए था पर उन्होंने केवल हंगामा किया। हम हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं। जो लोग आज शराब की बात कर रहे हैं उन्होंने भी तो शपथ लिया था। इतने साल सत्ता में रहने के बाद याद आया कि लोग जहरीली शराब से मर रहे हैं। बिहार भाजपा ने ट्वीट कर लिखा कि जहरीली शराब से लोगों की अकाल मृत्यु, और इतने जहरीले मुख्यमंत्री से बिहार का क्या होगा! दूसरी ओर पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार विधानसभा में भाजपा सदस्यों के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को माफी मांगनी चाहिए।

पृष्ठ एक का शेष

चीन ने तैनात किए...

इस्तेमाल मिलिट्री और सिविलियन पर्पज के लिए करता है। यहां चीनी एयरफोर्स के फाइटर जेट्स, हेलिकॉप्टर और ड्रोन्स तैनात किए गए हैं। यहां से भारतीय सीमा काफी करीब है। सैटेलाइट इमेज में 7 ड्रोन्स भी नजर आ रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के प्रेस सेक्रेटरी पैट राइडर ने कहा कि चीन उकसावे की कार्रवाई करता है। अमेरिका ने देखा कि चीन एलएसी के पास सेना जुटा रहा है। यहां उसने मिलिट्री इंफ्रास्ट्रचर भी तैयार कर लिया है। भारत हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है और अमेरिका इसका समर्थन करता है। हम अपने मित्र देशों की सिक्योरिटी तय करेंगे।

झड़प पर संयुक्त ...

आने के बाद आया है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में हुई झड़प में दोनों पक्षों के जवानों को मामूली चोटें आईं। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा को सूचित किया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों ने अरुणाचल प्रदेश तवांग सेक्टर के यांग्त्से क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करने और यथास्थिति को एकतरफा बदलने की कोशिश की। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैन्य कमांडरों के समय पर हस्तक्षेप के कारण चीनी सैनिक अपने स्थानों पर वापस चले गए। राज्यसभा में अपने बयान में राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सेनाएं हमारी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस पर किए गए किसी भी प्रयास को विफल करना जारी रखेंगी।

तवांग मामला : 17 विपक्षी ...

और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी दलों की बैठक बुलाई। बैठक में डीएमके, एसपी, नेशनल कांफ्रेंस, शिवसेना, कांग्रेस, सीपीएम, सीपीआई, जेडीयू समेत करीब 15 दलों के नेता मौजूद रहे। बैठक में भारत-चीन विवाद और अन्य मुद्दों पर संयुक्त रणनीति बनाने के लिए खड़गे के कक्ष में विपक्षी नेताओं की ये अहम बैठक हुई। बैठक में भाग लेने वाले एक नेता ने बताया था कि आज की बैठक में कुल 17 पार्टियों ने भाग लिया और चर्चा के लिए इस मुद्दे को उठाने का फैसला किया, अगर अनुमति नहीं दी गई तो ये तय किया गया है कि पार्टियां सदन से बाहर चले जाएंगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने ये भी निर्णय लिया है कि अगर चर्चा की अनुमति नहीं दी जाती है, तो वो सदन का बहिष्कार करेंगे। मंगलवार को संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूरे मामले की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा थी कि चीनी सेना ने तवांग सेक्टर में घुसपैठ के जरिए यथास्थिति बदलने की कोशिश की, इसका भारतीय जवानों ने करारा जवाब देते हुए उन्हें वापस खदेड़ दिया। उन्होंने कहा था कि इस झड़प में दोनों तरफ के सैनिक घायल हुए हैं, लेकिन किसी भी भारतीय जवान को कोई गंभीर चोट नहीं लगी और ना ही किसी की शहादत हुई है। मंगलवार को ही सदन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चीन के आक्रमक रवैये को लेकर सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि सरकार कि सरकार मूकदर्शक बनकर रह गई है। उसकी तरफ से लगातार जमीनी हकीकत की अनदेखी की जा रही है। खड़गे ने अपने बयान में इस बात पर भी जोर दिया था कि चीन ने डेपसांग वाले इलाके में भी घुसपैठ करने की कोशिश की थी।

आंखों में आंखें ...

का बयान आया है। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हमारी सेना डटकर मुकाबला कर रही है। उन्होंने विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों पर कहा कि भारतीय सेना चीनी सेना की आंखों में आंखें डालकर मुकाबला कर रही है। हमारी सेना तय करेगी कि कब कौन सी जानकारी साझा करनी है और किसको विश्वास में लेना है और यह सेना की रणनीति के आधार पर होगा। उन्होंने कहा कि सेना की सहमति से जो भी जानकारी साझा करने की आवश्यकता होगी, रक्षा मंत्री साझा करेंगे। बता दें कि इस घटना को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यानी कि कल सदन में बयान दिया था। उन्होंने कहा कि 9 दिसंबर 2022 को पीएलए गुट ने तवांग सेक्टर के यांग्त्से क्षेत्र में एलएसी पर अतिक्रमण कर यथास्थिति को एकतरफा बदलने का प्रयास किया। चीन के इस प्रयास का हमारी सेना ने दृढ़ता के साथ सामना किया। उन्होंने कहा कि मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारी सेनाएं हमारी भौमिक अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और इसके खिलाफ किसी भी प्रयास को रोकने के लिए सदैव तत्पर हैं। हालांकि इस घटना के बाद विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हैं। विपक्ष सरकार पर आरोप लगा रहा है कि सरकार ने जानकारी छुपाने की कोशिश की। इसलिए ये जानकारी साझा करने में देर की गई। वहीं, आज फिर से इसको लेकर लोकसभा में हंगामा हुआ। विपक्ष ने इस पर चर्चा करने की मांग की, जिसे इसे खारिज कर दिया। इसके बाद, कांग्रेस सांसदों ने सदन से वाकआउट कर लिया।

असमिया फूलाम गामोछा ...

गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। असमिया गामोछा को जीआई टैग मिलने से पूरे राज्य में खुशी की लहर दौड़ गई है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में खासकर बुनकर समाज में इसे लेकर भारी उत्साह है। कई इलाकों में इसकी खबर मिलते ही महिला बुनकरों ने नाच-गाकर अपनी खुशी का इजहार किया है। उल्लेखनीय है कि असमिया फूलाम गामोछा आज देश ही नहीं दूसरे देशों में भी प्रसिद्ध हो चुका है। यह प्रसिद्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा इसे जो सम्मान दिया गया, उसके बाद से पूरे देश में इसके प्रति आपार स्नेह बढ़ गया। यही कारण है कि स्थानीय बुनकरों के आह्वान पर राज्य सरकार ने नकली गामोछा को लेकर सख्त कानून भी बनाया, ताकि स्थानीय बुनकरों की हुनर और उनकी मेहनत का वाजिब दाम मिल सके।

मुख्यमंत्री ने अरुणोदय ...

निगरानी समितियों के सदस्यों के साथ बातचीत की और उन्हें योजना के सुचारू और परेशानी मुक्त कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कहा। लाभार्थियों को अंतिम रूप देने के लिए डीएलएमसी बैठकों का आयोजन 1 से 15 जनवरी, 2023 तक होगा, जबकि चयनित लाभार्थियों के बीच आवेदन पत्रों का वितरण 20 जनवरी, 2023 को होगा। पोर्टल में आवेदन पत्रों का संग्रह और अपलोडिंग 28 फरवरी, 2023 को पूरा किया जाएगा। .इससे पहले प्रमुख सचिव, वित्त, समीर सिन्हा ने स्वागत भाषण दिया। जबकि आयुक्त और सचिव, वित्त, जयंत नार्लीकर ने अरुणोदय 2.0 पर एक प्रस्तुति दी। प्रधान निवासी आयुक्त, नई दिल्ली, राजीव चंद्र जोशी भी इस मौके पर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के निर्देश के बाद उन लोगों को छोड़ कर अरुणोदय लाभार्थियों की सूची में संशोधन किया गया है, जिन्हें अब वित्तीय अनुदान की आवश्यकता नहीं है और राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद अन्य शामिल हैं। वित्त विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इस साल 20 अगस्त से एक अरुणोदय महीना आयोजित किया गया था, जिसके दौरान सत्यापन की एक प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अरुणोदय लाभार्थियों का डोर-टू-डोर सर्वेक्षण किया गया था, जिससे अरुणोदय डेटाबेस का शुद्धिकरण और वृद्धि हुई। मुख्यमंत्री ने गत 20 अक्तूबर को समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला स्तरीय निगरानी समितियों को 10 दिनों के भीतर लाभार्थियों की नई सूची तैयार करने का निर्देश दिया। कॉलेज के छात्रों द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के आधार पर सूची को संशोधित किया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों, उपायुक्तों और जिला स्तरीय निगरानी समितियों के सदस्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को शामिल करने या अपात्र लोगों को बाहर करने के लिए उचित कारणों का हवाला दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाभार्थियों की नई सूची *राजनीतिक विचारधाराओं और पक्षपातपूर्ण इरादों से ऊपर* होनी चाहिए।डॉ. शर्मा ने सरकारी नौकरी पाने वाले कुछ लाभार्थियों से स्वेच्छा से योजना से हटने की अपील की। उन्होंने जिला स्तरीय निगरानी समितियों के सदस्यों को निर्देश दिया कि वे उपायुक्तों से डेटा एकत्र करें, योजना से छूटे लोगों के संबंध में अपनी जांच पूरी करें और लाभार्थियों की एक नई सूची तैयार करें। 1 दिसंबर, 2020 को शुरू की गई गरीबी उन्मूलन योजना अरुणोदय में प्रत्येक लाभार्थी को 1,250 रुपए का मासिक अनुदान दिया जाता है। यह वर्तमान में संचालन में असम सरकार की 18 प्रमुख योजनाओं में से एक है। अरुणोदय लाभ आमतौर पर प्रत्येक लाभार्थी के बैंक खाते में हर महीने की 10 तारीख तक स्थानांतरित कर दिया जाता है।

करोड़ों रुपए की...

इलाके में एक अपार्टमेंट की पार्किंग में रोका। उन्होंने कहा कि वाहन की पूरी तलाशी लेने पर हमें याबा की 50,000 गोलियां और 200 ग्राम हेरोइन मिली। मादक पदार्थों की कीमत करीब 14.1 करोड़ रुपए होगी। महंत ने कहा कि राज्य में ऐसा पहली बार हुआ है कि एंबुलेंस में मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है, जो मणिपुर से राज्य में प्रवेश करने के बाद कई पुलिस चौकियों को पार करने में कामयाब रही। उन्होंने बताया कि मेघालय के रहने वाले एक व्यक्ति को मादक पदार्थों की तस्करी में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह खेप, जिसे मेघालय के रास्ते बांग्लादेश भेजा जाना था, एक अंतर्राज्यीय ड्रग कार्टेल से संबंधित थी। हमने नेटवर्क में शामिल अन्य व्यक्तियों को पकड़ने के लिए अपने अभियान तेज कर दिए हैं। आंध्र प्रदेश पुलिस ने एलुरु जिले के पोलासनीपल्ली हाईवे पर वाहनों की चेकिंग के दौरान एक कार से 10 लाख रुपए मूल्य का 140 किलोग्राम गांजा जब्त किया। चार लोगों को हिरासत में लिया गया है।

सौ सिलेंडरों में ...

तरफ से खगड़िया की ओर जा रहा था। इसी बीच भागलपुर-खगड़िया की सीमा पर स्थित सतीशनगर में एनएच 31 पर गैस सिलेंडर से लदे ट्रक में अचानक आग लग गई। इसके बाद ट्रक पर लदे सिलेंडर में एक-एक कर विस्फोट होने लगा। ट्रक में 100 से ज्यादा रसोई गैस लदे हुए थे। धमाके की आवाज दूर के इलाकों तक सुनाई दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने हाईवे पर दोनों तरफ के आवागमन को रोक दिया, जिसके कारण दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर दमकल पहुंची और आग को बुझाने के प्रयास किए गए। हालांकि सिलेंडर में लगातार विस्फोट होने के कारण आग बुझाने में काफी परेशानी हुई। हाईवे पर जाम लगने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

रेल टिकट में ...

कोविड-19 महामारी शुरू होने के बाद से यह छूट स्थगित है। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे ने यात्री सेवाओं के मद में 59 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की है जो काफी बड़ी राशि है एवं कुछ राज्यों के वार्षिक बजट से ज्यादा है। उन्होंने यह भी कहा कि पेंशन के मद में रेलवे द्वारा जारी राशि 60 हजार करोड़ रुपए और वेतन के मद में जारी होने वाली राशि 97 हजार करोड़ रुपए है। इसके अलावा ईंधन पर 40 हजार करोड़ रुपए खर्च होता है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हमने पिछले वर्ष यात्रियों को 59 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी दी है और नयी सुविधाएं आ रही हैं। अगर कोई नया फैसला करना है तब हम करेंगे। लेकिन अभी की स्थिति में सभी को रेलवे की स्थिति को देखना चाहिए। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में वैष्णव ने कहा कि अभी वंदे भारत ट्रेन 500 से 550 किलोमीटर की अधिकतम दूरी तक चलती हैं और एक बार उपयुक्त ढांचा तैयार होने पर इन्हें और लंबी दूरी तक के लिए भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो जाने पर अयोध्या को ट्रेन के माध्यम से देश के हर क्षेत्र से जोड़ने की योजना है।

अनुच्छेद 370 पर ...

की सुनवाई करने वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ में शामिल रहे पूर्व प्रधान न्यायाधीश रमण और न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी सेवानिवृत हो चुके हैं। ऐसे में शीर्ष अदालत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए फिर से पांच न्यायाधीशों की पीठ गठित करेगी। अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निष्प्रभावी करने के केंद्र सरकार के फैसले और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेश में विभाजित करने वाले जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के खिलाफ विभिन्न याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इन याचिकाओं को साल 2019 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमण की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ के पास भेज दिया था। केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करके जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा वापस ले लिया था।

मेघालय के चार...

अध्यक्ष मेटबाह लिंगदोह से राज्य सचिवालय में मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया था। बता दें कि तीनों विधायक 28 नवंबर को ही विधानसभा अध्यक्ष मेटबाह लिंगदोह से राज्य सचिवालय में मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया था। मेघालय में मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (एमडीए) की सरकार है। 60 सदस्यीय मेघालय विधानसभा में एनपीपी के 23 सहित गठबंधन के कुल 48 विधायक हैं। भाजपा अपने दो विधायकों के साथ राज्य में नेशनल पीपुल्स पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की सहयोगी है। एनपीपी के साथ भाजपा के रिश्तों में कुछ दिनों से खटास आ रही है। इसके पहले इसी साल फरवरी में मेघालय कांग्रेस के पांचों विधायक भाजपा गठबंधन सरकार में शामिल हो गए थे। जबकि पिछले साल पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल सांग्मा सहित 12 विधायक कांग्रेस छोड़ तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इसके बाद मेघालय विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों की संख्या पांच रह गई थी, जबकि शुरुआत में विपक्षी पार्टी के सदन में 17 सदस्य थे।

पूर्वोत्तर में बड़ी जीत ...

हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भाजपा पूर्वोत्तर में होने जा रहे चुनावों में बड़ी जीत हासिल करेगी। पिछली बार हुए चुनावों में भाजपा तीन राज्यों में लगातार दोबारा सरकार बनाने में सफल रही थी, जो यह साबित करता है कि पूर्वोत्तर के राज्यों में पार्टी की नीतियां लगातार लोकप्रिय हो रही हैं। पूर्वोत्तर के मामलों के प्रभारी संबित पात्रा ने बताया कि बेनेडिक्ट बराक और हिमालय सहित चार विधायक भाजपा में शामिल हुए हैं। इनमें तृणमूल कांग्रेस के विधायक हिमालय भी शामिल हैं। उन्होंने अपने चुनाव क्षेत्र में बड़ी जीत हासिल की थी। फरवरी 2023 में मेघालय विधानसभा के लिए चुनाव होना है। इसे लेकर पार्टी अभी से सक्रिय हो गई है। पार्टी ने पूर्वोत्तर में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही अपने चुनावी अभियान के केंद्र में रखा है। पार्टी पूर्वोत्तर में केंद्र सरकार द्वारा किए गए कार्यों को खूब प्रचारित कर रही है।

छपरा में जहरीली ...

रहा है। मृतकों के कई परिजन बीमारी से मौत होने की भी बात बता रहे हैं। पुलिस प्रशासन इस घटना पर कुछ भी बताने से इनकार कर रहा है। पुलिस कप्तान संतोष कुमार ने बताया कि पूरे मामले की अभी पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद सोमवार की रात ही सदर अस्पताल में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। इस घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने मशरख हनुमान चौक स्टेट हाईवे-90 पर शव को रखकर जाम कर दिया है। स्थानीय ग्रामीण जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। मशरख में ग्रामीण उग्र प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों को समझाने के लिए पुलिस के वरीय पदाधिकारी कई थाने के पुलिस के साथ वहां पहुंचे। घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि इसुआपुर थाना क्षेत्र के डोइला से आए जहरीली शराब पीने से अमनौर, मढौरा एवं मशरख प्रखंड के अब तक 21 लोगों की मौत हुई है।

त्रिपुरा विस चुनाव ...

गोपाल चंद्र रॉय और एआईसीसी सचिव सजारिता लैटफलांग भी समिति के सदस्य हैं। टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष गोपाल चंद्र रॉय के अध्यक्ष के साथ 16 सदस्यीय राजनीतिक मामलों की समिति भी घोषित की गई है। गोपाल चंद्र रॉय ने बताया कि पार्टी के एकमात्र विधायक (सुदीप रॉय बर्मन) को टीपीसीसी अभियान और प्रचार समिति का प्रमुख बनाया गया है, जबकि सात सदस्यीय घोषणापत्र समिति की अध्यक्षता पार्टी के दिग्गज नेता शांति राजन देबनाथ करेंगे।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

परा अपरा के भेद में, राग रहित वैराग।
सकल जीव बन्धन पड़े, कोइ विरले जन भाग॥ 03॥

शब्दार्थ : (परा) दूसरा (अपरा) एक।

भाष्य : राग से रहित होने को वैराग्य कहते हैं। पर और अपर भेद सेदो प्रकार के वैराग्य होते हैं। लौकिक एवं पारलौकिक विषयों के भोग से इच्छारहित होना अपर वैराग्य है और योगाभ्यास द्वारा प्राकृतिक त्रिगुणों से तृष्णारहित हो कर पृथक हो जाना पर-वैराग्य है। संसार के समस्त प्रामी इन्हीं विषय-राग में फंसकर अत्यंत कष्ट पा रहे हैं। इनसे विरक्त हो भागने वाला कोई विरला ही विवेकी होता है। इस माया से लड़कर कोई नहीं पार पा सकता। इससे भागकर ही अपने को बचा कर सद्गुरु-शरण में रह, प्रभु-भजन द्वारा मायाचक्र से छुटकारा होता है।

गुण त्रिलोग अणिमादिक, भोगन अति दुख लाग।
वायस विट सम सो तजे, ताहि कहत वैराग॥ 04॥

शब्दार्थ : (गुण) सत, रज, तम (अणिमादिक) अणिमा, गरिमा, महिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व, वशित्व (वायस) कौवा (बिट) बिष्ठा, मल (सम) समान।

भाष्य : त्रिगुणों से युक्त त्रिलोक-सुख और अणिमादिक सिद्धियां हैं। इनके भोग दु:खमय प्रतीत होने लगते हैं। इन्हें कौवा के बिष्ठा के समान छोड़ने को वैराग्य कहते हैं। जब संसार के सुख दु:खमय प्रतीत होने लगते हैं, तब चित्त माया की आसक्ति को छोड़ता है और प्रभु-भजन करने में प्रवृत्त होता है। संसार का विषय, दु:खमय भासित जब होगा, तब वैराग्य होगा और प्रभु की प्राप्ति का साधन होगा इसलिए वैराग्यवान होने का प्रयत्न करना चाहिए, जिससे विषय-राग से रुचि हट जावे और प्रभु के भजन में प्रीति लगे। वैराग्य द्वारा इंद्रियों का विषयाकर्षण मंद होता है और साधन द्वारा क्रमश: बिषय से विरक्त हो कर आत्मचेष्टा अपने स्वरूप में आकर निशिदिन अपने गुरु-प्रदेश में स्थिर रहती है।

राज्य में 20 फरवरी से शुरू होंगी 12वीं की परीक्षाएं

गुवाहाटी (विभास)। असम बोर्ड ने 12वीं कक्षा की डेटशीट रिलीज कर दी है। यह परीक्षाए फरवरी में 20 तारीख से शुरू होंगी और 20 मार्च को समाप्त होंगी। असम हायर सेकेंडरी एजुकेशन काउंसिल ने बारहवीं कक्षा की परीक्षा का टाइम टेबल आधिकारिक वेबसाइट पर रिलीज किया है। 12वीं की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राएं आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर शेड्यूल को डाउनलोड कर सकते हैं। असम बोर्ड 12वीं कक्षा की डेटशीट 2023 की घोषणा करते हुए शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने कहा कि 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 25 जनवरी से आयोजित की जाएंगी। यह 15 फरवरी, 2023 तक चलेगी। वहीं इस संबंध में उन्होंने ट्वीट किया है। असम कक्षा 12 की परीक्षा 2023 दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इसके अनुसार, सुबह की पाली सुबह 9 बजे से शुरू होकर 11 बजे समाप्त होगी। वहीं, दोपहर की पाली दोपहर 1.30 बजे से 3.30 बजे के बीच समाप्त होगी। 20 फरवरी 2023 को पहला पेपर इंग्लिश का होगा। इसके बाद 23 को फिजिक्स, अकाउंटेंसी, एजुकेशन जनरल ऑफ फाउंडेशन कोर्स सेकेंड और 25 फरवरी, 2023 को इकोनोमिक्स परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, 2 मार्च को मॉर्डन इंडियन लैंग्वेज और 4 मार्च को म्यूजिक ग्रुप ए की परीक्षा कराई जाएगी। इसके अलावा, स्श्रक्कक्षा 10 2023 की परीक्षाएं 3 मार्च से आयोजित करेगा। कक्षा 10 मैट्रिक परीक्षा पहले दिन अंग्रेजी के पेपर के साथ शुरू होगी।

दरंग से दो अवैध शिकारी गिरफ्तार

दरंग (हि.स.)। दरंग जिला के दलगांव पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान दो अवैध शिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि ओरांग राष्ट्रीय उद्यान में गैंडे की हत्या करने के इरादे से पहुंचे दो अवैध शिकारियों को गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार की सुबह गिरफ्तार किया गया। राष्ट्रीय उद्यान में हथियार के साथ प्रवेश करने के दौरान दोनों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिश्वनाथ जिला निवासी अब्दुल मतीन और नगांव जिला निवासी समसुद्दीन के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से एक प्वाइंट 303 बोर की राइफल, 14 जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

पूसीरे कल्चरल एसोसिएशन का रूपकोंवर ज्योतिप्रसाद आगरवाला की प्रसिद्ध रचना लभिता पर नाट्य-प्रदर्शन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार के सांस्कृतिक मामलों के निदेशालय के सहयोग से नटसूर्य मेमोरियल सेलिब्रेशन कमेटी द्वारा आयोजित पांच दिवसीय %नटसूर्य% नाटक महोत्सव का 26वां संस्करण 12 से 16 दिसंबर तक श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, पंजाबाड़ी, गुवाहाटी में मनाया जा रहा है। 15 दिसंबर की शाम 06.30 बजे पूर्वोत्तर सीमा रेल कल्चरल एसोसिएशन (पूसीरे सीए) रूपकोंवर ज्योतिप्रसाद आगरवाला के प्रसिद्ध रचना %भिता पर आधारित नाटक का प्रदर्शन करेगा। नाटक का निर्देशन प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, पूसीरे और पूसीरेसीए के संस्थापक अध्यक्ष चन्द्रजीत सैकिया ने किया है। असम की सत्रीया कल्चर के प्रमुख चेहरों में से एक पद्मश्री नृत्याचार्य जतिन गोस्वामी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। पूसीरे के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। रूपकोंवर ज्योतिप्रसाद आगरवाला की पुत्रियों- जयश्री चालिहा, ज्ञानश्री पाठक और सत्यश्री दास भी उपस्थित रहेंगी। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को बताया है कि रूपकोंवर ज्योतिप्रसाद आगरवाला द्वारा रचित लभिता 1947 की है और स्वतंत्रता आंदोलन एवं द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान असम और पूर्वोत्तर की स्थिति के आसपास केंद्रित है। पात्र लभिता नाटककार की एक असाधारण रचना है। पूसीरेसीए के सदस्य वैसे कर्मचारी है, जिनकी भर्ती पूसीरे द्वारा सांस्कृतिक कोटे से की जाती है। पूसीरेसीए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, थिएटरों, नाटकों आदि में पूसीरे का प्रतिनिधित्व करता है। पूसीरेसीए ने कई कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभा कर पूसीरे का नाम उज्ज्वल किया है। पूसीरे उम्मीद करता है कि पूसीरे कल्चरल एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत लभिता नाटक को देखने के लिए रंगमंच प्रेमियों की अच्छी उपस्थिति होगी।

एनटीपीसी बंगाईगांव में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया गया

बंगाईगांव (हि.स.)। देश के अन्य हिस्सों की तरह एनटीपीसी बंगाईगांव प्लांट परिसर में बुधवार को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया गया। बंगाईगांव एनटीपीसी के सीजीएम करुणाकर दास ने इस अवसर पर (ओ एंड एम) महाप्रबंधक उमेश सिंह, जीएम (एफएम) एसके झा, जीएम (रखरखाव) इंदुरी एस रेड्डी, जीएम (परियोजना) अरूणासिस दास, एजीएम (ईईएमजी) सुसोभन दास और ईईएमजी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और स्टेशन के कर्मचारी उपस्थिति थे। बंगाईगांव एनटीपीसी के सीजीएम दास ने रोजमर्रा की जिंदगी में विवेकपूर्ण ढंग से ऊर्जा के उपयोग पर प्रकाश डाला, शून्य अपव्यय सुनिश्चित कर और स्वस्थ पर्यावरण और टिकाऊ भविष्य के लिए ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक किया। जलवायु परिवर्तन को कम करने में ऊर्जा संरक्षण एक महत्वपूर्ण कारक है। यह नवीकरणीय ऊर्जा के साथ गैर-नवीकरणीय संसाधनों के प्रतिस्थापन में मदद करता है। ऊर्जा संरक्षण अक्सर ऊर्जा की कमी का सबसे अधिक लागत प्रभावी समाधान होता है, साथ ही ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की तुलना में अधिक पारिस्थितिक रूप से अनुकूल विकल्प होता है। परिसर के कर्मचारियों, परिवार के सदस्यों और बच्चों के लिए पेंटिंग, निबंध प्रतियोगिता, स्लोग आदि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

जीआई टैग ने प्रदेशवासियों के साथ बुनकरों को किया बेहद उत्साहित : हेमप्रभा सुतिया

जोरहाट (हि.स.)। बुनाई के जरिए कई धर्म ग्रंथों को गामोछा पर उकेरने वाली प्रसिद्ध बुनकर तथा असम गौरव पुरस्कार से सम्मानित हेमप्रभा सुतिया ने कहा है कि आज गामोछा को मिली यह स्वीकृति प्रदेशवासियों के साथ ही बुनकरों को बेहद उत्साहित कर दिया है। बुनकर हेमप्रभा ने सरकार से हथकरघा से तैयार गामोछा और कपड़े को दुनिया के सामने पेश करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। वहीं, हथकरघा के माध्यम से असम की समस्याओं को हल करने की भी अपील की है। ज्ञात हो कि असमिया के स्वाभिमान %फूलाम गमोसा% को भौगोलिक मान्यता (जीआई टैग) दी गई है। स्वाभाविक है कि असम के बुनकरों को भौगोलिक संकेत ऐसे समय में मिला है, जब

बाहरी राज्य के गामोछा ने प्रेम, आत्मीयता से बने असमिया के स्वाभिमान स्वरूप फूलम गमोसा के बाजार में चिंता पैदा कर दिया था। जीआई टैग मिलने से राज्यवासियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। असमिया विरासत और संस्कृति के वाहक असमिया के स्वाभिमानी गामोछा की यह उपलब्धि विशेष रूप से बुनकरों को प्रोत्साहित करती है। उल्लेखनीय है कि दूसरे राज्य के गामोछा ने असम के बुनकरों को निराश किया था और ऐसे समय में जब दूसरे राज्य के गामोछा ने वास्तविक स्थिति को कम कर दिया था, आज असमिया गामोछा की मान्यता ने असम के लोगों को उत्साहित कर दिया है। राज्यवासियों ने गामोछा के भौगोलिक संकेत को मान्यता देने के लिए सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री सहित प्रमुख हस्तियों ने गामोछा को अपने कंधों पर उठाकर जो सम्मान दिखाया है, वह हर असमिया के लिए गर्व की बात है।

धुबड़ी में भीषण सड़क हादसा

धुबड़ी। धुबड़ी जिले के गौरीपुर थाना के अंतर्गत पनवाड़ी के पास एक भयंकर पद दुर्घटना में एक व्यक्ति का मौके पर ही मौत हो गया द्य मिली जानकारी के अनुसार 17 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पनवाड़ी के पास एक तीव्र गति से आ रही बाइक संख्या ए एस 17 एम 1718 और ए एस 26 सी 2904 डंपर गाड़ी के साथ जबरदस्त टक्कर के दौरान एक व्यक्ति का मौके पर ही मृत्यु हो गया द्य मरने वाले बाइक चालक धुबड़ी के खलीलपुर गांव के बिपलब ज्योति सरकार के नाम से पहचान किया गया द्य घटना की जानकारी मिलते हैं पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर परिस्थिति को नियंत्रण करके मरने वाले व्यक्ति को धुबड़ी सिविल हस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दीया द्य इस संबंध में पुलिस ने एक प्राथमिक दर्ज कर घटना की छानबीन शुरू कर दिया है।

दो गुटों के बीच झड़प छह घायल, तीन गंभीर

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव जिला के लाहरीघाट में दो गुटों के बीच हुए आपसी मारपीट में 6 लोग घायल हो गए। जिसमें 3 की हालत गंभीर बताई गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि छोटे बच्चों के झगड़े को लेकर जिला के लाहरीघाट के कसरीबाड़ी इलाके में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट के दौरान से 6 लोग घायल हो गए। जिसमें 3 की हालत काफी गंभीर बताई गई है। सभी घायलों को मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए मोरीगांव सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल परिवारों पर हमला करने का आरोप शहाबुद्दीन, अब्दुल कलाम, जहार अली, बहारूल इस्लाम, महीबुर, अब्दुल करीम, अहिदुल इस्लाम, रिजाबुल इस्लाम, असादुल इस्ला, अबुल्ला, नाजमा, आदरी, सहारा खातून के रूप में की गई है। घटना के संबंध में घायल परिवारों द्वारा लाहरीघाट पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने महिला-बच्चों समेत सात को मानव तस्करों के चंगुल से बचाया

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया रेलवे जंक्शन के पास करियारा इलाके से पुलिस ने छापेमारी करते हुए बुधवार को महिला और बच्चों सहित सात लोगों को मानव तस्करों के चंगुल से बचाया है। मानव तस्कर गिरोह सभी को पंजाब ले जाने की फिराक में थे। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया पुलिस स्टेशन के प्रभारी पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में एक टीम ने छापेमारी की और इस मानव तस्करी के अड्डे को ध्वस्त कर दिया। बचाए गये लोगों में त्रिपुरा के एक व्यक्ति, झारखंड के एक पुरुष और उदालगुड़ी, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया के बच्चों और महिलाओं सहित सात लोग शामिल हैं। इससे जुड़ा तस्कर गिरोह का मुख्य आरोपित पुलिस की भनक मिलते ही फरार हो गया।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध परिवहन विभाग ने शुरू किया तलाशी अभियान

शोणितपुर (हि.स.)। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के साथ-साथ वाहनों पर टैक्स वसूलने के लिए बीती रात को हाईवे पर परिवहन अधिकारियों ने अभियान चलाते हुए कई वाहनों से जुर्माना भी वसूला। वहीं दूसरी ओर नये वर्ष के आगमन के चलते अब पिकनिक का मौसम भी है। ऐसे में परिवहन विभाग ने मुख्य रूप से नशे में वाहन चलाने वालों के विरूद्ध अपना अभियान तेज कर दिया है। शोणितपुर जिला परिवहन विभाग पिकनिक के नाम पर राजमार्गों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कमर कस लिया है। शोणितपुर परिवहन विभाग की शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पैनी नजर है। परिवहन विभाग ने शोणितपुर जिला मुख्यालय तेजपुर की सड़कों पर वाहनों की तलाशी बढ़ा दी है। सर्दियां आते ही दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं। यात्री बसों, बाइक और छोटे वाहनों के नियमों का पालन नहीं करने वाले चालकों को दंडित किया जा रहा है। क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर परिवहन विभाग ने तलाशी अभियान को तेज किया है।

भारी मात्रा में म्यांमार से लाई गई सागौन लकड़ी समेत ट्रक कंटेनर जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार

कोकराझार (हि.स.)। कोकराझार जिला के गोसाईगांव अनुमंडल के शिमलुटापू पुलिस ने बुधवार दोपहर श्रीरामपुर अंतरराज्यीय चेकपोस्ट के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-31(ई) पर छापा मारकर ट्रक कंटेनर से भारी मात्रा में पड़ोसी देश म्यांमार से लायी गयी सागौन की लकड़ी बरामद की है। पुलिस ने बताया है कि ट्रक कंटेनर (एचआर-55वाई-6247) को पुलिस ने पकड़ने के बाद तलाशी ली। ट्रक कंटेनर से भारी मात्रा में म्यांमार से लायी गयी सागौन की लकड़ी बरामद की गयी। एक गुप्त सूचना के आधार पर शिमलुटापू थाना प्रभारी संजय राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर छापा मारा और ट्रक को जब्त कर ट्रक चालक इरशाद मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया। ट्रक से लकड़ी के 134 लट्ठे बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार ड्राइवर के अनुसार तस्करी की लकड़ी को परिवहन के लिए गुवाहाटी से दिल्ली भेजा जा रहा था। गिरफ्तार ड्राइवर हरियाणा के मेवात का रहने वाला बताया गया है। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। वहीं राज्य के पहाड़ी जिला पश्चिम कार्बी आँग्लांग मुख्यालय हामरेन स्थित जिला कारागार में एक कैदी की मौत के बाद सनसनी फैल गयी है। हामरेन की जिला जेल के कैदी दीपेंद्र फांसो की रहस्यमय तरीके से मौत का मामला सामने आया है। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मृतक फांग बैठालांगसू पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले चिनथोंग रंकरबी गांव का रहने वाला था। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए डिफू भेजा दिया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के सामागुड़ी इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बीती रात सामागुड़ी राजामैदाम पुल के समीप हुई सड़क दुर्घटना में बाइक (एएस-04टी-9562) चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटनाएं मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत बाइक चालक के शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृत बाइक चालक की पहचान देउरजा वालीपथार निवासी रमेन चंद्र गोगोई के रूप में की गई है। गोगोई की मौत तेज रफ्तार टाटा डीआई द्वारा ठोकर मारे जाने की वजह से मौके पर ही हो गई। घटना के बाद टाटा डीआई समेत चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

नगांव में साइकिल रेस प्रतियोगिता आयोजित

नगांव (निसं)। बढ़मपूर शहीद स्मृति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पिछले 9 फरवरी से चल रहे छात्र-छात्राओं के बीच खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत आज सुबह बढ़मपूर पशु धन पाम कार्यालय से लेकर हाईस्कूल तक साइकिल रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में छात्र-छात्राएं ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रुप में पधारे वरिष्ठ पत्रकार अजय महतो ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रेस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस ठंड भरी सुबह में छात्रों का उत्साह ही खेल के महत्व को दर्शाता है। पत्रकार श्रीमहतो ने कहा कि पढ़ाई के साथ ही खेल अपने आप में एक महत्वपूर्ण विषय है, जिसके माध्यम से छात्रों के स्वास्थ्य के साथ-साथ बौद्धिक विकास और तेज दिमाग की क्षमता बढ़ती है। खेल शिक्षक प्रभात बोरा ने कहा कि खेल से पुष्ट और स्फूर्तिमय शरीर ही मन को स्वास्थ्य बनाता है। उन्होंने कहा कि खेल से नियम पालन के स्वभाव का विकास होता है और मन एकाग्र होता है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नलिनी कुमार बोरा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आदरणी सेवा योजना के वाहन चालकों ने दिया धरना

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर में आदरणी सेवा योजना के वाहन चालकों ने बुधवार को अपनी मांगों को लेकर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। शिवसागर जिला के संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक के कार्यालय परिसर में आदरणी सेवा योजना के वाहन चालकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। ज्ञात हो कि असम सरकार ने 7 दिसंबर को हुई कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ने आदरणी योजना को बंद करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद शिवसागर के आदरणी सेवा योजना के वाहन ड्राइवरों के जीवन पर अनिश्चितता आ गई है। शिवसागर जिला में आदरणी सेवा योजना के साथ छह चालकों को तैनात किया गया था। पिछले दस साल से ड्राइवर अपने परिवार का पेट पालने के लिए योजना के तहत वाहन चला रहे थे।

मंत्री दास ने असम आंदोलन के शहीद अक्षेंद्र तालुकदार की प्रतिमा का किया अनावरण

बजाली (हि.स.)। राज्य में छह साल तक चले अवैध घुसपैठियों के निष्कासन की मांग को लेकर असम आंदोलन में बजाली क्षेत्र से छह लोग शहीद हुए थे। उन शहीदों की स्मृति को संजोने के लिए बजाली जिला के पाटाचारकुची विधानसभा क्षेत्र के विधायक रंजीत कुमार दास ने विशेष पहल की है। लोगों और परिवार के सहयोग से हर शहीद के परिवार के घर में शहीदों की आदमकद प्रतिमा बनाई गई है। 1983 के असम आंदोलन के दौरान सीआरपीएफ की गोली से जान गंवाने वाले शहीद का दर्जा पाने वाले बजाली के बामाखाटा के निवासी अक्षेंद्र तालुकदार के घर पर बनाई गई एक आदमकद प्रतिमा का मंत्री रंजीत कुमार दास ने बुधवार को अनावरण किया। एक समारोह में प्रतिमा का अनावरण मांगलिक ध्वनि के साथ किया गया।

सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिला के आमगुड़ी के समीप सामगु ी इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बीती रात सामगु ी राजामैदाम पुल के समीप हुई सड़क दुर्घटना में बाइक (एएस-04टी-9562) चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटनाएं मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत बाइक चालक के शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृत बाइक चालक की पहचान देउरजा वालीपथार निवासी रमेन चंद्र गोगोई के रूप में की गई है। गोगोई की मौत तेज रफ्तार टाटा डीआई द्वारा ठोकर मारे जाने की वजह से मौके पर ही हो गई। घटना के बाद टाटा डीआई समेत चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। वहीं चिरांग जिला के बिजनी के एक नंबर दारंगा इलाके में पुलिस और एसएसबी की टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बुधवार को एसएसबी के सहयोग से चलाए गए अभियान के दौरान एक नंबर दारंगा निवासी बिश्वनाथ मंडल (44) को गांजा समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से 6.431 किग्रा गांजा बरामद किया गया।

नदी कटाव और प्रबंधन पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

गुवाहाटी । राजीव यादव, आईएएस (आर) और भारतीय संस्थान प्रौद्योगिकी गुवाहाटी (सिविल इंजीनियरिंग विभाग) की अध्यक्षता में 14 से 16 दिसंबर, 2022 तक गुवाहाटी और काजीरंगा में ब्रह्मपुत्र बोर्ड (भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के तहत) द्वारा रिवर इरोसियन एलिविएशन एंड मैनेजमेंट (स्ट्रीम-2022) के लिए सतत प्रौद्योगिकियों पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्घाटन 14 दिसंबर को हुआ, जिसके बाद दो तकनीकी सत्र हुए। उक्त सम्मेलन तीन दिनों तक चलेगा। सम्मेलन के दूसरे दिन तकनीकी सत्र होंगे, जिसके बाद समस्या का सामना करना और सफलता की कहानी पर एक पैनल चर्चा होगी। तीसरा दिन काजीरंगा के रास्ते में कुछ कटाव प्रभावित क्षेत्रों के क्षेत्र के दौरे के साथ शुरू होगा, जहां बाढ़, कटाव प्रबंधन और सामाजिक आर्थिक पहलुओं पर प्रभाव पर पैनल चर्चा आयोजित

की जाएगी। तकनीकी सत्र पांच विषयों पर केंद्रित होगा, पहले दो विषयों को पहले दिन और बाकी को दूसरे दिन कवर किया गया था। सम्मेलन में मुख्य सत्र होंगे और प्रत्येक तकनीकी सत्र में एक आमंत्रित व्याख्यान होगा। स्ट्रीम-2022 रिवर बैंक कटाव को नियंत्रित करने के लिए बायोइंजीनियरिंग, मॉडलिंग, सिमुलेशन और बाढ़ जोखिम प्रबंधन, जलग्रहण प्रबंधन के लिए पारिस्थितिक प्रबंधन प्रथाओं (ईएमपीएस), प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, जलवायु परिवर्तन के मुद्दों और आपदा की तैयारी और विधियों, सामग्री और सामग्री सहित बाढ़ और कटाव में नीतिगत मुद्दे पर विभिन्न विषयों से निपटेगा। पहले दिन के पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर टीवी भारत और प्रोफेसर चंदन घोष ने की, सत्र का विषय बायोइंजीनियरिंग फॉर कंट्रोलिंग रिवर बैंक इरोजन था। जलग्रहण प्रबंधन के लिए पारिस्थितिक प्रबंधन प्रथाओं (ईएमपी) के विषय पर चलने वाले दूसरे सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर अरूप कुमार शर्मा और पीएम स्कॉट ने की। दोनों तकनीकी सत्रों के लिए पहले दिन विभिन्न संस्थानों की प्रतिष्ठित हस्तियों और अन्य क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा कुल 24 पेपर प्रस्तुत किए गए, जिसके बाद असम के विभिन्न जनजातियों के बिहू नृत्य और प्रदर्शन को प्रदर्शित करने वाला एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आसमान से लेकर जमीन तक चीन की घुसपैठ को विफल किया भारत ने

- तीन बटालियन ने चीन के सैनिकों को सीमा में लौटने को मजबूर किया
- भारत की जवाबी तैयारियों के बारे में पीएलए को नहीं लग सकी भनक

नई दिल्ली, (हि.स.)। तवांग सेक्टर के यांग्त्से इलाके में घुसपैठ करने के इरादे से पहुंचे चीन के सैकड़ों सैनिकों को वापस खदेड़ने का कारनामा भारत की महज तीन बटालियन ने कर दिखाया। पहले से खुफिया जानकारी होने के चलते भारत ने पिछले हफ्ते ही इन तीन बटालियन को उस जगह पर तैनात कर दिया था, जहां चीन ने क्षेत्र में यथास्थिति को एकतरफा बदलने की कोशिश की। चीन के सैनिकों को इसका अंदाजा नहीं था, लेकिन भारतीयों के आक्रामक रुख के आगे उन्हें उल्टे पांव अपनी सीमा में लौटने को मजबूर होना पड़ा। दरअसल, इस माह की शुरूआत से ही चीनी ड्रोन्स और हेलीकॉप्टरों ने कई बार एलएसी के नजदीक तक उड़ान भरकर हवाई घुसपैठ करने की कोशिश की थी, जिसका भारत की वायु सेना ने लड़ाकू सुखोई उड़ाकर माकूल जवाब दिया। इसी बीच भारत को जमीनी स्तर पर भी चीन के घुसपैठ के इरादों की खुफिया जानकारी मिली। इस पर भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर राइफल्स, जाट रेजिमेंट और सिख लाइट इन्फैंट्री की तीन अलग-अलग बटालियन को तवांग सेक्टर में तैनात कर दिया। चीन के किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिए

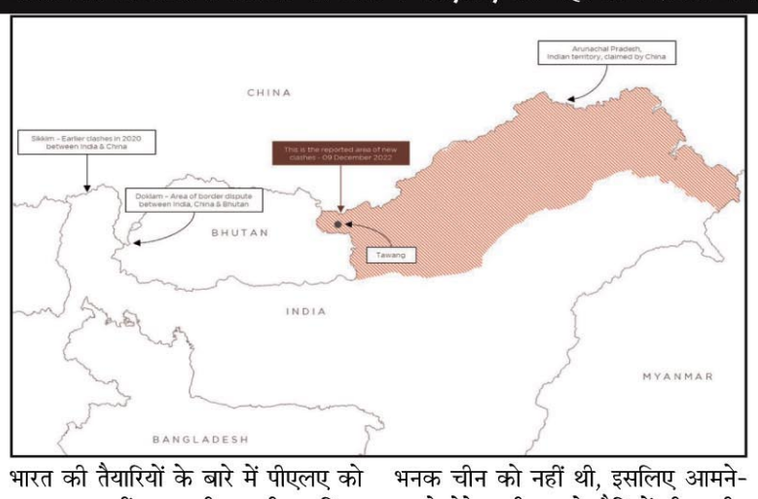

भारत की तैयारियों के बारे में पीएलए को भनक तक नहीं लग सकी। भारतीय खुफिया एजेंसियों की सूचनाओं को सच साबित करते हुए चीन के सैनिकों का एक दल 09 दिसम्बर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में उस पहाड़ी पर आ धमका, जो इस समय बर्फ से ढकी हुई है। लाठी-डंडों से लैस होकर आए करीब 300 चीनी सैनिकों का मुकाबला करने के लिए यहां पहले से ही पैदल सेना रेजिमेंटों की तीन बटालियनों के भारतीय जवान तैनात थे। चूंकि इसकी भनक चीन को नहीं थी, इसलिए आमने-सामने होने पर पीएलए के सैनिकों की भारतीय सेना की तीन इकाइयों के साथ झड़प हुई। झड़प के दौरान चीनी सैनिक हर हाल में भारतीय जवानों को पछाड़ने की उम्मीद कर रहे थे। भारत के बहादुर जवानों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को बदलने के चीन के प्रयास को विफल कर दिया। घुसपैठ के लिए आए चीनी सैनिक लाठियों और अन्य उपकरणों से लैस थे। भारतीय सैनिक भी संघर्ष के लिए तैयार थे, क्योंकि वे दुश्मन के इरादों को जानते थे। चीन के सैनिकों से झड़प के दौरान भारतीय सेना की तीनों बटालियनों ने चरणबद्ध तरीके से मुकाबला किया। चीन की सेना ड्रोन के साथ पूरे क्षेत्र को शूट करने के लिए आई थी। भारतीय सैनिकों पर हमला करने के लिए चीन के जवानों ने पथराव भी किया, लेकिन उन्हें करारा जवाब देकर एलएसी के अपने पक्ष में पीछे हटने के लिए मजबूर किया गया। सैन्य सूत्रों के अनुसार चीन की सेना के जवान हर साल अपनी दावा रेखा से बाहर गश्त करने की कोशिश करते हैं, जिसे भारत अनुमति नहीं देता है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होलीदीप और परिक्रमा क्षेत्र के आसपास यांग्त्से में चीनी पक्ष भारतीय गश्त का विरोध कर रहा है। इस बार पहले हवाई और फिर जमीनी घुसपैठ की कोशिश हुई है, लेकिन आसमान से लेकर जमीन तक चीन को मुंह की खानी पड़ी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में साफ कर दिया है कि भारतीय सेना किसी को भी देश में कहीं भी एक इंच जमीन पर कब्जा करने की अनुमति नहीं देगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी सदन को विश्वास दिलाया है कि हमारी सेना किसी भी अतिक्रमण से निपटने के लिए तैयार है।

प्रदूषण से राहत, दिल्ली में एक्यूआई 133

अजय त्यागी

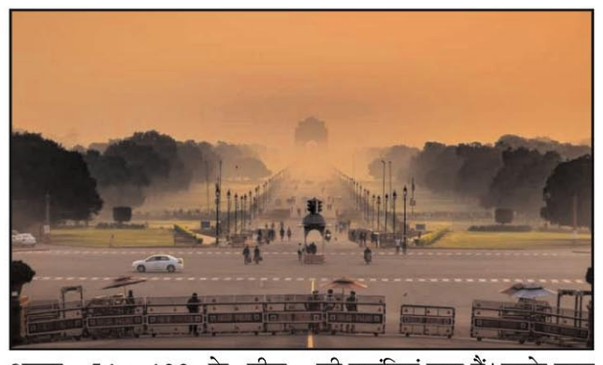

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में हवा की रफ्तार बरकरार रहने से वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार हुआ है। दिल्ली में प्रदूषण स्तर खराब से मध्यम श्रेणी में आ गया है। यानी लोग खुलकर अब सांस ले सकते हैं। बुधवार को राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 133 दर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक दिल्ली के सभी क्षेत्रों में एक्यूआई स्तर में सुधार हुआ है। आनंद विहार में एक्यूआई स्तर 178, आईजीआई एयरपोर्ट में 120, आईटीओ में 120, द्वारका में 281 और नजफगढ़ में 152 दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51- 100 के बीच संतोषजनक, 101-200 के बीच मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बहुत खराब और 401-500 के बीच गंभीर माना जाता है। राजधानी में प्रदूषण को कम करने के लिए ग्रेडड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के दूसरे चरण की पाबंदियां लागू हैं। इसके तहत सड़कों की सफाई के दौरान पानी का छिड़काव करने की सलाह दी गई है। इसके साथ होटल में तंदूर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। डीजल जेनरेटर सेट पर प्रतिबंध है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा दिया गया है।

पांच दिन बाद अलवर में प्रवेश करेगी भारत जोड़ों यात्रा, तैयारियों को दिया जा रहा है अंतिम रूप

अलवर, (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा 19 दिसंबर की सुबह अलवर जिले में प्रवेश करेगी। तीन दिन यह यात्रा अलवर में रहेगी। सुरेर राजगढ़ से प्रवेश के बाद नौगांवा रामगढ़ से हरियाणा में प्रवेश करेगी। अलवर ग्रामीण विधान सभा के मालाखेड़ा में प्रदेश की सबसे बड़ी जनसभा होगी। यात्रा की सभी तैयारियों को जिला पुलिस व प्रसाशन और जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से अंतिम रूप दिया जा रहा है। जहां सभा होगी वह क्षेत्र कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली का विधानसभा क्षेत्र है। मंत्री जूली ने बताया की अलवर के लिए यात्रा का आना गौरव की बात है। लोगों में बहुत उत्साह है। कांग्रेस कमेटी की ओर से यात्रा की व्यवस्थाओं के लिए 20 कमेटियां बनाई गई है। जिनमे शामिल लोग अपने कार्यो को बखूबी करेंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा जिले के जिस मार्ग से भी गुजरेगी उन मार्गो को प्रशासन की ओर से चमकाया जा रहा है। सड़कें बन रही है, डिवाइडर की मरम्मत और रंग पेंट हो

रहे है। पेड़ पौधों की छुटाई की जा रही है। सड़कों पर साफ सफाई की जा रही है। अलवर जिले में यात्रा के प्रवेश के बाद एक बड़ी राज्य स्तरीय जनसभा मलाखेड़ा में आयोजित होगी। राजस्थान की सबसे बड़ी जनसभा बताई जा रही है। इसके लिए मलाखेड़ा में 52 बीघा जमीन पर तैयारियां की जा रही है। जिसमें मंच से लेकर पार्किंग सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं शामिल है। केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली की पत्नी गीता जूली ने भी भारत जोड़ों यात्रा के अलवर पहुंचने से पूर्व मोर्चा संभाल लिया है। गीता एवं मालाखेडा प्रधान वीरवती घर-घर जाकर महिलाओं को पीले चावल बांटकर जनसभा एवं पैदल यात्रा में आने का न्यौता दे रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में भारत जोड़ों यात्रा का स्वागत करने के लिए अपार उत्साह है। भारत जोड़ो यात्रा 19 को सुबह 10 बजे दौसा जिले के बसवा से अलवर जिले की सीमा में प्रवेश करेंगे। अलवर में सुरेर की ढाणी में स्वागत कार्यक्रम रहेगा। दोपहर में मालाखेड़ा में राहुल गांधी की जनसभा होगी। महुआखुर्द में रात्रि विश्राम रहेगा। अगले दिन 20 को राहुल गांधी अलवर कटीघाटी से पैदल यात्रा शुरू करेंगे और रामगढ़ पहुंचेंगे। यहां बीजवा में रात्रि विश्राम रहेगा। 21 को सुबह 6 बजे यात्रा नौगांवा से हरियाणा सीमा में प्रवेश कर जाएगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुलाई विपक्ष की बैठक सरकार को घेरने बन रही रणनीति

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते नौ दिसंबर को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुई हिंसक झडप के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को विपक्ष की बैठक बुलाई। इस बैठक में संसद में रक्षा मंत्री के बयान के बाद विपक्ष सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है। बुधवार को चीन मुद्दे समेत कई अन्य मुद्दों पर चर्चा हो रही है। गौरतलब है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि चीन के सैनिकों ने नौ दिसंबर को तवांग सेक्टर में यांग्त्से क्षेत्र में यथास्थिति बदलने का एकतरफा प्रयास किया जिस-ाका भारत के जवानों ने दृढ़ता से जवाब दिया और उन्हें लौटने के लिए मजबूर किया। कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए लोकसभा में इस मुद्दे को उठाया। विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के कारण प्रश्नकाल की कार्यवाही बाधित हुई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में बताया कि इस झड़प में किसी भी सैनिक की मृत्यु नहीं हुई है और न ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि इस मुद्दे को चीनी पक्ष के साथ कूटनीतिक स्तर पर भी उठाया गया है और इस तरह की कार्रवाई के लिए मना किया गया है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के मुद्दे पर निचने सदन में दिये बयान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात कही। राजनाथ सिंह ने अपने बयान में कहा नौ दिसंबर 2022 को चीनी सैनिकों ने तवांग सेक्टर के यांग्त्से क्षेत्र में वास्तवित नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अतिक्रमण कर यथा स्थिति को एकतरफा तरीके से बदलने का प्रयास किया। चीन के इस प्रयास का हमारी सेना ने दृढ़ता के साथ सामना किया। उन्होंने कहा इस झड़प में हाथापाई हुईक भारतीय सेना ने बहादुरी से चीनी सैनिकों को हमारे क्षेत्र में अतिक्रमण करने से रोका और उन्हें उनकी चौकी पर वापस जाने के लिए मजबूर कर दिया। इस दौरान विपक्ष लगातार सरकार के खिलाफ नारेबाजी करता रहा। सिंह ने कहा कि इस झड़प में दोनों ओर के कुछ सैनिकों को चोट आई। उन्होंने कहा मैं इस सदन को यह बताना चाहता हूँ कि हमारे किसी भी सैनिक की मृत्यु नहीं हुई है और न ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सैन्य कमांडरों के समय पर हस्तक्षेप करने के कारण चीनी सैनिक अपने स्थान पर वापस चले गए। उन्होंने कहा कि इस घटना के पश्चात क्षेत्र के स्थानीय कमांडर ने 11 दिसम्बर 2022 को अपने चीनी समकक्ष के साथ स्थापित व्यवस्था के तहत एक फ्लैग मीटिंग की और इस घटना पर चर्चा की। सिंह ने कहा कि चीनी पक्ष को इस तरह की कार्रवाई के लिये मना किया गया है और सीमा पर शांति बनाये रखने के लिये कहा गया है।

जी-20 कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लेंगे दिल्ली के सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में जी-20 अध्यक्षता के तहत होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पहली बार इस मसले पर कोई ऐसी मीटिंग हो रही है जिसमें दिल्ली के उप राज्यपाल मुख्यमंत्री और सभी मंत्री हिस्सा लेंगे। इस समय जी 20 समिट को लेकर एलजी के नेतृत्व में कई कामों को पूरा किया जाना है। भारत ने आधिकारिक तौर पर 01 दिसंबर को दुनिया की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की। अगले साल होने वाले इस भव्य कार्यक्रम को लेकर हर स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गयी है। दिल्ली सरकार के मंत्री भी उपराज्यपाल और केजरीवाल की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। राष्ट्र या सरकारों के प्रमुखों के स्तर पर जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन अगले साल 9 और 10 सितंबर को नयी दिल्ली में आयोजित होने वाला है। इससे पहले 9 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के जी20 प्रेसीडेंसी से संबंधित पहलुओं पर चर्चा करने के लिए वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग पर राज्यों के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों की बैठक की अध्यक्षता की थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता पूरे देश की है और यह देश की ताकत दिखाने का एक अनूठा अवसर है।

प्रधानमंत्री ने आगे टीमवर्क के महत्व पर जोर दिया और विभिन्न जी20 आयोजनों के आयोजन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग की मांग की। पीएम मोदी ने बताया कि जी20 प्रेसीडेंसी पारंपरिक बड़े महानगरों से परे भारत के कुछ हिस्सों को प्रदर्शित करने में मदद करेगी। इस प्रकार हमारे देश के प्रत्येक हिस्से की विशिष्टता को सामने आएगी। भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान बड़ी संख्या में भारत आने वाले आगंतुकों और विभिन्न आयोजनों पर अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के फोकस पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के इस अवसर का उपयोग करके खुद को एक आकर्षक व्यवसाय निवेश और पर्यटन स्थलों के रूप में पुनः स्थापित करने के महत्व को समझाया।

दिल्ली में नाबालिग लड़की पर तेजाब फेंकने की घटना का राष्ट्रीय महिला आयोग ने लिया संज्ञान, मौके पर भेजी टीम

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को 17 साल की लड़की पर तेजाब फेंकने की घटना का राष्ट्रीय महिला आयोग ने गंभीरता के साथ संज्ञान लिया है। राजधानी में हुई इस गंभीर घटना पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लेते हुए मौके पर जांच पड़ताल के लिए अपनी टीम भेजी है। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि चूंकि लड़की की उम्र 17 साल है, तो इस मामले की जांच राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग भी करेगा। चूंकि एसिड अटैक की घटनाओं की जांच के लिए आयोग भी एक नोडल एजेंसी है, इसलिए इस मामले की जांच के लिए आयोग ने अपनी एक टीम रवाना कर दी है। उन्होंने कहा कि आयोग पीड़िता की हर संभव मदद करेगा। इस मामले में पुलिस ने भी कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद घटना है। पुलिस को इस घटना की शुरूआत में ही एक्शन लेना चाहिए, साथ ही समाज को भी इस बारे में विचार करने की जरूरत है।

अमित अरोड़ा को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार अमित अरोड़ा को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आज अमित अरोड़ा की ईडी हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने 30 नवंबर को अरोड़ा को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद कोर्ट ने अमित अरोड़ा को 7 दिसंबर तक की ईडी हिरासत में भेजा था। इसके बाद कोर्ट ने अमित अरोड़ा को आज तक की ईडी हिरासत में भेजा था। ईडी के मुताबिक अरोड़ा ने ढाई करोड़ रुपये रिश्वत के इकट्ठा किए थे। ईडी ने कोर्ट को बताया कि उसका तीन बार बयान दर्ज किया गया है। वह पंजाब के पटियाला में मैन्यूफैक्ररर और रिटेलर हैं, जो नियम के खिलाफ है, क्योंकि उनको पहले से दिल्ली में लाइसेंस मिला हुआ है। इस मामले में ईडी ने 26 नवंबर को चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें समीर महेंद्रू और 4 अन्य कंपनियों को आरोपित बनाया गया है। ईडी का कहना है कि महेंद्रू इन संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। ईडी के मुताबिक ने इन 5 आरोपितों के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है। हालांकि अन्य आरोपितों के बारे में जांच

पर्यावरण की रक्षा करके हम कई मानवाधिकारों की रक्षा कर सकते हैं: राष्ट्रपति मुर्मू

-राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर बुधवार को यहां राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार, राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता नवाचार पुरस्कार और राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने इस अवसर पर ईवी-यात्रा पोर्टल भी लॉन्च किया। निकटतम सार्वजनिक ईवी चार्जर के लिए इन-व्हीकल नेविगेशन की सुविधा के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ईवी-यात्रा पोर्टल विकसित किया गया है। राष्ट्रपति ने इस मौके पर कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रदूषण से मुक्त वातावरण में सांस लेने, प्रगति करने और स्वस्थ जीवन बिताने की परिस्थितियां सुनिश्चित करना हम सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वच्छ हवा में सांस लेना एक बुनियादी मानव अधिकार है। पर्यावरण की रक्षा से ही अनेक मानवाधिकारों की रक्षा संभव हो सकेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों का सामना करते हुए ऊर्जा संरक्षण एक वैश्विक और राष्ट्रीय प्राथमिकता है। यद्यपि भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन विश्व आसत के एक तिहाई से भी कम है, फिर भी एक जिम्मेदार देश के रूप में भारत, पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि सीओपी-26 में भारत ने 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' यानी लाइफस्टाइल का संदेश दिया था, जिसमें विश्व समुदाय से पर्यावरण अनुकूल जीवन-शैली अपनाने का आग्रह किया था। भारतीय संस्कृति और परंपरा में, हमारी जीवनशैली हमेशा लाइफ के संदेश के अनुरूप रही है। प्रकृति का सम्मान करना, प्राकृतिक सामग्री को बर्बाद न करना और प्राकृतिक संपदा को बढ़ाने के उपाय करना ऐसी जीवन-शैली का अभिन्न अंग होता है। उन्होंने कहा कि भारत इस तरह की जीवन शैली को अपनाने की दिशा में पूरे विश्व समुदाय को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। जी-20 में भारत की अध्यक्षता का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जी-20 देश दुनिया की कुल जीडीपी में 85 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में 75 प्रतिशत का योगदान करते हैं। इसके अलावा दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी भी जी-20 देशों में निवास करती है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी अध्यक्षता के दौरान 'वसुधैव कुटुम्बकम' के आदर्श के अनुसार 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम को अपनाया है और हम इसे विश्व पटल पर प्रचारित भी कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेताओं, विशेषकर बच्चों की सराहना की। उन्होंने नेशनल एनर्जी एफिशिएंसी इनोवेशन अवार्ड्स के विजेताओं को उनकी नवीन सोच और कार्यप्रणाली के लिए भी सराहा। उन्होंने कहा कि उनके नवाचारों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग प्रेरित हो सकें और पर्यावरण संरक्षण के नए तरीके विकसित कर सकें। उन्होंने सभी से संकल्प लेने का आग्रह किया कि हम जो कुछ भी करेंगे वह हमेशा प्रकृति के पक्ष में होगा, प्रकृति के खिलाफ कभी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने में ही मानव कल्याण निहित है।

दिल्ली एम्स का सर्वर चीन से हुआ था हैक केंद्र सरकार का बड़ा खुलासा

राकेश शर्मा

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताले एम्से का सर्वर हैक करने के पीछे भी चीन की ही नापाक साजिश थी। केंद्रीय परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने यह बड़ा खुलासा किया है। कि एफआईआर के मुताबिक यह साइबर हमला चीन की ओर से हुआ था। हैकर्स ने 100 सर्वर में पांच को हैक कर लिया था। हालांकि इन पांचों सर्वर से डाटा को निकाल लिया गया है। सबसे पहले 23 नवंबर को सिस्टम में गड़बड़ी हुई और दो दिन बाद दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस यूनिट ने जबरन वसूली और साइबर आतंकवाद का मामला दर्ज किया। पुलिस ने इन खबरों का खंडन किया है कि हैकर्स ने सिस्टम को रिस्टोर करने के लिए फिरौती के तौर पर क्रिप्टोकरेंसी में 200 करोड़ रुपए मांगे। एम्स में अपॉइंटमेंट से लेकर बिलिंग व मरीजों और विभागों के बीच रिपोर्ट शेयर करने तक लगभग सभी सेवाएं ऑनलाइन हैं जोकि कि पूरी तरह से प्रभावित हो गई थीं। इसके लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया गया क्योंकि अस्पताल को मैनुअल मोड में चलाया जा सके। मरीजों का डेटा हैकर्स के निशाने पर रहा। हर साल टॉप नेता नौकरशाह और जज सहित लगभग 38 लाख मरीज एम्स में इलाज करवाते हैं। आईटी इमरजेंसी टीमों के अलावा शीर्ष खुफिया और आतंकवाद विरोधी एजेंसियों ने मामले पर काम किया क्योंकि सभी 5000 से अधिक कंप्यूटर और सर्वर स्कैन किया गया। यह मुद्दा दो दिन पहले संसद में उठा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने इसकी पूरी जांच कराने और इसे दोबारा न होने के उपाय करने के लिए सरकार से अपील की। तिरुवनंतपुरम से सांसद ने लोकसभा में कहा हमले की उत्पत्ति इरादा और सीमा स्पष्ट नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह शत्रुतापूर्ण सीमा पार हमला होने की संभावना एक गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आगे कहा यह हमारे देश में विशेष रूप से सरकारी संस्थानों में कमजोर डेटा सुरक्षा उपायों को भी दर्शाता है

यूपी में निवेश लाने की तैयारी में योगी सरकार मंत्री और अधिकारी विदेश दौरे पर

-20000 करोड़ से ज्यादा के निवेश के लिए एमओयू साइन किए

लखनऊ (ईएमएस)। योगी सरकार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 10 लाख करोड़ के निवेश की तैयारियों में लगी है। योगी सरकार के मंत्री और अधिकारी इनदिनों विदेश दौरे पर हैं। पिछले 3 दिनों के भीतर विदेशी कंपनियों ने 20000 करोड़ से ज्यादा के निवेश के लिए एमओयू साइन किए हैं। अमेरिका ऑस्ट्रेलिया कनाडा कोरिया और ब्राजील के निवेशकों ने यूपी में निवेश का भरोसा दिया है। वहीं हजारों करोड़ के एमओयू भी साइन किए हैं। यूएई दौरे पर मंत्री राकेश सचान और पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव नरेंद्र भूषण सहित कई अफसरों ने अबूधाबी और कई जगहों पर विदेशी निवेशकों से बैठकें की। इसका नतीजा यह रहा कि लुलु ग्रुप में 5000 करोड़ से ज्यादा के निवेश पर सहमति जता दी है। वहीं अलाना ग्रुप ने 1000 करोड़ के निवेश की सहमति दी। इस टीम ने दस हजार करोड़ रुपए के निवेश पर निवेशकों से बातचीत की है। उधर बेल्जियम में औद्योगिक विकास मंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल ने एग्रिस्टो बेल्जियम के साथ निवेश पर चर्चा की। इस दौरान कंपनी की बिजनेस हेड स्टेफनी ड्यूमोर्टियर ने यूपी के बिजनौर में फूड सेक्टर पर 200 करोड़ रुपए निवेश किए हैं और उनके 2023 में 300 करोड़ रुपए और खर्च करने की योजना है। 2025 में भी कंपनी 200 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस मौके पर स्टेफनी ड्यूमोर्टियर ने प्रदेश सरकार के सहयोग की तारीफ की और यूपी में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर भरोसा जताया। प्रतिनिधिमंडल ने फ्लिक्सिस ग्रुप के डायरेक्टर बेन से भी मुलाकात की और प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में निवेश इंटेंट को लेकर बातचीत की। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी पहुंचा। इस दौरान योगी सरकार और यूनिवर्सिटी के बीच विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को लेकर भी चर्चा हुई। साथ ही बैठक के बीच वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट और स्किल डेवलपमेंट व डिजास्टर मैनेजमेंट में आम भागीदारी के लिए तीन महत्वपूर्ण एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसके पहले सिडनी में रोड शो के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के निवेशकों को योगी सरकार के फोकस फैक्टर पर प्रकाश डाला गया। प्रतिनिधिमंडल ने अर्बन टास्क फोर्स ऑस्ट्रेलिया (यूटीए) के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की और सीईओ टॉम फॉरेस्ट को ओडीओपी के उत्पाद भेंट स्वरूप प्रदान किए गए। इस अवसर पर राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस भी हुई जिसमें स्वतंत्रदेव सिंह ने यूटीए को इंफ्रास्ट्रक्चर अर्बन डेवलपमेंट और डिफेंस जैसे सेक्टर में निवेश के लिए आमंत्रित किया। दूसरी तरफ ब्राजील में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और मत्स्यपालन मंत्री संजय निषाद की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने ब्राजीलियन डिफेंस इंडस्ट्री के साथ बैठक की और उत्तर प्रदेश में बन रहे डिफेंस कॉरिडोर में निवेश का प्रस्ताव रखा। इस मौके पर ब्राजील डिफेंस इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों ने यूपी में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में निवेश व इन्वेस्टर्स समिट में हिस्सा लेने के प्रति उत्साह दिखाया।

मुरादाबाद-गाजियाबाद रेलखंड में गुरुवार को ब्रिज पर मरम्मत के चलते 8 ट्रेनें होंगी प्रभावित

- 15 दिसम्बर को काफूरपुर तथा महेशरा स्टेशनों के मध्य ब्रिज नंबर 43-ए पर होगा रेल पथ का मरम्मत कार्य

मुरादाबाद (हि.स.)। उत्तर रेलवे मुरादाबाद रेल मंडल के वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग सुधीर सिंह ने बताया कि 15 दिसम्बर गुरुवार को मुरादाबाद रेल मंडल के मुरादाबाद-गाजियाबाद रेलखंड में काफूरपुर तथा महेशरा स्टेशनों के मध्य ब्रिज नंबर 43-ए पर रेल पथ का मरम्मत कार्य होने के कारण अप तथा डाउन लाइन पर प्रातः 9 बजकर 50 मिनट से सायं 4 बजकर 20 मिनट तक कुल साढ़े 6 घंटे का ट्रैफिक तथा पॉवर ब्लॉक लिया जाएगा, जिसके कारण मुरादाबाद रेल मंडल से होकर गुजरने वाली 8 रेलगाड़ियों का संचालन प्रभावित रहेगा। सीनियर डीसीएम ने बताया कि रेलगाड़ी संख्या 12392 (नई दिल्ली-राजगीर) जेसीओ 15 दिसम्बर दिन गुरुवार को नई दिल्ली से अपने निर्धारित समय दोपहर 1 बजकर 10 मिनट पर चलने के स्थान पर 1 घंटे 10 मिनट विलम्ब से संचालित की जाएगी, रेलगाड़ी संख्या 13258 आनंद विहार टर्मिनल-दानापुर 15 दिसम्बर को आनंद विहार टर्मिनल से अपने निर्धारित समय दोपहर 1 बजकर 35 मिनट पर चलने के स्थान पर 1 घंटे 10 मिनट विलम्ब से संचालित की जाएगी, रेलगाड़ी संख्या 15060 आनंद विहार टर्मिनल-लालकुँआ 15 दिसम्बर को आनंद विहार टर्मिनल से अपने निर्धारित समय दोपहर 2 बजकर 15 मिनट पर चलने के स्थान पर 1 घंटे विलम्ब से संचालित की जाएगी।

सीनियर डीसीएम ने बताया कि रेलगाड़ी संख्या 15128 नई दिल्ली-बनारस व रेलगाड़ी 12584 आनंद विहार टर्मिनल-लखनऊ 15 दिसम्बर को निरस्त रहेगी, यह गाड़ी कोहरे के कारण 15 दिसम्बर को निरस्त हैं। रेलगाड़ी संख्या 04393 अलीगढ़-गजरौला 15 दिसम्बर को गजरौला के स्थान पर मुरादाबाद तक ही जाएगी, रेलगाड़ी संख्या 04394 गजरौला-अलीगढ 15 दिसम्बर को गजरौला के स्थान पर मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से संचालित की जाएगी। रेलगाड़ी संख्या 20506 नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ जेसीओ 15 दिसम्बर को अपने निर्धारित मार्ग गाजियाबाद-हापुड़- मुरादाबाद के स्थान पर गाजियाबाद-टपरी- लक्सर-मुरादाबाद होकर डिब्रूगढ़ जाएगी।

नगरीय निकाय चुनावों में बड़ी जीत के लिए भाजपा ने बनाई रणनीति

लखनऊ, (हि.स.)। भाजपा का संगठन हो या उसकी सरकारें, 24 घंटे, 365 दिन चुनाव के लिए तैयार रहती हैं। मसलन गुजरात में जीत सुनिश्चित जानते हुए भी भाजपा ने चुनाव के तुरंत बाद दिल्ली मुख्यालय पर अगले साल सात राज्यों (कर्नाटक, राजस्थान, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा और नगालैंड) को देखते हुए दो दिन की बैठक की। बैठक की अहमियत क्या थी, पीएम मोदी की मौजदूगी से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उप्र के निकाय चुनाव को लेकर भी पार्टी गंभीरता से जुट गई है। उत्तर प्रदेश में भी कमोबेश यही हालात हैं। लोकसभा की सर्वाधिक 80 सीटें होने से राजनीतिक रूप से यह सर्वाधिक अहमियत वाला राज्य है। लिहाजा यहां के हर चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूरा संगठन जीत सुनिश्चित करने के लिए खुद को झोंक देता है। हिमाचल और गुजरात के चुनावों में भारी व्यस्तता के बीच भी नगर निकाय चुनावों के लिए योगी आदित्यनाथ ने नगर निगमों में प्रबुद्ध सम्मेलनों का क्रम जारी रखा। 13 दिसंबर को मथुरा-वृंदावन में प्रबुद्धजन सम्मेलन इस-की अंतिम कड़ी है। उल्लेखनीय है कि इस बार इन चुनावों में भाजपा क्लीन स्वीप के इरादे से उतर रही है। लिहाजा तैयारियों को और पुख्ता करने एवं जीत सुनिश्चित करने के लिए गुजरात के नतीजे आने के तुरंत बाद संगठन एवं मुख्यमंत्री स्तर पर बैठक कर मुकम्मल रणनीति तैयार करने के साथ किसकी क्या जिम्मेदारी है, यह भी साफ-साफ बता दिया गया। इस क्रम में पिछले दिनों बीजेपी की संगठनात्मक बैठक हो चुकी है। इसमें सभी मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, जिला प्रभारी और जिलाध्यक्ष भी शामिल थे। किसकी क्या जिम्मेदारी है, इस बाबत स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं। यह भी तय हुआ कि मुख्यमंत्री ने नगर निगमों के चुनावों के मद्देजर प्रबुद्धजनों से संवाद का जो सिलसिला शुरू किया है,उसे जारी रखते हुए हम जनसंपर्क पर भी खास जोर देंगे। इस तरह की बैठकों का क्रम अभी जारी रहेगा। बाद में संगठन और सरकार की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास और तेज गति से आगे बढ़े, इसके लिए ट्रिपल इंजन की सरकार जरूरी है। वह पहले ही नगर निगम चुनावों में क्लीन स्वीप का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। जिस जगह उन्होंने प्रबुद्ध सम्मेलन किए, वहां लोकार्पण एवं शिलान्यास के जरिए विकास की सौगात देकर इस बाबत अपनी प्रतिबद्धता भी जताई। पिछले चुनावों में 16 नगर निगमों में से अलीगढ़ एवं मेरठ को छोड़ बाकी सभी जगहों पर भाजपा का महापौर चुना गया था। इस बार इरादा क्लीन स्वीप का है। 2017 की तुलना में बेहतर नतीजों और 2024 में आम चुनाव में मिशन 80 के मद्देजर मुख्यमंत्री कुछ बड़ी नगर पालिका परिषदों में भी प्रबुद्ध सम्मेलन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इन चुनावों में सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं ही प्रमुख मुद्दा होती हैं। यही वजह है कि नगरीय सुविधाओं में इजाफा करने के लिए सरकार भरपूर धन भी उपलब्ध करा रही है। 33 हजार 700 करोड़ रुपये के अनुपूरक बजट में नई योजनाओं पर 14 हजार करोड़ रुपये खर्च का प्रावधान है। इसमें से अधिकांश रकम सड़क निर्माण और नागरिक सुविधाओं को बेहतर करने में खर्च होगी।

सम्पूणार्नद संस्कृत विश्वविद्यालय में अंग्रेजी और कंप्यूटर की भी होगी पढ़ाई, विद्या परिषद ने दी सहमति

वाराणसी,(हि.स.)। संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय में बुधवार को बहुप्रतीक्षित विद्यापरिषद की बैठक हुई। कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मानद उपाधि डी-लिट, महामहोपाध्याय के नाम के चयन के लिए विद्या परिषद ने कुलपति को अधिकृत किया। विश्वविद्यालय का 40 वां दीक्षांत समारोह 26 दिसंबर को होना है। इस दीक्षांत समारोह में देश के विशिष्ट लोगों को डी.लिट एवं महामहोपाध्याय की उपाधि दी जानी है। बैठक में तय हुआ कि नई शिक्षा नीति/राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शासनादेश के अन्तर्गत शास्त्री प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में विद्यार्थियों को क्रेडिट की प्राप्ति होगी ।

अध्यापकों को भी छात्रों के अनुशासन,शास्त्रार्थ,सेमिनार,उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए आन्तिरक अंक देने का अधिकार होगा। पारम्परिक संस्कृत विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के आलोक में विद्यापरिषद ने सर्वसम्मति से संगणक (कंप्यूटर)एवं अंग्रेजी को भी विषय के रूप मे स्वीकृति प्रदान की गयी है। ये दोनों विषय पढ़ना अनिवार्य होगा। वस्तुतः यह परिवर्तन अन्य विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम के साथ एकरूपता एवं रोजगार परक शिक्षा को ध्यान में रखते समाहित किया गया है। इसी क्रम में शासन का अनवरत शोधकार्य को बढावा देने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है,जिसमें यहाँ से सम्बद्ध महाविद्यालयों को भी शोध कार्य कराने के क्रम में सिक्किम प्रदेश में सम्बद्ध संस्कृत कॉलेज को जो नैक द्वारा "बी" ग्रेड प्राप्त है को विद्यापरिषद ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर अधिकृत किया है। इसके लिए एक समिति बनाई गयी जो शोध कार्य कराने के लिए उचित मार्गदर्शन करेगी। अभिनेता,निर्देशक,निमार्ता,कोरियोग्राफर एवं स्क्रिप्ट राइटर डॉ कीर्ति कुमार आहुजा की पहल पर विश्वविद्यालय में (अभिनय) नाटक,लेखन आदि के माध्यम से जीवन मूल्यों पर आधारित पाठ्यक्रम (फिल्म एप्रीसिएशन कोर्स) संचालित करने के लिये स्वीकृति प्रदान की गयी है । जिसमें संस्कृत भाषा की शुद्धता,भाषायी शुद्धता,उच्चारण की गुणवत्ता,हमारी संस्कृति की रक्षा आदि होगी। यह पाठ्यक्रम साहित्य संस्कृति के अन्तर्गत संचालित किया जायेगा। इस पाठ्यक्रम के द्वारा वाराणसी में ही रहकर विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ-साथ अभिनय कला के पाठ्यक्रम में अध्ययन करने अवसर भी प्राप्त होगा। विद्यापरिषद की बैठक में में प्रो. कृष्ण कान्त शर्मा,प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी,प्रो. हरिशंकर पांडेय,प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी,प्रो. सुधाकर मिश्र,प्रो. रमेश प्रसाद,प्रो, शैलेश कुमार,प्रो. जितेन्द्र कुमार,प्रो. राजनाथ,प्रो. राघवेंद्र ,डॉ. दिनेश गर्ग,डॉ विजय कुमार पांडेय आदि उपस्थित रहे।

आउटसोर्सिंग में ठेकेदार आधारित व्यवस्था का अपर मुख्य सचिव के सामने विरोध

लखनऊ, (हि. स.)। अपर मुख्य सचिव कार्मिक व नियुक्ति डॉ देवेश चतुर्वेदी से चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ की एक टीम ने मुलाकात कर अपनी 10 मांगों को रखा। अपर मुख्य सचिव के साथ बैठक के दौरान महासंघ के सदस्यों ने आउटसोर्सिंग में ठेकेदार आधारित व्यवस्था का जमकर विरोध किया। चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महामंत्री व राष्ट्रीय उप सचिव सुरेश यादव ने कहा कि चतुर्थ श्रेणी पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से हजारों नौजवानों को रोजगार तो मिला है लेकिन उन्हें उनके मेहनत का पूरा पैसा खाते में नहीं मिल रहा है। मेहनत की कमाई को ठेकेदार कटौती के साथ आउटसोर्सिंग कर्मचारी को देता है। अपर मुख्य सचिव कार्मिक व नियुक्ति से विशेष आग्रह है कि ठेकेदार आधारित इस व्यवस्था को समाप्त कर सीधे तौर पर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के खाते में उनके मेहनत का पैसा भेजने की व्यवस्था कराई जाए।

कर्मचारी नेता सुरेश यादव ने उत्तर प्रदेश में चार लाख पचास हजार चतुर्थ श्रेणी पदों को भरे जाने की मांग उठाते हुए भी कहा कि इस बिंदु पर अपर मुख्य सचिव विशेष रूप से ध्यान दें, जिससे निचले स्तर पर चलने वाली व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सके। अपर मुख्य सचिव कार्मिक व नियुक्ति डॉ देवेश ने महासंघ के सदस्यों की वार्ता के दौरान रुके हुए 1900 ग्रेड पे को सामूहिक रूप से देने का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव ने ठेकेदार आधारित व्यवस्था पर विचार करने, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के हित में विभिन्न 10 बिंदुओं में तत्काल संभव विषयों पर शीघ्र निर्णय लेने की बात कही।

मोतिहारी में मंत्री तेजप्रताप के आईटी टीम पर पत्रकार ने दर्ज कराया मुकद्दमा

मोतिहारी,(हि.स.)। जिले के पकड़ीदयाल थाना में एक पत्रकार ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और बिहार के पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेज प्रताप यादव के आईटी टीम के खिलाफ 2 लाख रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए आवेदन दिया है। पत्रकार ने आवेदन के साथ व्हाट्सएप एप्प पर हुए चैटिंग के अलावा कॉल रिकॉर्डिंग की कॉपी भी थाना में सौंपा हैं। इस मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज करते हुए मामले की जांच में जुट गई है।मामला तेजप्रताप के एलआर वीलॉग आईटी टीम के खिलाफ दर्ज की गई है।आवेदन देने वाले पत्रकार पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के राजेपुर नवादा के रहने वाले प्रकाश राज हैं। जो यूट्यूब चैनल चलाते हैं। पकड़ीदयाल थाना में दिए आवेदन में प्रकाश राज ने बताया है कि वह अपना यूट्यूब चैनल चलाते हैं। बिहार सरकार के मंत्री तेजप्रताप यादव के यूट्यूब चैनल LR VLOG पर मंत्री तेजप्रताप यादव के द्वारा पटना के सड़क पर देर रात में कंबल वितरण करने का वीडियो अपलोड किया गया था। उस वीडियो को राष्ट्रीय जनता दल के यूट्यूब चैनल के द्वारा जारी किया गया था।

बेगूसराय में यूरिया के लिए हाहाकार, आक्रोशित किसानों ने किया सड़क जाम

बेगूसराय, (हि.स.)। शासन-प्रशासन द्वारा किसानों को सभी तरह की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा सिर्फ हवा-हवाई साबित हो रही है। बेगूसराय में यूरिया खाद के लिए किसानों के बीच हाहाकार मचा हुआ है। सैकड़ों एकड़ खेत में लगी फसलें यूरिया खाद के अभाव में बर्बाद हो रही है। इससे आक्रोशित होकर किसान सड़क पर उतर आए हैं। आक्रोशित किसानों ने बुधवार को बेगूसराय-वीरपुर सड़क को हसनपुर कुंआ के समीप जाम कर यातायात ठप कर दिया। सड़क जाम की सूचना पर पहुंचे वीरपुर थानाध्यक्ष को आक्रोशित किसानों ने वापस लौटा दिया तथा डीएम को बुलाने एवं यूरिया खाद उपलब्ध कराने की मांग पर अड़े हुए हैं। सड़क जाम कर रहे वभनगामा पैक्स अध्यक्ष रामलेश सिंह, बरौनी प्रखंड उप प्रमुख पति रंजन सिंह, रविन्द्र सिंह, आत्माराम, मो. शहादत, मो. मुस्लिम एवं सुनील कुमार सिंह सहित अन्य किसानों ने बताया कि बैठक में सभी किसानों को समय पर एवं उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने की घोषणा सरकार और प्रशासन लगातार कर रही है। किसानों का कहना है कि सभी घोषणा हवा हवाई साबित हो रही है। प्रशासन द्वारा अधिकृत किए गए विक्रेता जरूरत के मुताबिक यूरिया नहीं दे रहे हैं, बहुत कम मात्रा में खाद दिया भी जा रहा है तो साथ में नैनो सहित अन्य केमिकल लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है। खाद के डीलर लूट मचाए हुए हैं, 266 रुपया प्रति बोरा के बदले छह सौ में यूरिया खाद दिया जा रहा है। हम लोगों ने जिला कृषि पदाधिकारी को आवेदन दिया, लेकिन उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय विधायक से गुहार लगाया तो उन्होंने थोक विक्रेता को फोन करके अविलंब खाद उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। लेकिन जब उसके यहां पहुंचे तो दुकानदार ने कहा कि विधायक से फोन कराते हो तो 20 दिन के बाद खाद मिलेगा। किसानों का कहना है कि यूरिया खाद के अभाव में हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो रहा है। भूखे प्यासे सड़क जाम करते-करते ही मर जाना बेहतर है। फिलहाल समाचार भेजे जाने तक सड़क जाम है और मौके पर बड़ी संख्या में किसान जुटे हुए हैं।

आजकल बिहार में हो रहे अच्छे कामों की चर्चा बाहर कहीं नहीं हो रही: नीतीश कुमार

-नियुक्ति पत्र वितरण व उन्मुखीकरण कार्यक्रम में शामिल हुये मुख्यमंत्री

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार देर शाम बिहार लोक सेवा आयोग के अनुशंसित नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण व उन्मुखीकरण कार्यक्रम में शामिल हुए।इस मौके पर मुख्यमंत्री कुमार ने कहा कि आजकल बिहार में हो रहे अच्छे कामों की चर्चा राज्य से बाहर कहीं नहीं हो रही है। 15 अगस्त को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में हमने यह घोषणा की थी कि बिहार में युवाओं के लिए 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार की व्यवस्था की जायेगी। इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। हमलोग शुरू से ही चाहते थे कि नियुक्ति तेजी से हो लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। मुख्य सचिव को हम कहेंगे कि यह काम तेजी से करायें। मुख्यमंत्री ने कहा नये टेक्नोलॉजी के दौर में लोग पुरानी बातों को बहुत जल्द भूल जाते हैं। महिलाओं के विकास को लेकर बिहार में काफी काम किया गया है। 5वीं क्लास के स्कूलों में पढ़ाने के लिए हमने शिक्षकों की नियुक्ति में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया। राज्य की सभी सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है। पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। बिहार देश का पहला राज्य था जिसने पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकाय के चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में लड़कियों के लिए शुरू की गयी साइकिल योजना की चर्चा पूरे देश ही नही बल्कि विदेशों में भी हुई थी। वर्ष 2013 में पुलिस बहाली में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। आज बिहार पुलिस में 29 हजार महिलाएं सेवारत हैं। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2011 को हमने बिहार में लोक सेवाओं का अधिकार कानून लागू किया। इसके तहत अब तक करीब 31 करोड़ 65 लाख से अधिक सेवाएं प्रदान की गई हैं।मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से आह्वान करते हुए कहा कि आपलोग अपना-अपना कार्य पूरी मजबूती से कीजिएगा। उन्होंने सभी से हाथ उठाकर अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं निष्पक्षता के साथ कराने का संकल्प दिलाया है। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में बिहार लोक सेवा आयोग ने नौ विभागों के अंतर्गत चयनित 454 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। इनमें खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के तहत 134 आपूर्ति निरीक्षक, ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 119 ग्रामीण विकास पदाधिकारी, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत 61 राजस्व पदाधिकारी, गृह विभाग के अन्तर्गत पुलिस उपाधीक्षक, जिला समादेष्टा, कारा अधीक्षक, प्रोबेशन अधिकारी के कुल 52, श्रम संसाधन विभाग के अंतर्गत 44 श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, परिवहन विभाग के अंतर्गत 30 अपर जिला परिवहन पदाधिकारी, वाणिज्य कर विभाग के अंतर्गत 9 राज्य कर सहायक आयुक्त, गन्ना उद्योग विभाग अंतर्गत 3 ईख पदाधिकारी एवं निर्वाचन विभाग के अंतर्गत 2 अवर निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया ।

संपादकीय

पंजाब से नशामुक्ति में आआपा की सरकार असफल

पंजाब में फैलते नशे के कारोबार को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। पंजाब के विधानसभा चुनाव में नशे का कारोबार प्रमुख मुद्दा रहा था। आम आदमी पार्टी और उसके सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल ने इसके लिए पिछली सरकारों को दोषी करार दिया था और सत्ता में आने के बाद नशे के कारोबार को खत्म करने का दावा किया था। पंजाब की जनता ने बहुत भरोसे के साथ आम आदमी पार्टी को वोट दिया ताकि उसकी सरकार पंजाब के युवाओं एवं बच्चों को नशे से बचा ले, लेकिन सत्ता में आने के बाद आआपा की सरकार अपने इस तरह के सभी वायदों को भूल सी गई है। पंजाब से न तो नशे का कारोबार खत्म होता दिख रहा है और न ही अपराध पर लगाम लगती दिख रही है। अपितु पिछले कुछ समय में पंजाब में अपराध का स्तर बढ़ ही गया है। अतिवादियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे पुलिस थाने पर ही बमबारी करने लग गए हैं। इसी तरह नशे के कारोबार में भी बेतहाशा वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। इस पर चिंता जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी की सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायालय ने कहा कि पंजाब की हर गली में एक भट्ठी है, गरीब लोग नकली शराब पीकर मर रहे हैं। इस तरह तो युवा खत्म हो जाएंगे। न्यायालय ने पंजाब सरकार से नकली शराब की बिक्री रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इसके साथ ही चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो स्थानीय पुलिस को जवाबदेह माना जाएगा। अब आम आदमी पार्टी की सरकार के सामने चुनौती यह है कि उसने अभी तक नशे के कारोबार को खत्म करने की दिशा में कोई ठोस काम किया ही नहीं है तब न्यायालय को क्या ही बताए? चूँकि पंजाब सीमावर्ती राज्य है इसलिए भारत की अखंडता एवं सुरक्षा का मुद्दा भी महत्वपूर्ण है। पंजाब की सरकार को तो और भी अधिक चौकस रहने की आवश्यकता है। सीमावर्ती राज्य होने की गंभीरता को भी सर्वोच्च न्यायालय ने रेखांकित किया है। न्यायालय ने पूछा है कि अगर सीमावर्ती राज्य सुरक्षित नहीं है, तो फिर कैसे चलेगा। पंजाब में नशे के कारोबार का जाल बहुत पुराना है। अब यह भी छिपा नहीं कि इसे राजनीति और प्रशासन के शीर्ष स्तर से शह मिलती रही है। इस सिलसिले में पुलिस के कई बड़े अधिकारी और कुछ राजनेता भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसलिए ऐसा नहीं माना जा सकता कि पंजाब पुलिस को नशे का जाल फैलाने वालों के बारे में बिल्कुल जानकारी न हो। मगर ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए जिस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है, वह शायद वर्तमान पंजाब सरकार के पास नहीं है। जिस राज्य में गली-गली में नकली शराब बनती, मादक पदार्थों की बिक्री होती हो, जिसके चलते वहां के युवा असमय मौत के मुंह में समा जाते हों, वहां की सरकार अगर इस समस्या से पार पाने को केवल चुनावी जुमला बना कर यथास्थिति को स्वीकार किए बैठी रहे, तो इससे बड़ी विडंबना कुछ हो नहीं सकती। हालांकि यह समझना मुश्किल नहीं है कि नशे के कारोबारी इतने ताकतवर होते हैं और अक्सर उनके तार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े होते हैं, इसलिए उन पर हाथ डालने का साहस सरकारें कर नहीं पातीं। दबे-छिपे ढंग से यह भी कहा जाता है कि ये कारोबारी राजनीतिक दलों को चुनाव के वक्त बड़े पैमाने पर आर्थिक मदद मुहैया कराते हैं। पंजाब की स्थिति ऐसी है कि राजनीतिक दलों एवं सरकार को अपने सब प्रकार के स्वार्थ एवं भय छोड़कर नशे के कारोबार पर निर्णायक कार्रवाई करनी होगी अन्यथा स्थितियां पूरी तरह हाथ से निकल सकती हैं और उसके बाद उत्पन्न होनेवाली चुनौती पंजाब के लिए ही नहीं अपितु समूचे देश के लिए संकट का कारण बन सकती है।

> न्यायालय ने पंजाब सरकार से नकली शराब की बिक्री रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इसके साथ ही चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो स्थानीय पुलिस को वजाबदेह माना जाएगा। अब आम आदमी पार्टी की सरकार के सामने चुनौती यह है कि उसने अभी तक नशे के कारोबार को खत्म करने की दिशा में कोई ठोस काम किया ही नहीं है तब न्यायालय को क्या ही बताए? चूँकि पंजाब सीमावर्ती राज्य है इसलिए भारत की अखंडता एवं सुरक्षा का मुद्दा भी महत्वपूर्ण है। पंजाब की सरकार को तो और भी अधिक चौकस रहने की आवश्यकता है। सीमावर्ती राज्य होने की गंभीरता को भी वर्सोच्च न्यायालय ने रेखांकित किया है। न्यायालय ने पूछा है कि अगर सीमावर्ती राज्य सुरक्षित नहीं है, तो फिर कैसे चलेगा।

कुछ अलग

विपक्ष की राह मुश्किल

मेरी दृष्टि में हिमाचल प्रदेश का परिणाम कांग्रेस के लिए बोनस है। हालांकि पार्टी सक्रिय रही थी, लेकिन उसमें अनेक धड़े भी थे, इसलिए खतरा भी लग रहा था। जो नतीजे आये हैं, उनमें भाजपा और कांग्रेस के बीच मतों का अंतर बहुत मामूली है, पर सीटों में खासा अंतर है। जो राज्य के चुनाव होते हैं, उसमें स्थानीय कारक प्रमुख होते हैं। गुजरात में पीएम मोदी एक क्षेत्रीय कारक भी तो हैं, क्योंकि वे वहीं से आते हैं। उनकी लोकप्रियता प्रभावी है। वहां के मुख्यमंत्री का कोई असर नहीं है। उनका महत्व यही है कि वे पटेल समुदाय से आते हैं और वह समुदाय अनेक कारणों से भाजपा से नाराज था। उनके आंदोलन को बेअसर करने के लिए भूपेंद्र पटेल को चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बनाया गया था, जबकि वे पहली बार ही विधायक बने थे। इस चुनाव में कोई भी उम्मीदवार उन्हें नहीं बुला रहा था। सभी का आग्रह प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए होता था। ऐसा हिमाचल में नहीं हो सका और वहां स्थानीय मुद्दे हावी हो गये तथा कांग्रेस को जीत मिली। आप के प्रदर्शन को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर देखने की आवश्यकता नहीं है। गुजरात में उन्हें पाटीदार आंदोलन का ही कुछ लाभ मिला है। उसी आंदोलन के एक धड़े के आने से आप ने सूरत नगरपालिका में 27 सीटें जीती थीं। सूरत सौराष्ट्र का हिस्सा है। इसी इलाके से आप की पांच में से चार सीटें आयी हैं। एक सीट आदिवासी क्षेत्र से मिली है। वह उम्मीदवार एक स्थानीय पार्टी से संबद्ध है, जो इनके चिह्न पर लड़ा था। अच्छे प्रचार से भी कुछ वोट इन्हें मिले हैं। हिमाचल में केजरीवाल को एक प्रतिशत के आसपास वोट मिला है और सभी सीटों पर जमानत जब्त हुई है। अब विपक्ष के लिए एक ही रास्ता बचता है कि सभी मिलाकर एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनायें और उसके आधार पर एक हों। इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है, वरना भाजपा इन्हें कुचलते हुए आगे बढ़ती रहेगी। कभी कभी स्थानीय कारकों के चलते हिमाचल जैसे परिणाम मिलेंगे, लेकिन केंद्र में सत्ता बदलने का इरादा पूरा नहीं हो सकेगा। दिल्ली नगर निगम में आप को विधानसभा की तुलना में 12 फीसदी वोट कम मिले हैं। अगर कांग्रेस थोड़ा दम लगाकर लड़ती, तो आप के लिए जीत पाना मुश्किल हो जाता।

> गुजरात में पीएम मोदी एक क्षेत्रीय कारक भी तो हैं, क्योंकि वे वहीं से आते हैं। उनकी लोकप्रियता प्रभावी है। वहां के मुख्यमंत्री का कोई असर नहीं है। उनका महत्व यही है कि वे पटेल समुदाय से आते हैं और वह समुदाय अनेक कारणों से भाजपा से नाराज था। उनके आंदोलन को बेअसर करने के लिए भूपेंद्र पटेल को चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बनाया गया था, जबकि वे पहली बार ही विधायक बने थे। इस चुनाव में कोई भी उम्मीदवार उन्हें नहीं बुला रहा था। सभी का आग्रह प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए होता था।

महिला वर्ग आज भी पुरुषप्रधान समाज की सोच की शिकार है

स्त्री अत्याचारों से जुड़ी चिन्ताओं की टंकार

> स्त्री को समानता का अधिकार देने और उसके स्त्रीत्व के प्रति आदर भाव रखने के मामले में आज भी पुरुवषादी सोच किस कदर समाज में हावी है,क इसकी पीलीभीत की यह ताजा घटना निन्दनीय एवं क्रूरतम निष्पत्ति है। दुभाग्यपूर्ण पहलू यह है कि जब एक स्त्री पर यह अनाचार हो रहा था तो दूसरी स्त्री यानी उसकी सास भी खड़ी थी और उसके बचाव में नहीं आई।जब उक्त युवक को अपने अपराध का अहसास हुआ तो भी वह पश्चाताप करने के बजाय पत्नी को ऐसे ही बंधा छोड़कर फरार हो गया। रह-रह कर समाज में घटित हो रही ये महिला अत्याचार, हिंसा, उत्पीड़न की घटनाएं चिन्तित करती एवं इन पर नियंत्रण के लिये कुछ प्रभावी कदमों की जरूरत व्यक्त करती है।

इन दिनों स्त्रियों के घरेलू जीवन में उन पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। विशेषतः कोरोना महामारी के लॉकडाउन के दौरान एवं उसके बाद महिलाओं पर हिंसा, मारपीट एवं प्रताड़ना की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसी ही पीलीभीत की एक घटना ने रोंगटे खड़े कर दिये। खाने में बाल निकलने के बाद पत्नी को पीलीभीत के युवक जहीरुद्दीन ने जिस बेरहमी, बर्बरता एवं क्रूरता से मारा, जमीन पर गिरा दिया, घर में रखी बाल काटने वाली मशीन (ट्रिमर) को पत्नी के सिर पर चला दिया, इन दुभाग्यपूर्ण एवं शर्मसार करने वाली नृशंसता की घटना की जितनी निन्दा की जाये, कम है। स्त्री को समानता का अधिकार देने और उसके स्त्रीत्व के प्रति आदर भाव रखने के मामले में आज भी पुरुषवादी सोच किस कदर समाज में हावी है,क इसकी पीलीभीत की यह ताजा घटना निन्दनीय एवं क्रूरतम निष्पत्ति है। दुभाग्यपूर्ण पहलू यह है कि जब एक स्त्री पर यह अनाचार हो रहा था तो दूसरी स्त्री यानी उसकी सास भी खड़ी थी और उसके बचाव में नहीं आई। जब उक्त युवक को अपने अपराध का अहसास हुआ तो भी वह पश्चाताप करने के बजाय पत्नी को ऐसे ही बंधा छोड़कर फरार हो गया। रह-रह कर समाज में घटित हो रही ये महिला अत्याचार, हिंसा, उत्पीड़न की घटनाएं चिन्तित करती एवं इन पर नियंत्रण के लिये कुछ प्रभावी कदमों की जरूरत व्यक्त करती है। यह देखना भी दिलचस्प है कि जहां साल में दो बार लड़कियों को महत्व देने के लिए उसे पूजने के पर्व मनाए जाते हों, वहां लड़कियों को दोयम दर्जे का मानने वाले भी बहुत हैं, महिलाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने वाले भी कम नहीं है, आये दिन ऐसी घटनाएं देखने और सुनने को मिलती हैं कि किस तरह आज भी महिलाओं के साथ हिंसा एवं अत्याचार किया जाता है। जबकि आधुनिक होते भारत में महिलाओं ने अपने प्रयास के दम पर कई उपलब्धियां हासिल की हैं। यह देखकर गर्व होता है लेकिन जब ऐसी घटनाएं होती हैं, जैसी पीलीभीत में हुई, तो यह सोचने को विवश होना पड़ता है कि समाज की वास्तविकता क्या है? महिला समानता आज का सच है या अपवाद? प्रगति के प्रतिमान लिखने वाली महिलाएं हमारे समाज का वास्तविक सच हैं या वह, जो पीलीभीत की पीड़िता के साथ हुआ। इस पर गंभीरता से चिंतन करना होगा।

महिलाओं के प्रति यह संवेदनहीनता एवं बर्बरता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में महिलाओं को लेकर गलत धारणा है कि महिलाएं या बेटियां परिवार पर एक बोझ की तरह हैं। एक विकृत मानसिकता भी कायम है कि वे भोग्य की वस्तु है? उन्हें पांव के नीचे रखा जाना चाहिए। यों यह घटना आए दिन होने वाले जघन्य अपराधों की ही अगली कड़ी है, मगर यह पुरुषवादी सोच और समाज के उस ढांचे को भी सामने करती है, जिसमें महिलाओं की सहज जिंदगी लगातार मुश्किल बनी हुई है, संकटग्रस्त एवं असुरक्षित है। भले ही महिलाओं ने अपनी जंजीरों के खिलाफ बगावत कर दी है, लेकिन देश में ऐसा वर्ग भी है जहां आज भी महिलाएं अत्याचार का शिकार होती है। भले एक खास महिला वर्ग ने आर्थिक मोर्चे पर आजादी हासिल की है, लेकिन एक बड़ा महिला वर्ग आज भी पुरुषप्रधान समाज की सोच की शिकार है। ऐसा कायम है तभी आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र की तमाम महिलाएं 'मुझे पति और पति के परिवार से बचाओ' की गुहार लगातीं हुई दिखाई देती है। इसलिये कि उन्हें सदियों से चली आ रही मानसिकता, साजिश एवं सजा के द्वारा भीतरी सुरंगों में धकेल दिया जाता है, अत्याचार भोगने को विवश किया जाता है। महिलाएं सभी समाजों, सभी देशों और सभी कालों में महत्वपूर्ण भूमिका में रही है। चाहे वेदों की बात करें, जो महिलाओं को पूजनीय बताते हैं, या गांधीजी की बात करें जो उन्हें परिवार की धूरी बताते हैं, हर समय महिलायें महत्वपूर्ण रही हैं। वेद कहते हैं कि वह व्यवस्था सबसे उत्तम है, जहां महिलाओं का सम्मान होता है। गांधीजी मानते थे कि अगर पूरे परिवार को और आगे आने वाली पीढ़ी को सुसंस्कृत बनाना है, तो केवल उस परिवार की महिलाओं को शिक्षित कर देना चाहिये। साल 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत हरियाणा के पानीपत जिले से की थी। इसके बाद भ्रूण हत्या को समाप्त करने व महिलाओं से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर पुरुष मानसिकता में व्यापक परिवर्तन आया है। लेकिन व्यापक परिवर्तन ही नहीं, आमूल-चूल परिवर्तन की जरूरत है। प्रश्न है कि घर की चार-दीवारी के भीतर महिलाओं पर अत्याचार का सिलसिला कब रूकेगा? आखिर कब तक महिलाओं की छोटी-छोटी भूलों के लिये पुरुष उनको पिटते रहेंगे? क्यों हर कदम पर पुरुष व्यवस्था द्वारा लगाये गये नियमों के पालन में थोड़ी-सी कोताही उसे अपराधिनी सिद्ध करने का आधार बनती रहेगी। सेवा, श्रम और सेक्स-ये तीन बातें स्त्री के जीवन के आधार स्तंभ है, जो उसे परिवार और पति के लिये समर्पित करने हैं। इनमें तनिक चूक के लिये वह हिंसा की शिकार बना दी जाती है। लेकिन इन अत्याचारों को सहते-सहते स्त्री टूट चुकी है। आज त्याग की जंजीरें और सहने की ताकत की कड़ियां बिखर चुकी है। स्त्री का विद्रोही स्वरूप सामने आ रहा है, विवाह का विधान डगमगाने लगा है, समाज के सामने खतरे की घंटी बज रही है। आखिर इसका जिम्मेदार पुरुष ही है, उसके बढ़ते अत्याचार है, स्त्री को दोयम दर्जा मानने की मानसिकता है। ऐसी मानसिकता चाहे पीलीभीत में कहर ढाये या अन्यत्र। असर पूरे महिला समाज पर होता है। सवाल यह है कि औरत को तरह-तरह से घेरने वाली सजायें एवं जुल्म जब गुजरते हैं तो 'ऐसा तो होता ही रहता है' की मान्यता अब स्त्री को स्वीकार्य नहीं है। जुल्म भले एक महिला को झेलना पड़े लेकिन अनेक महिलाएं उससे जागरूक हो जाती है, कमर कस लेती है। निश्चिय ही यह पुनः एक प्रश्न को जन्म देता है कि क्या महिलायें अभी भी दोयम दर्जे की है? नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

वैश्विक संकेतों पर निर्भर अर्थव्यवस्था, भारत का प्रदर्शन शानदार

> विदेशी संस्थागत विनेशकों ने अक्तूबर 2021 से जून 2022 के बीच बाजार से लगभग 33 अरब डॉलर निकाले।भारतीय बाजार भी 2021 में अपने वर्सकालिक उच्च स्तर से गिर गया, पर वैश्विक बाजारों की तुलना में इसने बेहतर प्रदर्शन किया है। और दिसंबर 2022 में भारतीय शेयर बाजारों ने अपने वर्सकालिक उच्च स्तर को फिर से हासिल कर लिया है। लेकिन जहां शेयर बाजार अब तक के उच्चतम स्तर को छू रहे हैं, वहीं अर्थवव्यस्था में मंदी देखी जा रही है। मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी पहली तिमाही के 13 .5 फीसदी के मुकाबले घटकर 6 .3 फीसदी रह गई है। यह मोटे तौर पर अपेक्षा के अनुरूप था, आधार प्रभावों के कारण गिरावट आई, जबकि सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि पहली तिमाही के 0 .2 फीसदी से क्रमिक रूप से 1 .4 फीसदी तिमाहीवार बढ़ी। कमजोर निजी खपत और औद्योगिक क्षेत्र के साथ उच्च विनेश और सेवाओं की भरपाई के साथ अंतर्निहित क्षेत्रीय वृद्धि मिली-जुली है।

वर्ष 2022 वैश्विक बाजारों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण साल है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व से लेकर यूरोपीय सेंट्रल बैंक तथा भारतीय रिजर्व बैंक तक ने बढ़ती मुद्रास्फीति से निपटने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि की। बॉन्ड बाजार और शेयर बाजार, दोनों को सुधारों का सामना करना पड़ा। ऐसा बहुत कम होता है कि बॉन्ड और स्टॉक, दोनों में एक ही समय गिरावट आए, लेकिन 2022 में ऐसा हुआ। उभरते बाजारों के लिए संकट और ज्यादा था, क्योंकि अमेरिकी डॉलर अन्य मुद्राओं के मुकाबले मजबूत हुआ। भारत जैसे तेल आयात करने वाले देशों को इससे मुद्रास्फीति में तेजी की दोहरी खुराक मिली: पहले तेल की कीमतों में 120 अमेरिकी डॉलर/बैरल तक बढ़ोतरी और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट। इससे भारत में और अधिक मुद्रास्फीति बढ़ी, जिसके कारण रिजर्व बैंक ने आपातकाल की घोषणा की, और बार-बार ब्याज दर में बढ़ोतरी की। इस बीच, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर गिर गया। कमोडिटी उत्पादकों और कमोडिटी निर्यातकों को छोड़कर उभरती बाजार की मुद्राओं का तेजी से मूल्यह्रास हुआ, इसके साथ कुछ देश कर्ज चुकाने में चूक के कारण डिफॉल्टर होने के कगार पर पहुंच गए। बहुत से देश अब अपने थोड़े से विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी कर्ज के बोझ के साथ बैठे हैं। इस परिदृश्य में, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा धन निकालने के कारण भारत को अन्य उभरते बाजारों के साथ चुनौतियों का सामना करना पड़ा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अक्तूबर 2021 से जून 2022 के बीच बाजार से लगभग 33 अरब डॉलर निकाले। भारतीय बाजार भी 2021 में अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से गिर गया, पर वैश्विक बाजारों की तुलना में इसने बेहतर प्रदर्शन किया है। और दिसंबर 2022 में भारतीय शेयर बाजारों ने अपने सर्वकालिक उच्च स्तर को फिर से हासिल कर लिया है। लेकिन जहां शेयर बाजार अब तक के उच्चतम स्तर को छू रहे हैं, वहीं अर्थव्यवस्था में मंदी देखी जा रही है। मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी पहली तिमाही के 13.5 फीसदी के मुकाबले घटकर 6.3 फीसदी रह गई है। यह मोटे तौर पर अपेक्षा के अनुरूप था, आधार प्रभावों के कारण गिरावट आई, जबकि सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि पहली तिमाही के 0.2 फीसदी से क्रमिक रूप से 1.4 फीसदी तिमाहीवार बढ़ी। कमजोर निजी खपत और औद्योगिक क्षेत्र के साथ उच्च निवेश और सेवाओं की भरपाई के साथ अंतर्निहित क्षेत्रीय वृद्धि मिली-जुली है। भारत का विकास दर चक्र चरम पर है और व्यापक मंदी प्रक्रिया जारी है। हालांकि कम मुद्रास्फीति को आने वाले महीनों में निजी खपत बढ़ाने में मदद करनी चाहिए। सख्त वित्तीय स्थितियों और कमजोर वैश्विक मांग के प्रभाव से निवेश और निर्यात, दोनों पर दबाव पड़ेगा, जबकि महामारी के बाद सेवा क्षेत्र में काफी हद तक पकड़ मजबूत हुई है। अगले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर मौजूदा वित्त वर्ष के सात फीसदी से घटकर छह फीसदी रह जाएगी। नवंबर में, विदेशी संस्थागत निवेशक फिर से भारतीय बाजारों में शेयर खरीदने लगे, जिससे 36,000 करोड़ रुपये का फंड आया। वैश्विक कारकों के चलते अल्पकालिक अस्थिरता के साथ भारतीय शेयर बाजार में तेजी अभी कुछ समय के लिए रहने वाली है। बाजारों का बेहतर प्रदर्शन भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए क्या संकेत देता है? सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े उम्मीद के अनुरूप हैं। महामारी के बाद 'के' आकार की रिकवरी को देखते हुए उम्मीद है कि आने वाली तिमाहियों में जीडीपी विकास की गति में और तेजी से कमी आएगी, क्योंकि ग्रामीण खपत और निजी क्षेत्र में निवेश की कमी के साथ-साथ वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में मंदी के कारण निर्यात वृद्धि कम होने से जीडीपी पर असर पड़ेगा। त्योहार के मौसम में बंपर बिक्री के वास्तविक साक्ष्य के बावजूद खपत में वृद्धि और पुनरुद्धार चिंताजनक रूप से के-आकार का बना हुआ है, ग्रामीण मजदूरी में वृद्धि काफी हद तक कम है, और उपभोक्ताओं की भावना महामारी से पहले के स्तर से नीचे है। नवंबर में ऑटोमोबाइल क्षेत्र में सुस्ती आने वाले महीनों में उपभोक्ता मांग में कमी की ओर इशारा करती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी चुनौतीपूर्ण समय में प्रवेश कर चुका है, जैसा कि अक्तूबर और नवंबर में निर्यात (और आयात) में गिरावट से स्पष्ट है। सरकारी व्यय भी बहुत मौन और लक्षित रहा है। सख्त मौद्रिक परिदृश्य और वैश्विक आवेगों के कमजोर पड़ने के साथ सख्त राजकोषीय नियंत्रण के वातावरण में अगले वर्ष आर्थिक मंदी जैसी स्थितियां हो सकती हैं। हालांकि वित्त वर्ष 2024 में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होगा, लेकिन मौजूदा वित्त वर्ष की तुलना में विकास दर में थोड़ी गिरावट आएगी। विभिन्न आर्थिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आने वाले दशकों में और अधिक मजबूत विकास की आवश्यकता है, जो फिलहाल चुनौतीपूर्ण लग रहा है। इस साल अधिकांश विकसित अर्थव्यवस्थाएं-यूरोप से ब्रिटेन और अमेरिका तक मंदी की चपेट में रहेंगी, जैसा कि पहले की मंदी में हुआ था। घरेलू खपत आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था इन बाहरी झटकों को सह सकती है, लेकिन अंततः ये भारत में भी जीडीपी को धीमा कर देती हैं। इस बार भी ऐसा ही होगा। यदि वैश्विक मंदी हल्की और अल्पकालिक होगी, तो भारत तेजी से वापसी करेगा। लेकिन अगर यह तीव्र और लंबे समय तक चलने वाली मंदी होगी, तो भारत भी इसमें फंस जाएगा। न केवल निर्यात में गिरावट आने की आशंका है, बल्कि निवेश भी कमजोर रह सकता है। इसके अलावा, घरेलू वित्तीय स्थितियों को सख्त बनाने और कमजोर खपत के बुनियादी सिद्धांतों का भी कॉरपोरेट कमाई पर असर पड़ेगा। भारतीय शेयर बाजार तो बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन जमीनी स्तर की आर्थिक वास्तविकता वैश्विक परिदृश्य पर निर्भर है, जो कुछ दरारें दिखा रही है।

देश दुनीया से

कायम है प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता

भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात में जो जीत हासिल की है, उसका महत्व इस कारण भी है कि उसने माधव सिंह सोलंकी के दौर के कांग्रेस के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। इससे साबित होता है कि मतदाताओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत पकड़ है तथा भाजपा का संगठन बेहतर ढंग से सक्रिय है। मुझे लगता है कि कांग्रेस ने न केवल चुनाव प्रचार बहुत अनमने ढंग से किया, बल्कि शायद पार्टी के भीतर जीतने की आकांक्षा भी नहीं रही है। गांधी परिवार का चुनाव अभियान से अलग रहना इस बात का स्पष्ट संकेत देता है। यह बात जमीनी स्तर के कांग्रेस नेता भी स्वीकार करते रहे हैं तथा कार्यकर्ताओं में भी कोई उत्साह नहीं दिख रहा था। निश्चित रूप से कांग्रेस का बेहद निराशाजनक प्रदर्शन उसे और अधिक हतोत्साहित कर सकता है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस का जीतना पार्टी के लिए महत्वपूर्ण संजीवनी है। अब यही उम्मीद की जा सकती है कि पार्टी गंभीरतापूर्वक इन नतीजों का विश्लेषण करे तथा अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करे। यह अहम सवाल है कि क्या कांग्रेस ऐसा करेगी। गुजरात की जीत से भाजपा के लिए 2024 के लिए उत्साह मिलेगा। यह उनके नेताओं के बयानों से भी इंगित हो रहा है। बीते कुछ समय के चुनावों को देखें, तो चाहे जीत हो या हार हो, कांग्रेस नेतृत्व ने उन परिणामों की समुचित समीक्षा कभी नहीं की और न ही पार्टी की ओर से कोई ठोस रणनीति हमें देखने को मिली है। इस तरह के रवैये से पार्टी 2024 में भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती है। हिमाचल प्रदेश की जीत को उसे कुछ राहत के तौर पर ही देखना चाहिए क्योंकि भाजपा की आंतरिक स्थिति, लोगों में असंतोष तथा कांग्रेस के कुछ मुद्दों को लेकर लोगों में सकारात्मकता जैसे कारकों से यह जीत मिली है। राजा वीरभद्र सिंह के दौर में पार्टी का संगठन बेहतर स्थिति में था। अब उनकी पत्नी पार्टी की प्रमुख हैं तथा उनके बेटे भी विधायक हैं। अब इनके नेतृत्व में पार्टी और नयी सरकार क्या कर पाती हैं, यह अभी देखा जाना है। हालांकि प्रियंका गांधी हिमाचल प्रदेश में बहुत सक्रिय रहीं, लेकिन इससे यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा कि उनका असर अन्य राज्यों में भी दिखेगा। कांग्रेस को याद रखना होगा कि 2024 के चुनाव से पहले जो विधानसभा चुनाव होंगे, उनमें भी पार्टी को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हालांकि हिमाचल प्रदेश में आम आदमी पार्टी को सीटें नहीं मिली हैं, पर उनके उम्मीदवार मैदान में थे। गुजरात में उन्हें संतोषजनक मत प्रतिशत भी मिला है और कुछ सीटें भी आयी हैं। दिल्ली नगर निगम चुनाव की जीत से भी अरविंद केजरीवाल और आप आदमी पार्टी उत्साहित हैं। जो मतदाता गुजरात में बदलाव के आकांक्षी थे या किन्हीं कारणों से भाजपा से नाराज थे, वे कांग्रेस की ओर न देखकर आप की ओर देख रहे थे। यह अनायास नहीं है कि आप पार्टी अपने को कांग्रेस के विकल्प के रूप में स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। यह भी कांग्रेस के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। वह पंजाब और दिल्ली में कांग्रेस को अपदस्थ कर चुकी है। गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। ऐसे में वह हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में भी हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठी रहेगी। केजरीवाल 2024 के लिए नहीं, 2029 के लिए तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में उनके पास समय भी है और स्थितियों के अनुसार रणनीति बनाने की गुंजाइश भी। गुजरात में भाजपा को भी यह याद है कि कैसे पंजाब में पहले भाजपा ने लोकसभा में और फिर विधानसभा में उपस्थिति बनायी और फिर सरकार भी बना लिया। गुजरात और हिमाचल के चुनाव को 2024 में विपक्ष की स्थिति के संदर्भ में भी देखना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता बनी हुई है तथा भाजपा के पास बड़ा संगठन और संसाधन हैं। लेकिन विपक्ष निराश भी है और बिखरा हुआ भी। यह कहने की बात नहीं है कि उन्हें अगर सचमुच मोदी सरकार को हटाना है, तो उन्हें एकजुट होना पड़ेगा। ऐसी एकजुटता आसान नहीं है। आपस में विपक्षी दलों में भी टकराव है तथा अनेक राज्य ऐसे हैं, जहां एक से अधिक विपक्षी दल दौड़ में हैं।

> निश्चित रूप से कांग्रेस का बेहद निराशाजनक प्रदर्शन उसे और अधिक हतोत्साहित कर सकता है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस का जीतना पार्टी के लिए महत्वपूर्ण संजीवनी है। अब यही उम्मीद की जा सकती है कि पार्टी गंभीरतापूर्वक इन नतीजों का विश्लेषण करे तथा अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करे।

नागरिक बोध

देश के सपने पूर्ण करने मोदी कर रहे तनतोड़ मेहनत

स्वच्छ भारत अभियान का प्रचार और प्रसार करते हुए दिल्ली में हाथों में झाड़ू लेकर सड़को को साफ करते हुए साल 2014 में नजर आए। उसके बाद मोदी ने प्रधानमंत्री पद पर रहते आज दिन तक पीछे मुड़ कर नहीदेखा। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार को आठ साल पूरे होने की सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में हर जगह,हर मौके पर उनकी मौजूदगी को देखा जा सकता है। शुरुआती दौर में सीमा पार आतंकवदियों के मंसूबे खट्टे करने की बात हो या मेक इन इंडिया और सफाई मिशन का जयघोष हरेक मौके पर मोदी देश से मुखातिब होकर लंबा सफर तय किया है। मोदी ने लोकप्रिय योजनाओं की भेंट देकर उसको मजबूती से पीएम नरेंद्र मोदी पकड़े दिखाई दे रहे है। पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान को जवाब देने में गुड़ भाव पनपा है। मादी का मैजिक विधानसभा चुनाव में हर राज्य में भाजपा का प्रदर्शन शानदार कर मोहपाश बरकरार है। गुजरात की जीत से विपक्ष भी सकते में आ गया है। विपक्ष अभी खोई जमीन खींचते हुए नही दिख रहे है। विरोध के स्वर मुखर हो रहे है। पहले कांग्रेस से टक्कर थी अब आप को भी साथ मे घिसटना कांग्रेस को भारी पड़ रहा है। देश मे हर जगह केंद्र में मोदी की अहमियत विपक्ष के साथ सत्तारूढ़ भाजपा के लिए सफलता कदम चुम रही है। मोदी के लुभावने भाषण और घोषणाओ पिछले आठ सालों में जबर्दस्त हुई है। जनता से सीधे संवाद करने के लिए मोदी को महारत हासिल है। इसका असर पिछले दिनों विधानसभा चुनाव में दिखने लगा था। अभी के चुनाव प्रचार और 2021 के पांच राज्यो के चुनाव में मोदी ने स्वयं जमकर प्रचार किया है। गुजरात मे 156 सीटे हासिल करना भाजपा की उपलब्धि है। चुनावो की तर्ज पर मोदी वोट मांगकर सफलता हासिल की है।भाजपा यह सोचती है कि मोदी है तो मुमकिन है। यह नारा घर घर गूंजता दिखाई दिया था। जम्मू कश्मीर के लिए आक्रामक नीति,370 की कलम और राम मंदिर भाजपा की ऐतिहासिक कार्यप्रणाली में एक है। सामाजिक ढांचा सुधारने के लिए मोदी ने तीन तलाक की कलम रद्द कर मुस्लिम महिलाओं के लिए सुनहरे भविष्य के द्वार खोल दिये। भाजपा को वर्चस्व की और बढ़ाते हुए दिख रहे है। लोकप्रिय मुहावरों जुमलों का जमकर इस्तेमाल कर वह सीधे सीधे जनमानस से जुड़ने की कवायद में व्यस्त दिख रहे है। मोदी का सपना है कि भारत विश्व की महासत्ता बनकर दुनिया मे भारत की साख दिन दोगुनी और रात चौगुनी बढ़ती रहे। रेलवे के दरवाजे निजी निवेश के लिए खोल दिये है। कांग्रेस हर समय मोदी सरकार की आलोचना करती रहती है। भगवा अजेंड को क्रूर आर्थिक उदारीकरण की चाशनी में परोसने वाली सरकार समझने वाले कांग्रेसियो के पास कोई विजन नही है। आर्थिक उदारीकरण के साथ हिंदुत्व का एजेंडा भी देश मे लागू किया गया है।शिक्षा का भगवाकरण चालू है। अनेक देशों की यात्रा और उन देशों के साथ आर्थिक विकास की बातों और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की कसम खाने वाले मोदी का विजन भारत को ऊंचाइयों पर ले जाना है। हिंदी की रक्षा करने का संकेत मोदी ने सबसे पहले अमेरिकी यात्रा के दौरान दिया। देश मे 24 घन्टे बिजली पहुंचाने की बात पर जोर देकर मोदी ने अनेक राज्यो में 24 घन्टे बिजली सप्लाई शुरू करवा दी है।

संक्षिप्त समाचार

गैंगस्टर बबलू श्रीवास्तव ने कराया हाफिज सईद के घर के बाहर धमाका, पाकिस्तान का आरोप

इस्लामाबाद। आतंकवाद के लिए पूरी दुनिया में बदनाम पाकिस्तान ने अब भारत के खिलाफ दुष्प्रचार शुरू किया है। उसने आरोप लगाया कि आतंकी सरगना हाफिज सईद के घर के बाहर बम धमाके में भारत के गैंगस्टर बबलू श्रीवास्तव का हाथ था। सईद के जोहर स्थित घर के बाहर पिछले साल जून में धमाका हुआ था। इसमें दो सुरक्षाकर्मी समेत तीन लोग मारे गए थे और 24 घायल हो गए थे। हमले के वक्त सईद घर में मौजूद नहीं था। पाकिस्तान का आरोप है कि यह हमला भारत के गिरोहबाज बबलू श्रीवास्तव की इशारे पर किया गया था। पाकिस्तान के गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह खान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह आरोप लगाया। सनाउल्लाह ने दावा किया कि हमारे पास सबूत हैं कि हमले में भारत का हाथ था। इसलिए हम दुनिया को यह जानकारी देंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय दुनिया के सामने इन सबूतों को रखेगा। हमले के दोषियों को मय सबूतों के पकड़ा गया है। इन सबूतों से पता चलता है कि भारत सईद के घर हमले की साजिश में शामिल था। पाकिस्तान ने यह आरोप भी लगाया कि भारत हमारे देश में प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का भी समर्थन कर रहा है। पंजाब प्रांत के आतंकवाद रोधी दस्ते के एआईजी इमरान महमूद ने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान में टेरर फंडिंग कर रहा है। सईद के घर के बाहर धमाके में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में पीटर पॉल डेविड नाम के आरोपी की पहचान कार से हुई थी। डेविड की देखरेख में इस साजिश को अंजाम दिया गया था।

हमारे सहयोगियों के खिलाफ बढ़ रही चीन की आक्रामकता, हम सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

वाशिंगटन। अरुणाचल प्रदेश में तवांग सेक्टर के पास भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच ताजा संघर्ष के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के भारत के प्रयासों का अमेरिका ने समर्थन किया है। पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि हम अपने सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम रहेंगे। भारत ने जिस तरह से स्थिति को नियंत्रित किया हम उसके प्रयासों का पूरा समर्थन करते हैं। पैट राइडर ने आगे कहा है कि अमेरिका, भारत-चीन सीमा पर चल रही गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया जानती है कि चीन किस तरह से तानाशाही कर सीमा पर अपने बलों को इकट्ठा कर तथाकथित सैन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है। पैट राइडर ने आगे कहा कि चीन खुद को मुखर करने की कोशिश में अमेरिकी सहयोगियों और भागीदारों के खिलाफ भी आक्रामक हो रहा है। उन्होंने कहा कि एलएसी के बाद अब चीन समुद्री सीमा में भी भारत के अलावा अन्य देशों के लिए भी बड़ी चुनौती बन रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी सेना की मौजूदगी चिंता का विषय है। मंगलवार (स्थानीय समय) को एक प्रेस वार्ता के दौरान भारत-चीन टकराव के मुद्दे पर बात करते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव करीन जीन-पियरे ने कहा कि अमेरिका स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और दोनों पक्षों को विवादित सीमाओं पर चर्चा करने के लिए मौजूदा द्विपक्षीय चैनलों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अरुणाचल में भारत-चीन के सैनिकों की झड़प पर संयुक्त राष्ट्र चिंतित, तनाव कम करने पर कही ये बात

न्यूयॉर्क। भारत और चीन के सैनिकों के बीच अरुणाचल के तवांग स्थिति वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुई मुठभेड़ का मुद्दा अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता का विषय बन गया है। अब संयुक्त राष्ट्र ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत-चीन सीमा पर तनाव कम करने की बात कही है। यूएन प्रमुख के प्रवक्ता स्टीफन दुजैरिक से जब भारत और चीन के बीच टकराव की खबरों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, हमें मीडिया में कुछ रिपोर्ट्स मिली हैं। हम दोनों देशों से तनाव को कम करने के लिए कहेंगे। यह सुनिश्चित होना चाहिए कि क्षेत्र में तनाव न बढ़े। मीडिया में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प की खबरों के आने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा और राज्यसभा में इस मुद्दे पर बयान दिया था। उन्होंने कहा था, भारतीय सेना ने बहादुरी से पीएलए को हमारे क्षेत्र में अतिक्रमण करने से रोका और उसे अपनी चौकियों पर वापस जाने के लिए मजबूर कर दिया। झड़प में दोनों पक्षों के कुछ सैनिक घायल हो गए। रक्षा मंत्री ने बताया कि भारतीय सेना ने नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के यांग्त्से क्षेत्र में यथास्थिति को एकतरफा तरीके बदलने की चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की कोशिश को विफल कर दिया।

अमेरिका और चीन दोनों चाहते हैं कि एंटनी ब्लिंकन की बीजिंग यात्रा कामयाब हो!

वाशिंगटन ।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की चीन यात्रा की तैयारी पूरी गंभीरता के साथ की जा रही है। इसके लिए अमेरिका और चीन के अधिकारियों के बीच निकट संपर्क बना हुआ है। दोनों देशों के अधिकारी ब्लिंकन की बीजिंग यात्रा के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। ब्लिंकन अगले साल के आरंभ में चीन जाएंगे। इस बारे में घोषणा इंडोनेशिया के बाली में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पहली निजी मुलाकात के बाद हुई थी। दोनों राष्ट्रपति जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने बाली गए थे।

ब्लिंकन और शी जिनपिंग के बीच इस बात पर सहमति बनी थी कि दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार संपर्क में बने रहना चाहिए। अमेरिकी अधिकारियों ने मीडियाकर्मियों को बताया है कि ब्लिंकन की यात्रा के दौरान मुख्य जोर ऐसे उपायों पर होगा, जिससे दोनों देशों के बीच दुर्घटनावश कोई बड़ा टकराव ना हो जाए। मीडिया रिपोर्टों के

मुताबिक चीन और अमेरिका दोनों ब्लिंकन की अगली बीजिंग यात्रा को बेहद अहम मान रहे हैं। इस यात्रा की तैयारी में अभी अमेरिका पूर्वी एशिया और प्रशांत मामलों के सहायक विदेश मंत्री डैनियल क्रिटेनब्रिंक चीन यात्रा पर हैं। उनके साथ अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में चीन और ताइवान विभाग की वरिष्ठ निदेशक लाउरा रोजेनबर्ग भी बीजिंग गई हैं। यहां सरकारी तौर पर बताया गया है कि क्रिटेनब्रिंक और रोजेनबर्ग बाइडन-शी बातचीत में बनी सहमति को और आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। उनकी यात्रा शुरू होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों अधिकारी अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा को जिम्मेदारी से संभालने और सहयोग के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने पर बातचीत करेंगे। बीजिंग में रविवार और सोमवार को क्रिटेनब्रिंक और रोजेनबर्ग के साथ चीन के उप विदेश मंत्री शिये फेंग की बातचीत हुई। चीन के विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के संवेदनशील मुद्दों को ठीक से संभालने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। क्रिटेनब्रिंक और रोजेनबर्ग बीजिंग के बाद दक्षिण कोरिया और जापान जाएंगे। वहां भी बातचीत का प्रमुख मुद्दा चीन से जुड़े मसले होंगे। इसके अलावा उत्तर कोरिया से जुड़े विवाद पर भी वहां वार्ता होगी।

विश्लेषकों के मुताबिक अमेरिका यूक्रेन पर रूस के हमले के खिलाफ पश्चिमी प्रतिक्रिया में चीन को भी शामिल करने को इच्छुक है। वह चाहता है कि यूक्रेन में टकराव और न बढ़ाने के लिए रूस पर दबाव डालने की कोशिश में चीन शामिल हो। अमेरिका ने चीन को संदेश भेजा है कि रूस को यह समझाया जाना चाहिए कि वह पश्चिमी देशों को इस युद्ध में सीधे नहीं उलझने के लिए मजबूर ना करे।

अमेरिकी विश्लेषकों के मुताबिक इस समय चीन का ध्यान उसकी धीमी होती अर्थव्यवस्था पर है। अर्थव्यवस्था को संभालने की कोशिश में ही वह लगातार जीरो-कोविड की अपनी नीति को नरम कर रहा है। साथ ही वह चाहता है कि अमेरिकी कंपनियों के चीन में कारोबार करने की राह में बाइडन प्रशासन रुकावट ना डाले। समझा जाता है कि दोनों तरफ ऐसी इच्छाओं के कारण ब्लिंकेन की यात्रा के दौरान कोई महत्त्वपूर्ण सहमति बन सकती है।

रूस ने कहा- क्रिसमस के बीच भी नहीं रुकेगी जंग

अब कीव में फिर सुनाई दी जोरदार धमाकों की आवाज

कीव।

रूस और यूक्रेन के बीच इस साल 24 फरवरी को शुरू हुआ युद्ध अभी समाप्त नहीं हुआ है। इस बीच राजधानी कीव के शेवचेनकिवस्की जिले में जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई हैं। शहर के मेयर विताली क्लिको ने बुधवार को अपने टेलीग्राम चैनल पर जिले में धमाकों की सूचना दी। उधर, रूस ने क्रिसमस के बीच भी युद्ध को जारी रखने की बात कही है।

कीव में 5 बजकर 55 मिनट (06.55 मॉस्को समय) पर एक हवाई हमले का अलर्ट जारी किया गया। कीव, विन्नित्सा और जाइटॉमिर इलाकों में भी इमरजेंसी सायरन बजे। शेवचेनकिवस्की जिला, कीव के मध्य हिस्से में स्थित है। जिले के औद्योगिक परिसर में 71 उद्यम हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को अपने संबोधन में कहा, 293 दिनों के इस भयानक युद्ध में बहुत से घटनाक्रमों ने विभिन्न देशों और नेताओं के लिए खुद को दिखाने के लिए अवसर पैदा किए। मैं आप सबका आभारी हूं। प्यारे दोस्तों, न्यूजीलैंड उन देशों में पहले नंबर पर था जिन्होंने स्वतंत्रता और न्याय के संघर्ष में यूक्रेन का समर्थन किया।

उन्होंने आगे कहा, विभिन्न तानाशाहों और आक्रमणकारियों को

हमेशा एहसास नहीं होता है कि आजाद दुनिया की ताकत यह नहीं है कि उसके पास कोई बड़ा हथियार है, लेकिन हकीकत यह है कि उसमें हर कोई जानता है कि कैसे एकजुट होना है और निर्णायक रूप से ईमानदारी से काम करना है। उसमें हर कोई सामान्य कारण के लिए योगदान देता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवनार को यूक्रेन के ओडेसा में अधेरा छाया रहा, क्योंकि इस 15 लाख से ज्यादा की आबादी वाले बंदरगाह शहर में तापमान में गिरावट के कारण बिजली की सुविधाएं प्रभावित हुई। लोग बिना बिजली के ही रहे।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अपने रात के समय संबोधन में कहा कि ओडेसा में स्थिति बहुत कठिन है, क्योंकि उर्जा सुविधाओं की मरम्मत में महीनों लग सकते हैं। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, ईरान में बनाए गए ड्रोन के द्वारा हमलों में दो उर्जा सुविधाओं को नुकसान पहुंचाया गया था। इससे उर्जा के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। उधर, दूसरी ओर रूस ने संकेत दिए हैं कि क्रिसमस के त्योहार में भी युद्ध जारी रहेगा। इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि क्रिसमस तक रूस के सैनिकों को यूक्रेन से बाहर खदेड़ने के लिए शुरूआत करें। यह दोनों देशों की शांति के लिए उठाया गया पहला कदम होगा।

रूस ने बुधवार को जानकारी दी है कि वह यूक्रेन में मौजूद अधिकारी पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली को ध्वस्त करने की कोशिश करेगा। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सप्ताहांत तक अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम देगा। इसे भेजने के लिए वह योजना को अंतिम रूप दे रहा है।

श्रीलंका में सियासी उथल-पुथल बढ़ने के संकेत, विपक्ष ने चुनाव के लिए दबाव बढ़ाया

कोलंबो।

श्रीलंका की मुख्य विपक्षी पार्टी समगी जना बेलावेगया (एसजेबी) ने देश में तुरंत नए चुनाव की अपनी मांग के पक्ष में मुहिम तेज कर दी है। पार्टी ने स्थानीय चुनाव स्थगति रखने के सरकार के फैसले के खिलाफ कोर्ट में याचिका देने का इरादा भी जताया है।

उधर अरगलया (इस वर्ष हुए सरकार विरोधी जन आंदोलन) से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भी अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। अरागलया के कारण ही पूर्व राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी थी। यह आंदोलन देश में पैदा हुए अभूतपूर्व आर्थिक संकट के कारण खड़ा हुआ था। बीते जुलाई में राष्ट्रपति बनने के बाद विक्रमसिंघे अरागलया को खत्म कराने में सफल हो गए थे। इसके लिए उन्होंने दमन का सहारा भी लिया था। लेकिन अब अरागलया से जुड़े कार्यकर्ताओं ने 'अरागलया एक्स-कोर' नाम की नई मुहिम शुरू कर दी है।

सोमवार को 'अरागलया एक्स-कोर' की शुरुआत एक डिस्कशन ग्रुप के रूप में की गई। इसके तहत युवा और नए नेताओं को उभारने का लक्ष्य भी रखा गया है, जिन्हें इस समूह की तरफ से अगले आम चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाएगा। 'अरागलया एक्स-कोर' के संयोजक निपुण थराका ने कहा- 'हमारा संगठन कोई राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि यह एक आंदोलन है, जो भावी उम्मीदवारों को तैयार करेगा। हमें उम्मीद है कि अगले आम चुनाव तक हमारे प्रतिनिधि तैयार हो जाएंगे।'

नए समूह से जुड़े कार्यकर्ताओं ने कहा कि राजनीतिक दल भ्रष्टाचार का पर्याय बन गए हैं। इसलिए उनका मकसद ऐसी कार्य योजना तैयार करना है, जिससे देश की समस्याओं का हल निकाला जा सके। पर्यवेक्षकों के मुताबिक देश को आर्थिक संकट से मुक्ति दिलाने में रानिल विक्रमसिंघे सरकार के नाकाम रहने के कारण अरागलया कार्यकर्ताओं को फिर से सक्रिय होने का मौका मिला है।

इस बीच एसजेबी ने देश में तुरंत चुनाव प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। पार्टी के नेता सजित प्रेमदासा ने एसजेबी के सालाना सम्मेलन में विश्वास जताया कि उनकी पार्टी चुनाव की परीक्षा का सामना करने के लिए तैयार है। इसी पार्टी के सांसद एरान विक्रमारत्ने कहा कि स्थानीय चुनावों के मुद्दे पर एसजेबी ने कोर्ट जाने की पूरी तैयारी कर ली है। उन्होंने सोमवार को कहा- हाल में सत्ताधारी राजनेता चुनावों को टालने के बहाने बनाते रहे हैं, इसलिए एसजेबी को अदालत जाना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका में विपक्षी दल और राजनीतिक कार्यकर्ता स्थानीय और संसदीय चुनाव एक साथ कराने के लिए विक्रमसिंघे सरकार पर दबाव बढ़ा रहे हैं। उनकी मांग है कि ये दोनों चुनाव 2023 की पहली तिमाही में कराए जाएं। स्थानीय चुनाव इस वर्ष फरवरी में ही होने थे, लेकिन तत्कालीन गोटाबया राजपक्षे सरकार ने इन्हें स्थगित कर दिया था।

पाक के सत्तारूढ़ गठबंधन में दरार, बलूचिस्तान में स्वर्ण खनन प्रोजेक्ट को लेकर मतभेद

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में पहले से जारी राजनीतिक व आर्थिक अनिश्चितता के बीच सत्तारूढ़ गठबंधन में दरार पैदा हो रही है। अशांत बलूचिस्तान प्रांत की प्रमुख स्वर्ण खनन परियोजना को लेकर गठबंधन के दो सहयोगी दलों में मतभेद उभरे हैं। पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह बलूचिस्तान में अरबों डॉलर की रेको डिक कॉपर एंड गोल्ड माइन प्रोजेक्ट की बहाली को मंजूरी दे दी थी। इस विवादित परियोजना पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई थी। इसका गठबंधन सरकार के दो सहयोगी दलों- जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) और बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी-मेंगल) ने बहिष्कार किया। पाक गठबंधन सरकार के उक्त दोनों घटक दलों का मानना है कि सीनेट द्वारा सोमवार को पारित रेको डिक प्रोजेक्ट से संबंधित विदेशी निवेश (संवर्धन और संरक्षण) विधेयक 2022 बलूचिस्तान के नागरिकों के अधिकारों के खिलाफ है। उनका कहना है कि जेयूआई-एफ और बीएनपी-मेंगल को यह विधेयक तैयार करते समय विश्वास में नहीं लिया गया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार शरीफ मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जेयूआई-एफ और बीएनपी-एम दोनों ने अलग-अलग बैठकें कीं। इसमें कहा गया कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे सत्तारूढ़ गठबंधन छोड़ देंगी। स्वर्ण परियोजना को लेकर मतभेद व स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री ने दोनों सहयोगी दलों की शिकायतों को दूर करने के लिए एक कैबिनेट समिति का गठन किया है। उन्हें आश्वासन दिया है कि उनसे परामर्श के बाद जल्द ही एक संशोधन विधेयक संसद में पेश किया जाएगा। कैबिनेट बैठक के बाद सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि नाराज दलों की शिकायतों को हल करने के लिए कैबिनेट ने एक समिति का गठन किया है। मंत्री औरंगजेब ने कहा कि कैबिनेट ने रेको डिक प्रोजेक्ट की फंडिंग योजना को मंजूरी दे दी है।

चिप प्रतिबंधों का चीन में दिखने लगा है असर, लेकिन लंबी अवधि में बदल सकती है सूरत

बीजिंग

उन्नत चिप का चीन को निर्यात करने पर लगी अमेरिकी रोक का असर चीन के अंदर देखा जा रहा है। अब यहां ये अहसास होने लगा है कि इस अमेरिकी प्रतिबंध से चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग के क्षेत्रों में चीन के लिए फिलहाल तेजी से आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। इन प्रतिबंधों के कारण चीन की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी- सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग इंटरनेशनल कॉरपोरेशन (एसएमआईसी) के लिए भी दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। उसे मशीन रखरखाव और उपकरण बदलने की सेवाओं से वंचित होना पड़ रहा है।

अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने बीते अक्तूबर में चीन के साथ उन्नत चिप के किसी कारोबार पर रोक लगा दी थी। इस प्रतिबंध के कारण अमेरिका की लैम रिसर्च, एप्लाइड मैटेरियल, केएलए कॉरपोरेशन जैसी कंपनियों ने चीन में अपनी बिक्री और सेवाएं देने पर रोक लगा दी है। नीदरलैंड्स की कंपनी एसएसएमएल होल्डिंग ने अपने अमेरिकी कर्मचारियों से कहा है

कि वे अगले नोटिस तक चीनी ग्राहकों को अपनी कोई सेवा ना दें। अमेरिकी थिंक टैंक पीटरसन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स से जुड़े विशेषज्ञों गैरी क्लाइड हौफबाउर और मेगन होगन ने एक विश्लेषण में लिखा है कि बाइडेन प्रशासन ने अपने इस कदम से चीनी सेना के आधुनिकीकरण को रोकने का सबसे गंभीर प्रयास किया है। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी में स्थित ईस्ट एशिया फोरम की तरफ से प्रकाशित इस विश्लेषण में कहा गया है कि उन्नत सेमीकंडक्टर पर ही हाइपरसोनिक अस्त्र निर्भर करते हैं। ताजा कदम के साथ बाइडेन प्रशासन ने प्रयास किया है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में चीन 2022 में जहां तक पहुंचा, वह उसके आगे ना जा पाए। दोनों विशेषज्ञों के मुताबिक चिप उत्पादन क्षेत्र में चीन में प्रतिभा और अनुसंधान के अभाव का फायदा अमेरिका उठाना चाहता है। इसमें उसे फिलहाल कामयाबी भी मिल सकती है। लेकिन दोनों विशेषज्ञों के मुताबिक यह मानना गलत होगा कि लंबी अवधि में भी चीन की प्रगति ठहरी रहेगी। उन्होंने ध्यान दिलाया है कि प्रतिबंध लगने के बाद चीन ने अपनी पूरी ताकत और संसाधन चिप अनुसंधान और विकास में झोंकने की तैयारी की है। इसके लिए उसने 'हॉल ऑफ द नेशन' (संपूर्ण राष्ट्र) नजरिया अपनाया है, जिसके तहत इस उद्योग में राष्ट्रीय संसाधनों का निवेश किया जा रहा है। अमेरिकी थिंक टैंक रैंड कॉरपोरेशन ने राय जताई है कि हालिया प्रतिबंधों से चीन की सेना को पंगु बनाना संभव नहीं होगा। इसी वर्ष जारी अपनी एक रिपोर्ट में इस संस्था ने कहा था कि चीन की सैनिक प्रणालियां पुराने और कम जहीन चिप पर निर्भर हैं। इन चिप की उपलब्धता पर अमेरिकी प्रतिबंधों का कोई असर नहीं होगा। अगर चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियार प्रणालियां बनाना चाहेगा, तो उन्हें वह बना सकेगा, हालांकि उसकी लागत बढ़ जाएगी।

रूस और यूक्रेन के बीच करीब दस महीने से चल रही है जंग

रूस के खिलाफ जंग के लिए यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल देगा अमेरिका

वाशिंगटन।

अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल की खेप भेजने की मंजूरी देने की तैयारी कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रूसी हमलों का मुकाबला करने के लिए अधिक उन्नत हथियारों के यूक्रेनी नेताओं के एक अनुरोध पर अमेरिका ने यह सहमति जताई है। पहचान छिपाए जाने की शर्त पर तीन अधिकारियों ने कहा कि इस सप्ताह के अंत में यह मंजूरी मिलने की संभावना है और गुरुवार की शुरुआत में इसकी घोषणा की जा सकती है। यह फैसला अंतिम नहीं है और न ही सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा नहीं की गयी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ युद्ध में मदद करने और अधिक उन्नत हथियार प्रदान करने के लिए हाल ही में पश्चिमी नेताओं पर दबाव डाला था। पैट्रियट सतह से हवा में मार करने वाली एक उन्नत मिसाइल है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूक्रेन में शांति बहाल करने में तेजी लाने के लिए तीन चरणों का

प्रस्ताव रखा है। यह जानकारी यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालाय की प्रेस सेवा ने दी है। जेलेंस्की ने सोमवार को ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) के ऑनलाइन शिखर सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में कहा कि नई ताकत नामक पहला चरण यूक्रेन के लिए टैंक, रॉकेट आर्टिलरी और लंबी दूरी की मिसाइलों सहित रक्षा समर्थन बढ़ाने की परिकल्पना है। उन्होंने कहा, यह रूसी पक्ष को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं देगा।

कीव सिटी सेंटर में जोरदार धमाका, मेयर का दावा- हमने 10 ईरानी ड्रोन मार गिराए

वाशिंगटन।

यूक्रेन की राजधानी कीव में एक बार फिर से जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई है। बताया जा रहा है कि रूस ने कई ईरानी ड्रोन से हमले किए हैं। हालांकि, कीव के मेयर ने एक अलग ही दावा किया है। उन्होंने कहा है कि हमने रूस द्वारा भेजे गए 10 ईरानी ड्रोन मार गिराए हैं। रूस द्वारा इस हमले में यूक्रेन की दो सरकारी इमारतें ध्वस्त हो गई है। इस हमले में कितने लोग घायल हुए हैं अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। कीव के स्थानीय अधिकारी विटाली क्लिट्सको ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में लिखा है कि विस्फोटों के बाद नगर निगम की टीमें वहां पहुंची थीं। अधिकारियों ने कहा कि हमले में ईरानी निर्मित शहीद ड्रोन शामिल थे। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि देश में अन्य जगह पर भी रूसी सेना हमले को अंजाम दे रही है।

यूक्रेन पर उसी की मिसाइलों से हमला कर रहा रूस-इतना ही नहीं यूक्रेन को युद्ध में एक और अजीब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। यूक्रेन के डिप्टी इंटेलिजेंस प्रमुख जनरल वादिम स्कीबित्सकी ने बताया कि अक्तूबर के बाद रूस उस पर उन मिसाइलों से हमला कर रहा है, जिन्हें यूक्रेन ने 1990 में सोवियत संघ से अलग होने पर रूस को सौंपा था। असल में 1990 में सोवियत संघ से अलग होने के बाद यूक्रेन के पास परमाणु हथियारों का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा खजाना था। जनरल स्कीबित्सकी ने बताया कि परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम 1970 के दशक में यूक्रेन में बनाई गई केएच-55 सबसोनिक क्रूज मिसाइल का मलबा पिछले दिनों रूसी हमले के बाद ख्मेलनित्स्की इलाके में मिला। उन्होंने बताया कि सिर्फ मिसाइल ही यूक्रेन में बनी हुई नहीं थी, बल्कि जिस टीयू-160 बमवर्षक से इसे गिराया गया, वह भी यूक्रेन में बना था। रूस ने यूक्रेन के विभिन्न शहरों को ईरानी ड्रोन से बर्बाद कर दिया है। हालात भयावह हो गए हैं। ओडेसा में रूस ने ईरानी ड्रोन से ताजा हमला किया। इसके चलते लगभग 15 लाख लोगों के घरों से बिजली चली गई। ये लोग अंधेरे में रहने के लिए मजबूर हो गए हैं।

चंडीगढ़ में एसएसपी के मुद्दे पर आमने-सामने हुए राज्यपाल व सीएम

राज्यपाल पुरोहित ने भगवंत मान को लिखा पत्र • हरियाणा-पंजाब में न उलझाएं अधिकारियों का मुद्दा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब कैडर के आईपीएस अधिकारी को समय से पहले वापस भेजे जाने के मुद्दे पर चल रहे विवाद को नया मोड़ देते हुए पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर सलाह दी है कि वह अधिकारियों के मुद्दे को पंजाब व हरियाणा का न बनाएं। हरियाणा कैडर की अधिकारी को केवल वरिष्ठता के नाते कार्यभार सौंपा गया है। इस बीच प्रशासक ने पंजाब के मुख्य सचिव से तीन अधिकारियों के पैनल की भी मांग कर ली है। पंजाब के राज्यपाल चंडीगढ़ में प्रशासक हैं तथा यहां एसएसपी का एक पद पंजाब तो दूसरा पद हरियाणा के लिए आरक्षित है। राज्यपाल द्वारा मंगलवार को पंजाब कैडर के आईपीएस कुलदीप चाहल को समय से पहले ही वापस भेज दिया गया है। चाहल की जगह हरियाणा कैडर की आईपीएस मनीषा चौधरी को चंडीगढ़ में एसएसपी का जिम्मा सौंपा गया है। जिसके लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्यपाल को घेरा था। बुधवार को राज्यपाल ने भगवंत मान को लिखे पत्र में कहा कि उनके पत्र के कंटेंट दर्शाते हैं कि पत्र लिखते और भेजते समय तथ्यों का पता लगाने के लिए उचित सावधानी नहीं बरती गई है। यदि इस बात का ख्याल रखा जाता तो ऐसे लेटर पहली बार में नहीं लिखा जा सकता था। राज्यपाल ने लिखा कि एसएसपी यूटी कुलदीप चहल के मिस कंडक्ट को लेकर गंभीर इनपुट आने लगे। इसके बाद उन्होंने अपने विश्वसनीय सोर्स से उनकी प्रामाणिकता का पता लगाया। फिर 28 नवंबर 2022 को पंजाब के मुख्य सचिव से फोन पर बात करके चहल को हटाने के अपने फैसले बारे बताया। साथ ही उन्हें एसएसपी यूटी के पद के लिए कुशल अधिकारियों का पैनल भेजने की सलाह भी दी। इसके बाद 30 नवंबर की शाम डीजीपी प्रवीर रंजन ने पंजाब के मुख्य सचिव को पूरे मामले की जानकारी दी। साथ ही पंजाब सरकार द्वारा एसएसपी पद के लिए पैनल भेजने का अनुरोध किया। 30 नवंबर को यूटी प्रशासक के एडवाइजर ने भी चीफ सेक्रेट्री से टेलीफोन पर बात कर उन्हें पैनल भेजने का अनुरोध किया। इसके बाद मुख्य सचिव उनसे मिले। गवर्नर पुरोहत ने बताया कि 30 नवंबर को ही कुलदीप सिंह चहल ने उन्हें फोन करके कहा कि वह अपने पंजाब कैडर में वापस जाना चाहते हैं। पंजाब के राज्यपाल ने सीएम को कहा है कि उन्होंने इस संबंध में पंजाब बनाम हरियाणा का गैर-जरूरी मुद्दा भी उठाया। इस एडहॉक नियुक्ति के मामले में बहुत कम अवधि होती है। गवर्नर ने सीएम मान को लिखा कि काश उन्होंने लेटर लिखने से पहले इन पहलुओं पर विचार किया होता।

बैग में मिली महिला की लाश, जांच में जुटी पुलिस

रेवाड़ी (हिंस)। रेवाड़ी में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बुधवार को एक बैग में महिला की लाश बरामद हुई है। शव करीब आठ दिन पुराना लग रहा है। दुर्गंध आने पर कुछ लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कसौला थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह कसौला थाना पुलिस को सूचना मिली की दिल्ली-जयपुर हाईवे पर कसौला चौक के निकट बने एक होटल के पीछे खेत में बैग पड़ा हुआ है जिसमें से दुर्गंध आ रही है। सूचना के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची तो बैग में महिला की लाश बरामद हुई। कसौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि महिला का शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला है। उसकी उम्र करीब 35 साल है। शव 7-8 दिन पुराना लग रहा है।

विजिलेंस ब्यूरो के हत्थे चढ़ा भ्रष्ट पंचायत सचिव, लाखों की हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने बुधवार को जिला फतेहगढ़ साहिब की ग्राम पंचायत हवारा में पंचायत सचिव के पद पर कार्य कर रहे राजिंदर सिंह को 37 लाख 55 हजार रुपए की हेराफेरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में शिकायत की जांच के बाद विजिलेंस थाना पटियाला में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत को पूर्व सरपंच बलदेव सिंह के कार्यकाल के दौरान 37,55,000 रुपए का विकास अनुदान प्राप्त हुआ था। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपित पंचायत सचिव गुरदीप सिंह, कनिष्ठ अभियंता (जेई), पंचायती राज खमानो और पूर्व सरपंच बलदेव सिंह की मिलीभगत से उक्त राशि का गबन किया गया। विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने यह भी पाया है कि गुरदीप सिंह जेई ने ग्राम पंचायत की मेजरमेंट बुक (एमबी) में उक्त अनुदान की कोई एंट्री नहीं की थी। उपर्युक्त अनुदानों में से ब्यूरो ने 19,05,000 रुपए का आकलन किया है लेकिन उसे मेजरमैंट बुक (एमबी) में दर्ज नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह बात भी सामने आई है कि उक्त ग्रांट में हेराफेरी करने के बाद गुरदीप सिंह जेई ने इस संबंध में उपयोगिता प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर कर बीडीपीओ खमानो द्वारा जारी करवा दिया। प्रवक्ता ने बताया कि इस गबन के लिए जिम्मेदार आरोपी गुरदीप सिंह, जेई व पूर्व सरपंच बलदेव सिंह सहित अन्यों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

लोकप्रिय सरकार ही जम्मू-कश्मीर की पीड़ा का रामबाण इलाज : हर्ष देव

उधमपुर (हिंस)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री हर्ष देव सिंह ने बुधवार को चिनैनी विधानसभा क्षेत्र के मादा व बाटला गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना तथा उनकी समस्याओं को हल करवाने हेतु जरूरी प्रयास करने का आश्वासन भी दिया। वहीं पूर्व हर्ष देव सिंह ने आयोजित जनसभाओं में लोगों को संबोधित करते हुए वर्तमान उपराज्यपाल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं से वंचित आम जनता की उदासीनता और उपेक्षा के लिए वर्तमान शासन जिम्मेदार है। जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश की पीड़ा के लिए लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार ही एक मात्र रामबाण उपचार है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों, ज्यादातर उतरप्रदेश और बिहार से बुलाए गए बाबुओं को यूटी की विविधताओं की अजीबो-गरीब समस्याओं के बारे में शायद ही कोई पता हो और वे लोगों के आग्रह को पूरा करने में विफल रहे हों। जबकि आम जनता की उनके बंद कक्षों से संचालित होने वाले बाबुओं तक शायद ही कोई पहुंच है। बाबुओं ने भी जनता के साथ बातचीत करने की अपनी जिम्मेदारियों का त्याग कर दिया है ताकि उनकी कठिनाइयों का पता लगाया जा सके और उनके वास्तविक के निवारण के लिए उचित उपचारात्मक कार्रवाई की जा सके। सिंह ने कहा कि बार-बार बिजली की कटौती और गंभीर पेयजल की समस्या ने लोगों के जीवन को एक जीवित नरक बना दिया है। प्रभावित लोग दिन-प्रतिदिन सड़कों पर विरोध कर रहे हैं, परंतु एक अत्यधिक उद्दंड और उदासीन नौकरशाही ने आंदोलनकारी जनता के संकटों से बिल्कुल बेखबर है। बुनियादी सुविधाओं के प्रति प्रशासनिक उदासीनता से न केवल आम आदमी नाराज है बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों ने केंद्र के छद्म शासन के प्रति अपनी अस्वीकृति व्यक्त की है।

गहलोत सरकार की कमजोर लगाम से पनपा भ्रष्टाचार : महावीर रांका

बीकानेर (हिंस)। भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ द्वारा जन आक्रोश यात्रा निकाली गई। भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक महावीर रांका ने कहा कि पिछले चार साल से राजस्थान अराजकता, कुशासन, भ्रष्टाचार और अब तक की सबसे खराब कानून-व्यवस्था की स्थिति से गुजर रहा है। अपराधियों के हौसले बढ़ गए हैं, प्रदेश में गोलियों की गूंज बढ़ गई है और सुरक्षा घट गई है। गहलोत सरकार की कमजोर लगाम ने भ्रष्टाचार को पनपा दिया है। भाजपा जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार से पूरी तरह त्रस्त है। इसलिए वह आगामी चुनावों में कांग्रेस की सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी। भाजपा के पवन महनोत ने बताया कि यात्रा की शुरुआत लालजी होटल स्टेशन रोड से प्रारंभ हुई जो कोटगेट, केईएम रोड, गुरु नानक मार्केट, तोलियासर भैरुजी गली होते हुए निकली। इस दौरान पूर्व

विधानसभा यात्रा संयोजक डॉ. सिद्धार्थ असवाल, पश्चिम विधानसभा यात्रा संयोजक वेद व्यास, प्रभारी भगवानसिंह मेड़तिया, व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक बीकानेर नरेश गोयल, पार्षद दीनदयाल उपाध्याय, राजेन्द्र शर्मा, तेजाराम राव, शंभु गहलोत, आनन्द सोनी, लक्की पंवार, लोकेश छाबड़ा, अनिल शुक्ला, गौरीशंकर देवड़ा, घनश्याम रामावत, विष्णु तंवर, राजेन्द्र व्यास, मुकेश आचार्य, जिला उपाध्यक्ष मधुरिमा सिंह, भारती अरोड़ा, विमला उपाध्याय, भगवती स्वामी, इन्दु वर्मा, मधु शर्मा, मनीषा गदोरिया, सुमन जोशी, मोनिका, अनु सुथार आदि उपस्थित रहे। भाजपा द्वारा निकाली गई जन आक्रोश यात्रा का व्यापारियों व आमजन ने फूल मालाओं से स्वागत किया। जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह, भगवान सिंह मेड़तिया, डॉ. सिद्धार्थ असवाल का मार्केट में पुष्प मालाओं से अभिनन्दन किया गया। वहीं यूथ आइकन की पहचान रखने वाले पूर्व यूआईटी चैयरमेन महावीर रांका की लोकप्रियता का नजारा भी अनूठा रहा। महावीर रांका ने गहलोत सरकार की नाकामियों को गिनाया तथा भाजपा को मजबूत करने का आह्वान किया।

तवांग में चीनी घुसपैठ पर पायलट ने केंद्र को घेरा

सवाई माधोपुर (हिंस)। तवांग में चीनी सैनिकों की घुसपैठ को लेकर पांच दिन बाद सरकार की ओर से संसद में दिए गए बयान पर जहां विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है, वहीं अब राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी इस मामले में केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पायलट ने कहा कि घटना के पांच दिन के बाद सरकार का बयान आया है, उस बयान में ऐसा कुछ नया नहीं है जो किसी को पता नहीं हो। केंद्र सरकार को चाहिए कि इस मुद्दे पर विपक्ष को विश्वास में लेकर चर्चा करें। सचिन पायलट ने सवाईमाधोपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि अगर बॉर्डर पर टेंशन है और अतिक्रमण और घुसपैठ का प्रयास हो रहा है तो सरकार को चीन को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए लेकिन बिना पारदर्शिता के हम आगे कैसे बढ़ेंगे ? सच्चाई के साथ इस पर चर्चा होनी चाहिए। हमारे जवानों ने चीन को अच्छा सबक सिखाया है, पूरा देश और देश का एक-एक नागरिक भारतीय सेना के साथ खड़ा हुआ है और उनको नमन करता है लेकिन सरकार को भी सच्चाई से भागना नहीं चाहिए और विपक्ष को साथ लेकर इस पर चर्चा करनी चाहिए। इस्टर्न कैनाल परियोजना को लेकर पायलट ने कहा कि ईआरसीपी पर अब भाजपा राजनीति कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान में दो बार ईस्टर्न कैनाल परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का कमिटमेंट कर चुके हैं फिर केंद्र सरकार अपने वादे से क्यों मुकर रही है ? जबकि राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। अगर भाजपा की नीयत और नीति साफ होती तो पहले ही राज्य सरकार का साथ देते लेकिन

वो केवल इस मामले में राजनीति कर रहे हैं। ईस्टर्न कैनाल परियोजना से 13 जिले जुड़े हैं जिसमें कई पीढ़ियों तक को इस योजना का लाभ मिलेगा। राजस्थान सरकार ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है और 9000 करोड़ से ज्यादा का बजट इस योजना के लिए रखा है। ईआरसीपी की डीपीआर में कमियां निकालने की बजाय केंद्र सरकार को राज्य सरकार का सहयोग करना चाहिए और इस मुद्दे पर राजनीति छोड़कर जनता के हित में काम करना चाहिए। राहुल गांधी की यात्रा को लेकर पायलट ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को राजस्थान में अपार समर्थन मिल रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ नौजवान, बुजुर्ग, किसान, महिला, बच्चे सब उत्साह के साथ यात्रा के साथ जुड़े रहे हैं। जो मुद्दा राहुल गांधी ने उठाया है वो प्रासंगिक है, देश और प्रदेश में लोग इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि आज देश में भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी पर राहुल गांधी चर्चा कर रहे हैं, उसका समाधान ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं। आज देश में नफरत और हिंसा का माहौल है, राहुल गांधी इस नफरत के माहौल को भी खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं। आने वाले चार दिनों में राजस्थान में लाखों लोग इस यात्रा से जुड़ेंगे।

सिपाही पेपर लीक मामले में इनामी बदमाश गिरफ्तार

कैथल (हिंस)। स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट के प्रभारी अमित कुमार ने बुधवार को हरियाणा पुलिस के सिपाही भर्ती परीक्षा के पेपर लीक करने के मामले में 10 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किया गया युवक राजकुमार यादव राजस्थान के अलवर जिले के कानावास का रहने वाला है। कैथल सीआईए-वन पुलिस की टीम ने 7 अगस्त को हरियाणा पुलिस सिपाही लिखित परीक्षा लीक करवाने के मामले में खापड जिला जींद निवासी संदीप के साथ प्यौदा निवासी नवीन को आंसर की के साथ गिरफ्तार किया था।

पंजाब में फिर हो सकता है बसों का चक्का-जाम

गुरदासपुर। पंजाब में एक बार फिर से बसों का चक्का जाम हो सकता है। जानकारी के अनुसार गुरदासपुर में पानी वाली टंकी पर चढ़ने वाले कंडक्टर को नौकरी से बाहर निकाल दिया है। संबंधित विभाग ने 22 दिन की जांच के बाद कंडक्टर पर यह कार्रवाई की है। विभाग की इस कार्रवाई के खिलाफ मुलाजिमों और जत्थेबंदियों द्वारा विरोध किया जा रहा है। उधर, कंडक्टर पृथपाल ने विभाग के फैसले पर सवाल उठाए हैं। जिक्रयोग्य है कि पिछले महीने कंडक्टर पृथपाल के समर्थन में 6 दिन चक्का जाम किया था। सरकारी बसें बंद कर दी गई थी जिससे लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। गौरतलब है कि जब पनबस जो चंडीगढ़ से बटाला आ रही थी तब काठगढ़ टोल प्लाजा से रोपड़ डिपो के इंस्पेक्टर चेकिंग के लिए बस में चढ़े थे। इस दौरान इंस्पेक्टर ने बिना टिकट के एक शख्स को पकड़ा था जिसके चलते कंडक्टर को नौकरी से बर्खास्त किया था। परेशान होकर कंडक्टर पेट्रोल की बोतल लेकर टंकी पर चढ़ गया था। बस कंडक्टर के समर्थन में आए पंजाब रोडवेज बटाला डिपो में पनबस कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू कर दी थी जो लगातार 6 दिन तक रही।

शेरगढ़ गैसकांड : एक बालिका और युवक ने तोड़ा दम, अब तक 25 की मौत

जोधपुर (हिंस)। निकटवर्ती शेरगढ़ स्थित भूंगरा गांव में गत गुरुवार को शादी समारोह में हुए गैस कांड में आग से झुलसे दो और लोगों की बुधवार दोपहर तक मौत हो गई। एक बालिका की सुबह और युवक की दोपहर में मौत हुई है। अब तक 25 लोगों की जान जा चुकीं है। जबकि 29 लोग अस्पताल में भर्ती है। अब तक दो को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। आज सुबह 13 साल की डिंपल कंवर पुत्र उत्तमसिंह एवं सोलंकियां तला शेरगढ़ निवासी दुर्गसिंह पुत्र खींवसिंह की मौत हुई है। मंगलवार को दूल्हे सुरेंद्र सिंह के पिता 57 साल के सगत सिंह पुत्र पूंजराज सिंह, पांच साल का आईदान सिंह पुत्र श्यामसिंह, 24 साल का दिलीप कुमार पुत्र थानाराम एवं 40 साल की सुगन कंवर पत्नी नरपत सिंह की मौत हो गई थी। इस कांड में झुलसे लोगों की मौतों का सिलसिला जारी है। गंभीर रूप से घायल आईसीयू में भर्ती लोगों की हालत भी नाजुक बनी है। उल्लेखनीय है कि बीते गुरुवार को जिले के शेरगढ़ स्थित भूंगरा गांव में सगतसिंह की ढाणी में उनके पुत्र सुरेंद्र सिंह की शादी थी। बारात रवानगी से पहले ही दोपहर में गैस रिसाव के साथ भीषण आग लगी और दो गैस सिलेंडर फट गए। जिससे घर परिवार रिश्तेदारी के 54 लोग आग में झुलस गए थे। जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर एमजीएच अस्पताल के बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया था। इनमें कई की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। अब तक इसमें 25 लोग कालकल्वित हो चुके है।

अलवर में थानाधिकारी सहित जवानों से की हाथापाई, चार गिरफ्तार

अलवर (हिंस)। नौगांवा थाना अधिकारी व स्टॉफ के साथ हाथापाई करने वाले चार आरोपियों रुक्सीद, नूरदिन, साबीर और आरिफ को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि एक नाबालिक को निरुद्ध किया है। थाना अधिकारी सुनील टाक ने बताया पुलिस के साथ हाथापाई करने वाले शेष आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। सभी आरोपी गांव से फरार हो गए है। नौगांवा थाना इलाके के गांव बरामदा में मंगलवार को एक बालिका बाइक से टकरा गई थी। आक्रोशित बालिका के परिजन व अन्य ग्रामीणों ने बाइक सवार युवक अमन खत्री का पीछा कर उसे नौगावा में घेर कर पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना की सूचना पर नौगावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी मौके से भाग गए। पुलिस ने घायल युवक को नौगावां अस्पताल में भर्ती कराया। युवक के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जब पुलिस बरामदा गांव पहुंची तो पुलिस बल के साथ आरोपियों ने हाथापाई कर दी और आरोपियों को छुड़ाने का प्रयास किया। मामले युवक के परिजनों ने जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कराया है। जबकि पुलिस ने अलग से पुलिस के साथ हाथापाई करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने युवक के मामले में साबिर को गिरफ्तार जबकि तीन नाबालिकों को निरुद्ध किया था। आरोपी व उनके परिजनों द्वारा थाना अधिकारी के साथ की गई हाथापाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें थानाधिकारी की वर्दी के सारे बटन टूटने के कारण उनकी शर्ट खुली हुई है। वीडियो को देख लोग इस तरह पुलिस के साथ हाथपाई करने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

छात्राओं को अश्लील मैसेज भेजने वाला अध्यापक निलंबित

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के राजकीय उच्च विद्यालय चंद्रावल में नाबालिग छात्राओं को व्हाट्सअप पर अश्लील मैसेज भेजने के मामले में कार्रवाई करते हुए शिक्षा विभाग ने आरोपी शिक्षक को आज निलंबित कर दिया है। इस मामले में शिक्षा विभाग द्वारा गठित टीम द्वारा सोमवार को ग्रामीणों, अध्यापकों तथा छात्राओं के ब्यान कलमबद्ध किए गए थे। गौरतलब है कि इस मामले में ग्रामीणों ने गांव के सरकारी स्कूल के संस्कृत अध्यापक बबरूभान पर छात्राओं को आपत्तिजनक मैसेज भेजने के आरोप लगाए थे। ग्रामीणों का आरोप था कि सरकारी स्कूल में बबरूभान नामक संस्कृत अध्यापक ने कई दिन पहले दसवीं कक्षा की छात्रा के मोबाइल पर व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज कर दिया

था। उस समय अभिभावकों के सामने संस्कृत अध्यापक बबरूभान ने अपनी गलती स्वीकार करने और अनजाने में हो जाने का हवाला दिए जाने के बाद माफ कर दिया था। अब 15 दिन पहले दोबारा आठवीं कक्षा की छात्रा के मोबाइल पर उपरोक्त अध्यापक ने व्हाट्सएप पर आपत्तिजनक पोस्ट डाल दी। इसके बाद गांव में अध्यापक बबरूभान के खिलाफ जमकर विरोध हुआ था। ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए आरोपी अध्यापक छुट्टी लेकर चला गया वहीं स्कूल का मुखिया कैलाश चंद्र भी छुट्टी पर चला गया। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने 6 दिसम्बर को स्कूल पर ताला जड़ दिया था। इस मामले में पुलिस ने छात्रा के पिता की शिकायत पर आरोपी अध्यापक बबरू भान के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया था। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को सिरसा-चण्डीगढ़ रोड पर करीब अढ़ाई घंटे तक जाम भी लगाया था। इस मामले में शिक्षा विभाग द्वारा जांच को लेकर एक कमेटी का गठन किया गया था। इस टीम में खंड शिक्षा अधिकारी जगदीश सेवदा, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंकावाली के प्रिंसिपल सुभाष टुटेजा, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल धांगड़ की प्रिंसिपल शारदा, राजकीय हाई स्कूल दिगोह के मुख्य अध्यापक हरीश कंबोज, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल नाढोडी की अध्यापिका नीना चुघ शामिल थे।

पंजाब में एक महीने के लिए टोल फ्री

अमृतसर। किसान मजदूर संघर्ष कमेटी द्वारा पिछले कई दिनों से पंजाब के अलग-अलग डीसी कार्यालयों के बाहर बड़ी संख्या में महिलाओं और किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है और अब किसान अपना विरोध तेज करते हुए एक महीने के लिए टोल प्लाजा बंद करने का एलान कर दिया है। इस संबंधी पत्रकारों से बातचीत करते किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के प्रदेश महासचिव सरवन सिंह ने कहा कि मांगों को लेकर डीसी कार्यालय के बाहर बैठे हैं और मांगों को लेकर सरकार ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कहा है कि पंजाब से नशा बंद करने के लिए लगभग 5 वर्ष का समय लगेगा। इसके अलावा किसानों की कर्ज माफी को लेकर भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सकी है, जिसके चलते अब किसानों ने 15 दिसंबर से एक महीने तक पंजाब के 11 जिलों के 18 टोल प्लाजा पर प्रदर्शन करके उन्हें बंद किया जाएगा और इसके साथ ही उन्होंने बोलते हुए कहा कि ये टोल प्लाजा केवल सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक बंद रहेंगे। इस दौरान अगर किसी टोल प्लाजा की ओर से टोल प्लाजा के कर्मचारियों का वेतन रोका गया तो वे उनका वेतन दिलवाने के लिए संघर्ष करेंगे। किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के जनरल सचिव सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि वे पंजाब के अन्य किसानों से भी बात कर रहे हैं कि और टोल प्लाजा बंद किए जाएं। एक महीने बाद बाकी टोल प्लाजा भी बंद कर दिए जाएंगे। टोल प्लाजा बंद करने के बाद भी सरकार नहीं मानी तो किसान अपना संघर्ष और तेज करेंगे। गौरतलब है कि पिछली 26 नवंबर से किसान मजदूर संघर्ष कमेटी द्वारा दिल्ली मोर्चे की दूसरी वर्षगांठ मनाते हुए अपनी मांगों को लेकर डीसी कार्यालयों के बाहर धरना देना शुरू कर दिया जो कि लगातार 19वें दिन भी चल रहा है।

Tender No. Sil/01C/22-23

TENDER NOTICE

E-tenders are invited from eligible bidders for carrying out following works as per schedule enclosed. Details of the bid may be seen at e-procurement portal website www. assamtenders.gov.in.

Name of work	Place of work	Total work value inclusive of all tax as applicable	Security Deposit	Earnest money Deposit	Time of completion	Cost of bid processing fee
Establishment of Orchid Park and Renovation of Herbal Garden	Basistha, Guwahati	₹47,00,000.00	10% of the estimated cost	2% for GEN. 1% for OBC/ST/SC of the estimated cost	15th March 2023	₹1000/-

NOTE :

1) The bidders must be registered with www.assamtenders.gov.in for participating in the bidding process. The Bidding document may be downloaded through the portal assamtenders.gov.in by using their own user ID.
2) Online submission of Technical & Financial Bid is mandatory. Manual submission (without online submission) of bid will be considered as non-responsive. Bidders are to submit the required papers for technical bid by scanning and uploading the same.
3) Bidder shall submit EMD & Tender processing fee electronically in the system provided by the www.assamtenders.gov.in
4) All the necessary documents should be submitted as per prescribed format enclosed in bid document.

Sd/-
Silviculturist, Assam
Basistha, Guwahati-29.

-- Janasanyog /C/15952/22

स्पाइसजेट ने रची झूठे ऑडिट की कहानी : आईसीएओ ने कहा- हमने किसी भी एयरलाइन का ऑडिट नहीं किया

नई दिल्ली।

इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन ने स्पाइसजेट के ऑडिट किए जाने के दावे को गलत बताया है। यूएन बॉडी ने कहा कि स्पाइसजेट के हेड ऑफिस में उनकी विजिट का उद्देश्य ऑडिट या इंस्पेक्शन नहीं था। एजेंसी ने यह भी कहा कि उसने दुनिया के किसी भी देश में किसी एयरपोर्ट या एयरलाइन का ऑडिट नहीं किया है।

आईसीएओ ने कहा कि यूनिवर्सल सेफ्टी ओवरसाइट ऑडिट प्रोग्राम टीम ने इस साल 9 से 16 नवंबर तक आईसीएओ कोऑर्डिनेटेड वैलिडेशन मिशन परफॉर्म किया था। एक पार्ट के रूप में सिविल एविएशन अथॉरिटी की सेफ्टी ओवरसाइट की इफेक्टिवनेस को वेरिफाई करने के लिए आईसीएओ की टीमें एयरलाइन इंडस्ट्रीज का दौरा करती हैं, जो एक सामान्य प्रैक्टिस है। आईसीएओ यूनाइटेड नेशंस की स्पेशलाइज्ड एजेंसी है, जो सिविल एविएशन के लिए स्टैंडर्ड और रेगुलेशन तय करती है।

स्पाइसजेट ने 5 दिसंबर को बयान जारी कर क्या कहा था- 5 दिसंबर को स्पाइसजेट ने एक बयान जारी कर कहा था, आईसीएओ द्वारा यूनिवर्सल सेफ्टी ओवरसाइट ऑडिट प्रोग्राम के सतत निगरानी दृष्टिकोण के तहत किए गए ऑडिट में स्पाइसजेट एकमात्र शेड्यूल्ड इंडियन एयरलाइन थी। स्पाइसजेट सेफ्टी सिस्टम के ऑडिट ने भारत को आईसीएओ ऑडिट में अब तक की हाईएस्ट सेफ्टी रैंकिंग हासिल करने में मदद की।

14 नवंबर को आईसीएओ ने स्पाइसजेट के ऑफिस का दौरा किया था - आईसीएओ ऑडिटिंग कमेटी ने 14 नवंबर को दिल्लीएयरपोर्ट पर स्पाइसजेट के हेड ऑफिस का दौरा किया था। एयरलाइन ने कहा था कि यूएन बॉडी ने फ्लाइट के क्रिटिकल फंक्शंस और ऑपरेशनल एरियाज का ऑडिट और रिव्यू किया है। जिसमें फ्लाइट प्लानिंग, वेदर असेसमेंट, रूट प्लानिंग, एयरक्राफ्ट सर्विसएबिलिटी जैसे कई एरियाज शामिल हैं।

स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह ने किया था यह दावा - स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह ने कहा था कि आईसीएओ के ऑडिट के बाद एयरलाइन के सेफ्टी कल्चर और ऑपरेशंस दुरुस्त पाए गए। इसके बाद सोमवार को स्पाइसजेट ने पैसेंजर्स को एक मेल भेजकर कहा था, आप सुरक्षित हाथों में हैं। यह दावा हम नहीं कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

छिन गया दुनिया के सबसे अमीर का ताज, एलन मस्क को ट्विटर से लगा तगड़ा झटका, बर्नार्ड अरनॉल्ट शीर्ष पर

नई दिल्ली। टेस्ला, स्पेसएक्स व ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने दुनिया के सबसे रईस होने का खिताब खो दिया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार बर्नार्ड अरनॉल्ट ने उनकी जगह ले ली है। वे अब दुनिया के सबसे धनी बन गए हैं। ट्विटर के अधिग्रहण के बाद मस्क को बड़ा झटका लगा है। अरनॉल्ट फैशन की दिग्गज कंपनी एलवीएमएच के प्रमुख हैं। 51 साल के एलन मस्क की संपत्ति में इस साल अब तक करीब 100 अरब डॉलर की गिरावट आ चुकी है। उनकी कुल संपत्ति 168.5 अरब डॉलर की रह गई है, जबकि 73 वर्षीय अरनॉल्ट की संपत्ति का मूल्य सोमवार सुबह 172.9 अरब डॉलर था। अरनॉल्ट की संपत्ति में 48 फीसदी योगदान एलवीएमएच का है। फोर्ब्स के अनुसार लगभग 70 फैशन और ब्यूटी ब्रांड्स के समूह के मालिक हैं। एलन मस्क के लिए आर्थिक दृष्टि से यह साल खराब रहा है। उनकी संपत्ति के मूल्य में भारी गिरावट आई है। हाल ही उन्होंने 44 अरब डॉलर विश्व की अग्रणी माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर का अधिग्रहण किया है। इसके बाद उनकी कंपनियों के शेयर मूल्यों में गिरावट से उन्हें आर्थिक झटका लगा है। उनकी प्रमुख कंपनी टेस्ला के शेयर में इस वर्ष 50 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। मस्क ने ट्विटर के अधिग्रहण से पीछे हटने की भी कोशिश की, लेकिन कोर्ट के पचड़े के कारण उन्हें इसे खरीदना ही पड़ा।

पेटीएम 850 करोड़ के शेयर वापस खरीदेगी, एसबीआई ने एफडी पर 0.65 फीसदी तक बढ़ाया ब्याज

नई दिल्ली। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के बोर्ड ने 850 करोड़ रुपये के शेयर बायबैक को मंजूरी दे दी है। शेयरों की वापस खरीद ओपन मार्केट के जरिये होगी। कंपनी ने कहा कियह बायबैक 810 रुपये प्रति शेयर से अधिक की कीमत पर नहीं होगा। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद से कंपनी का यह पहला बायबैक ऑफर है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर 0.65 फीसदी तक ब्याज बढ़ा दिया है। बैंक ने वेबसाइट पर कहा, दो करोड़ तक के जमा पर एक से दो साल के एफडी पर 6.10 के बजाय 6.75 फीसदी ब्याज मिलेगा। नई दर 13 दिसंबर से लागू है। संशोधन के बाद अब 211 दिन से एक साल के जमा पर 5.75 फीसदी ब्याज मिलेगा। 22 अक्तूबर को बैंक ने एफडी पर 0.80 फीसदी तक ब्याज बढ़ाया था। टाटा मोटर्स जनवरी से वाणिज्यिक वाहनों के दाम दो फीसदी तक बढ़ाएगी। कीमतों में वृद्धि मॉडल और संस्करण के अनुसार होगी। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि वह बढ़ी हुई लागत का ज्यादातर भार खुद पर ले रही है।

22 लाख करोड़ बढ़ सकता है जीडीपी का आकार, राजकोषीय घाटा में भी 3.3 लाख करोड़ बढ़ेगा

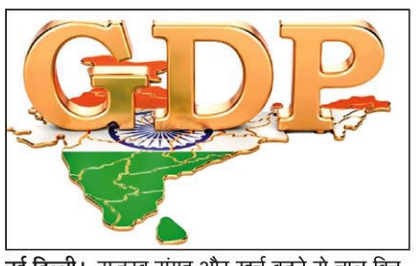

नई दिल्ली। राजस्व संग्रह और खर्च बढ़ने से चालू वित्त वर्ष में जीडीपी का आकार 22 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 275-280 लाख करोड़ हो सकता है। पहले सरकार का अनुमान 258 लाख करोड़ रुपये था। बैंक ऑफ बड़ौदा ने रिपोर्ट में कहा कि पहले कुल खर्च का अनुमान 39.45 लाख करोड़ था जो बढ़कर 42.7 लाख करोड़ रुपये हो सकता है। राजकोषीय घाटा 16.6 लाख करोड़ से बढ़कर 19.9 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा, जो बजट के अनुपात में 7-7.1 फीसदी के बीच होगा। केंद्र सरकार ने 4.36 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च की अनुमति मांगी है। इसमें से 1.11 लाख करोड़ रुपये ज्यादा राजस्व मिलने से पूरा किया जाएगा। इससे कुल शुद्ध खर्च 3.26 लाख करोड़ रुपये बढ़ेगा। विनिवेश से 40 हजार करोड़ मिल सकता है। बजट में लक्ष्य 65 हजार करोड़ का था। 1.11 लाख करोड़ जो राजस्व से ज्यादा प्राप्त होगा उसमें से 45,000 करोड़ रुपये ग्रामीण विकास मंत्रालय, 14 हजार करोड़ रक्षा मंत्रालय, 13 हजार करोड़ दूरसंचार मंत्रालय, 10 हजार करोड़ राजस्व विभाग और 19 हजार करोड़ रुपये सड़क एवं परिवहन मंत्रालय खर्च करेगा।

थोक महंगाई दर 21 महीनों के न्यूनतम स्तर पर, नवंबर महीने में 5.85प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से 14 दिसंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में भारत की थोक मुद्रास्फीति 21 महीने के निचले स्तर 5.85 प्रतिशत पर आ गई। 5.85 प्रतिशत पर, नवीनतम थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति का आंकड़ा दो महीने पहले की तुलना में 470 आधार अंक कम है। एक आधार अंक एक प्रतिशत अंक का सौवां हिस्सा होता है। मुद्रास्फीति अक्टूबर में 8.39 प्रतिशत और नवंबर 2021 में 14.87 प्रतिशत रही।

थोक मुद्रास्फीति में गिरावट की खबर खुदरा महंगाई दर के घटने की खबर के दो दिन बाद आई है। सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़ों में बताया गया था कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति नवंबर महीने में घटकर 5.88 प्रतिशत हो गई थी। कई महीनों के बाद पहली बार यह रिजर्व बैंक के टॉलरेंस बैंड (2-6 प्रतिशत) की ऊपरी सीमा से नीचे आई है।

फरवरी 2021 के बाद पहली बार थोक महंगाई खुदरा महंगाई दर से कम

फरवरी 2021 के बाद पहली बार थोक मुद्रास्फीति खुदरा मुद्रास्फीति से कम रही है। उस समय थोक मुद्रास्फीति 4.83 प्रतिशत और खुदरा मुद्रास्फीति 5.03 प्रतिशत थी। नवंबर में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में तेज गिरावट का कारण डब्ल्यूपीआई टोकरी के तीन प्रमुख कमोडिटी समूहों में से दो की कीमतों में क्रमिक रूप से गिरना था। नवंबर में महीने में खाद्य मुद्रास्फीति 22 महीने के निचले स्तर 2.17 प्रतिशत पर आ गई। यह अक्तूबर महीने के 6.48 प्रतिशत का लगभग एक तिहाई रह गया है। मासिक आधार पर इसमें 1.8 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके अलावे निर्माण क्षेत्र के उत्पादों के मामले में थोक महंगाई दर 4.42 प्रतिशत से घटकर 3.59 प्रतिशत पर आ गई है। अक्तूबर महीने की तुलना में इसमें 0.3 प्रतिशत की नरमी आई है।

ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की थोक महंगाई में भी बड़ी राहत

निर्माण क्षेत्र के उत्पादों की महंगाई में नरमी अहम है क्योंकि डब्ल्यूपीआई बास्केट में इसकी हिस्सेदारी लगभग दो तिहाई है। ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की थोक महंगाई में बड़ी गिरावट आई दर्ज की गई है। यह अक्तूबर महीने की 23.17 की तुलना में फिसलकर 17.35 अंकों पर पहुंच गई है। क्रमिक आधार पर इस सूचकांक में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। डब्ल्यूपीआई के ऑल कॉमोडिटी सेगमेंट में नवंबर महीने में 0.3 महीने की गिरावट दर्ज की गई है। खुदरा महंगाई दर और थोक महंगाई दर में आई इस गिरावट का पॉलिसी निर्धारकों का समर्थन मिलेगा। आरबीआई ने रेपो रेट में 225 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी के साथ इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया है।

अक्तूबर महीने से पहले लगातार 18 महीने दहाई अंकों में थी थोक महंगाई दर बता दें कि अक्तूबर महीने में थोक मुद्रास्फीति 8.39 प्रतिशत तक गिरने से पहले 18 महीने दहाई अंकों में रही थी। सीपीआई मुद्रास्फीति लगातार 38 महीनों के लिए 4 प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य से ऊपर रहा। केंद्रीय बैंक खुदरा महंगाई दर लगातार तीन तिमाहियों के दौरान 2 से 6 प्रतिशत की सहिष्णुता सीमा के भीतर रखने में असफल रहा था। ऐसे में महंगाई के ताजा आंकड़े राहत देने वाले हो सकते हैं। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 6-8 फरवरी को होने वाली है। अर्थशास्त्रियों की राय है कि दर सेटिंग पैनल इस दौरान रेपो रेट में फिलहाल अंतिम वृद्धि का फैसला कर सकता है।

एडीबी ने 2022-23 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान में नहीं किया परिवर्तन, 7प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा

नई दिल्ली।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 2022-23 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को सात फीसदी पर अपरिवतर्तित रखा है। हालांकि उनकी ओर से बताया गया है कि इस दौरान एशिया की वृद्धि की रफ्तार पहले के मुकाबले कुछ हद तक कमजोर पड़ सकती है।

एडीबी ने 2022-23 (अप्रैल 2022 से मार्च 2023) के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि सात फीसदी रहने का जो अनुमान जताया है, सितंबर महीने में भी एडीबी की ओर से सात फीसदी वृद्धि का ही अनुमान जताया गया था। इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। हालांकि 2021-22 में देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि 8.7 फीसदी रही थी। उसने वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए भी जीडीपी वृद्धि के अनुमान को 7.2 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा है। एडीबी ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस वर्ष एशिया 4.2 फीसदी की दर से बढ़ेगा, 2023 में उसकी वृद्धि 4.6 फीसदी की दर से होने का अनुमान है। हालांकि पहले उसने इस वर्ष एशिया की वृद्धि दर 4.3 फीसदी और 2023 में 4.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। रिपोर्ट में कहा गया, ''वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के 7 फीसदी की दर से वृद्धि करने का अनुमान है जिसकी वजह उसकी मजबूत घरेलू बुनियाद है।'' इसमें आगे कहा गया, ''उच्च आवृत्ति वाले कुछ हालिया संकेतक अनुमान से कहीं अधिक अनुकूल हैं मसलन उपभोक्ताओं का विश्वास, बिजली आपूर्ति, पीएमआई जबकि कुछ ऐसे संकेतक हैं जो पूरी तरह से अनुकूल नहीं हैं वे हैं निर्यात विशेषकर कपड़ा और लौह अयस्क का तथा उपभोक्ता उत्पादों का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक। इसमें कहा गया कि 2023-24 के लिए 7.2 फीसदी के वृद्धि के अनुमान को बरकरार रखने की वजह संरचनात्मक सुधार और निजी निवेश को उत्प्रेरित करने वाले सार्वजनिक निवेश के सकारात्मक प्रभाव हैं।'' एडीबी ने कहा, ''भारत में दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) के बीच अर्थव्यवस्था 6.3 फीसदी की दर से बढ़ी है, जो सार्वजनिक खपत में 4.4 फीसदी का संकुचन दर्शाता है। जबकि वैश्विक स्तर पर नरमी के बावजूद निर्यात 11.5 फीसदी की दर से बढ़ा।

वित्त मंत्री ने कहा- सरकार महंगाई को और कम करेगी, आवश्यक वस्तुओं के दामों पर सरकार की नजर

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को लोकसभा को आश्वासन दिया कि सरकार महंगाई को और कम करने के लिए कमद उठाएगी। नवंबर में खुदरा महंगाई 6.77 से घटकर पिछले 11 महीने के निचले स्तर 5.8 फीसदी पर आ गई। सीतारमण ने लोकसभा चर्चा पर जवाब देते हुए कहा कि आम लोगों के लिए महंगाई को और कम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमतों की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है। उन्होंने यह भी साफ किया कि मंदी का कोई खतरा नहीं है, क्योंकि भारत कम महंगाई के स्तर के साथ तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। राजकोषीय घाटे को लेकर वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार चालू वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद के 6.4 फीसदी के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा कि सरकार राजकोषीय समेकन (फिस्कल कंसोलिडेशन) के मार्ग पर प्रतिबद्ध है। एनपीए (नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स) को लेकर सीतारमण ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न

कदमों के कारण मार्च 2022 के अंत में यह 7.28 फीसदी तक गिर गया है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की लगातार गिरती कीमत को लेकर वित्त मंत्री ने कहा कि घरेलू इकाई अन्य सभी मुद्राओं के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अन्य मुद्राओं की तुलना में ग्रीनबैंक के मुताबले गिरावट कम है। वित्त मंत्री ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दुनिया में सबसे अधिक है। उन्होंने इस बात का भी संकेत दिया कि आगामी बजट सत्र में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एक बार और अनुदान की अनुपूरक मांगों को पेश किया जा सकता है।

मेरे ट्विटर सहयोगियों पर मौजूदा हमले हो सकते हैं खतरनाक : जैक डोर्सी

नई दिल्ली। ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी ने एलन मस्क के खुलेआम हमले से गुजर रहे अपने सहयोगियों के पूर्ण समर्थन में कहा है कि मेरे पूर्व सहयोगियों पर मौजूदा हमले खतरनाक हो सकते हैं और कुछ भी हल नहीं करते हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर प्रतिबंध लगाने पर, डोर्सी ने कहा कि उनका मानना है कि कोई बुरी मंशा या छिपा हुआ एजेंडा नहीं था और सभी ने उस समय की सबसे बेहतर जानकारी के अनुसार काम किया। मस्क द्वारा पेश की गई ट्विटर फाइल्स ने ट्रम्प पर प्रतिबंध लगाने के साथ मंच पर हंटर बाइडेन के लैपटॉप कहानी को दबाने में कंपनी में कानूनी, नीति और विश्वास के पूर्व भारतीय मूल के पूर्व प्रमुख विजया गड्डे को फंसाया।

फेड के फैसले से पहले हरे निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 144 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

नई दिल्ली।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार के दिन उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 144.61 अंकों की बढ़त के साथ 62677.91 अंकों पर जबकि निफ्टी 52.30 अंकों की बढ़त के साथ 18660.30 अंकों पर बंद हुआ। फेड की ओर से ब्याज दरों पर फैसले के दिन बाजार में मजबूती दिखी। बुधवार के कारोबारी सेशन में वोडाफोन आइडिया के शेयरों में 10 प्रतिशत का उछाल आया जबकि यस बैंक के शेयर 8प्रतिशत तक टूटे हैं। बुधवार के कारोबारी सेशन में बैंक

निफ्टी पहली बार 44 हजार के पार पहुंचा और क्लोज भी हुआ। यह 102 अंकों की तेजी के साथ 44049 के लेवल पर बंद हुआ। बुधवार के ट्रेडिंग सेशन में यह 44151 के ऑल टाइम हाई पर भी पहुंचा। बुधवार के दिन घरेलू शेयर बाजार में मेटल, आईटी, मीडिया और रियल्टी इंडेक्स में बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 शेयर हरे निशान पर कारोबार करते हुए बंद हुए। 9 शेयर लाल निशान पर बंद हुए।

सूचना प्रौद्योगिकी और मेटल सेक्टर के शेयरों की मजबूती से बाजार बुधवार को हरे निशान पर बंद हुए। अमेरिकी मुद्रास्फीति के नरम आंकड़ों ने बाजार पर दबाव घटाने का काम किया। उम्मीद कि इससे फेड की ब्याज दर बढ़ाने की नीति भी प्रभावित होगी। बुधवार के दिन निफ्टी 50 इंडेक्स 0.28प्रतिशत बढ़कर 18,660.30 पर और एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.23प्रतिशत बढ़कर 62,677.91 पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के दौरान दोनों इंडेक्स 0.5प्रतिशत चढ़े थे। बता दें कि भारत की खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी 10 महीनों में पहली बार भारतीय रिज़र्व बैंक की लक्ष्य सीमा के भीतर आ गया है।

केंद्रीय कर्मचारियों के अरमानों पर फिरा पानी

सरकार ने 18 महीने का बकाया डीए एरियर देने से इंकार किया

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को झटका दिया है। दरअसल केंद्रीय कर्मचारियों को कोरोनाकाल के 18 महीने का बकाया डीए और डीआर नहीं मिलेगा। सरकार ने मंगलवार को साफ किया कि 18 महीने के बकाया महंगाई भत्ते के एरियर को जारी करना व्यावहारिक नहीं है। कोरोना काल में केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत पर रोक लगा दी गई थी। मौजूदा समय में केंद्र सरकार के अधीन करीब 52 लाख कर्मचारी और 60 लाख पेंशनर शामिल हैं।

यहां समझें क्या है मामला - केंद्र सरकार कोविड-19 के कारण 1 जनवरी 2020 से डीए की तीन किस्त (1 जनवरी 2020, 1 जुलाई 2020, 1 जनवरी 2021) पर रोक लगी थी। इसके बाद सरकार ने जुलाई 2021 में डीए को बहाल कर दिया था, लेकिन तीन किस्तों का डीए बकाया

ही रहा। सरकार ने 1 जुलाई 2021 से महंगाई भत्ते में 11प्रतिशत का इजाफा किया था। इसके बाद जुलाई 2021 से महंगाई भत्ता 17प्रतिशत से बढ़कर 28प्रतिशत पहुंच गया। ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को 1 जनवरी 2020 से 30 जून 2021 तक 18 महीने के डीए के भुगतान की उम्मीद थी। चूंकि ये बढ़ोतरी बाद में की गई ऐसे में कर्मचारियों को इसके एरियर मिलना था, लेकिन अब सरकार ने इसके लिए मना कर दिया है।

क्या होता है महंगाई भत्ता - महंगाई भत्ता ऐसा पैसा है जो महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों के जीवन स्तर को बनाये रखने के लिये दिया जाता है। यह पैसा सरकारी कर्मचारियों, पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों और पेंशनधारकों को दिया जाता है। इसका कैलकुलेशन देश की मौजूदा महंगाई के अनुसार हर 6 महीने पर किया जाता है। इसकी गणना संबंधित वेतनमान के आधार पर कर्मचारियों के मूल वेतन के अनुसार की जाती है। महंगाई भत्ता शहरी, अर्ध-शहरी या ग्रामीण क्षेत्र के कर्मचारियों का अलग-अलग हो सकता है।

महंगाई भत्ते का कैलकुलेशन कैसे होता है - महंगाई भत्ता निर्धारण के लिए एक फॉर्मूला दिया गया है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए ये फॉर्मूला है [(पिछले 12 महीने के ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स का औसत - 115.76)/115.76]म100 । अब अगर (पब्लिक सेक्टर यूनिट्स) में काम करने वाले लोगों के महंगाई भत्ते की बात की जाए तो इसके कैलकुलेशन का तरीका यह है- महंगाई भत्ता प्रतिशत= (बीते 3 महीनों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का औसत (बेस ईयर 2001=100)-126.33))×100

ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स क्या है - भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरा थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं।

डीए के बाद कैसे बदलती है सैलरी - इसके लिए नीचे लिखे फॉर्मूला में अपनी सैलरी भरें..(बेसिक पे + ग्रेड पे) म डीए प्रतिशत = डीए अमाउंट आसान भाषा में समझें तो बेसिक सैलरी में ग्रेड सैलरी को जोड़ने के बाद जो सैलरी बनती है, उसमे महंगाई भत्ते की दर का गुणा किया जाता है। जो नतीजा आता है, उसे ही महंगाई भत्ता यानी डेअरनेस अलाउंस कहा जाता है। अब इसे एक उदाहरण से समझते हैं, मान लीजिए आपकी बेसिक सैलरी 10 हजार रुपए और ग्रेड पे 1000 रुपए है।

54 हजार के पार निकला सोना: चांदी 68 हजार पर पहुंची

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमत में शानदार तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 14 दिसंबर को सर्राफा बाजार में सोना 432 रुपए महंगा होकर 54,462 रुपए पर पहुंच गया है। अगर चांदी की बात करें तो ये 68 हजार पर पहुंच गई है। सर्राफा बाजार में ये 815 रुपए महंगी होकर 67,976 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। दिसंबर में अब तक ये 4 हजार रुपए से ज्यादा महंगी हो चुकी है। अगले साल 61,000 तक पहुंचने के आसार केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा कि 22 जनवरी से चीन में नए साल का जश्न शुरू हो रहा है। इस दौरान वहां सोने की सबसे ज्यादा खरीदारी होती है। इसके अलावा दुनियाभर के सेंट्रल बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं। इसके चलते सोने में तेजी जारी रहने की संभावना है।

बेटी शोरा के साथ एयरपोर्ट पर नजर आए नवाजुद्दीन

-फिल्म का पोस्टर देख रोने लगीं बेटी

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी बेटी शोरा के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए। पहली बार अपनी नन्ही परी शोरा के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर पेपराजी ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी को घेर लिया। इसके बाद नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भी शोरा के साथ तस्वीरें खिंचाई और पोज दिए। नवाज की बेटी शोरा करीब 13 साल की हैं और दुबई में रहती हैं। नवाज का अपनी बेटी के लिए प्यार किसी से छिपा नहीं है। बीते दिनों एक लंबे इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने अपनी बेटी से जुड़ा एक रोचक किस्सा शेयर किया था। अपनी अपकमिंग फिल्म हड्डी को लेकर एक रोचक किस्सा शेयर किया था। जब नवाजुद्दीन से उनकी फिल्म हड्डी के पोस्ट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया ह्यमेरी बेटी शोरा दुबई में रहती है। उससे मेरी फिल्मों को लेकर भी काफी बातचीत रहती है। जब हड्डी फिल्म का पोस्ट रिलीज हुआ तो शोरा ने भी देखा। शोरा ने जब मेरी फिल्म हड्डी का पोस्टर देखा तो वो रोने लगी।ह्न फिल्म हड्डी में नवाजुद्दीन एक ट्रांसजेडर का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का पोस्ट बीते कुछ महीने पहले ही रिलीज हुआ है। इस फिल्म के लुक को लेकर नवाज काफी चचाओं में भी रहे हैं।नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी बेटी शोरा के काफी करीब हैं। दोनों पिता-पुत्री में अच्छा बॉन्ड देखने को मिलता है। रविवार को नवाजुद्दीन अपनी बेटी को लेने एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान दोनों की जुगलबंदी साफ नजर आई। नवाजुद्दीन आखिरी बार फिल्म ह-ीरोपंती-2 में नजर आए थे। अब नवाज की फिल्म हड्डी अगले साल रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का लुक भी काफी चर्चा में बना हुआ है। नवाजुद्दीन की यह फिल्म अगले साल यानी 2023 में रिलीज होगी। मालूम हो कि अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। कई सालों तक मुंबई में संघर्ष के बाद सफलता की अमिट कहानी लिखने वाले नवाज अंतुमुर्खी नजर आते हैं। सार्वजनिक जगहों पर असल किरदार में एक्टिंग दिखाने वाले बेहद टेलेंटेड नवाज का असल चेहरा किसी लंबे और सुकून भरे इंटरव्यू देखा जा सकता है। बॉलीवुड के एक जहीन कलाकार और चेतना से भरे नवाज फिल्मों में पहचान बनाने से पहले रणवीर सिंह जैसे सितारों को भी एक्टिंग सिखा चुके हैं।

कांतारा ने सिनेमाई इतिहास में ला दिया बवंडर

- 400 करोड़ की कुल कमाई का आंकड़ा पार

मुंबई (ईएमएस)। कन्नड़ फिल्म कांतारा ने भारत के सिनेमाई इतिहास में भी बवंडर ला दिया। महज 16 करोड़ रुपये के बजट से बनी इस फिल्म ने धमाकेदार कमाई करते हुए 400 करोड़ रुपये की कुल कमाई का आंकड़ा पार कर लिया। इसके बाद से ही फिल्म के बिजनेस ने निमार्ताओं के भी होश उड़ा दिए हैं। हाल ही में निर्देशक राजामौली उनकी फिल्म आरआरआर के लिए विदेशों में कई पुरस्कारों से नवाजा गया है। कांतारा की सफलता पर हाल ही में बाहुबली फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली ने भी खुलकर बात की है। निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली भी एक ऐसी ही फिल्म थी जो भारतीय सिनेमा के इतिहास में बड़ा बदलाव लाने में सफल हुई। बाहुबली के बाद फिल्म कथानक में जहां बिफोर एंड आफ्टर का चलन बढ़ा। वहीं दर्शकों को भी लार्जर दैन लाइफ जैसी फिल्में सिल्वर स्क्रीन पर देखने को मिली। इसके बाद से ही कंटेट इज किंग जैसी बातों का वजन बढऩे लगा है। अब कांतारा की सफलता पर बात करते हुए फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली ने हाल ही में कहा कि ये फिल्म ऐसी थी जो दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाती है। ये आपको एक फिल्ममेकर के तौर पर भी सोचने के लिए मजबूर करती है। आपको थोड़ा पीछे जाकर देखना पड़ता है कि क्या जो आप कर रहे हैं वो सही है या फिर गलत। इतना ही नहीं फिल्ममेकर ने कहा कि ऐसी फिल्में आपको चौकन्ना कर देती हैं। दिलचस्प बात ये है कि निर्देशक एसएस राजामौली के साथ उस वक्त मलयालम फिल्ममेकर पृथ्वीराज सुकुमारन भी मौजूद थे। पृथ्वीराज सुकुमारन इस इंटरव्यू के दौरान बताते हैं कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में भी बिग बजट की मूवीज नहीं बनती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्में आपको हैरान करती हैं जो कम बजट की थीं मगर थियेटर्स पर शानदार कमाई करती हैं। मालूम हो कि कन्नड़ सिनेमा की 16 करोड़ के सामान्य से बजट में बनी फिल्म कांतारा ने भारतीय सिनेमा को विश्व भर में एक बार फिर से चर्चित कर दिया है। विश्व सिनेमा में इन दिनों भारतीय फिल्में अपनी जबरदस्त पहचान बना रही हैं। कन्नड़ फिल्म कांतारा ने भी कुछ ऐसा काम किया। कांतारा ने देश भर में धमाकेदार कमाई की।

रकुल प्रीत सिंह का खुलासा

इंडियन 2 में कमल हासन के साथ स्क्रीन शेयर कर रहीं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने कहा मुझे आपको हिंदुस्तानी की तरह बताना होगा इस फिल्म में उनके पास प्रोस्थेटिक्स भी है। वह एक 90 साल के बुजुर्ग का किरदार निभा रहे हैं इस फिल्म में। प्रोस्थेटिक मेकअप में चार से पांच घंटे लगते हैं। और इसीलिए अभिनेता सुबह 5 बजे पहुंच जाते हैं ताकि वह सुबह 10 बजे तक सेट पर तैयार रहें। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि अनुभवी अभिनेता भारतीय सिनेमा का एक बड़ा हिस्सा रहे हैं और उनसे बेहतर परिदृश्य को कोई नहीं जानता है प्रोस्थेटिक मेकअप हटाने में दो घंटे लगते हैं और चेन्नई में बहुत गर्मी है लेकिन उन्हें परवाह नहीं है। मुझे लगता है कि यह एक अलग पीढ़ी है। मुझे लगता है कि 100 वर्षों में वह 60 से अधिक वर्षों के लिए सिनेमा का हिस्सा रहे हैं। 75 प्रतिशत से अधिक समय से वह अस्तित्व में हैं वह सिनेमा का हिस्सा रहे हैं। सिनेमा को उनसे बेहतर कोई नहीं जानता।

दीपिका को ग्लैमरस अवतार में पेश करना चाहते थे मेकर्स

मेकर्स दीपिका को उनके अब तक के सबसे ग्लैमरस अवतार में पेश करना चाहते थे। यह कहना है पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद का। सिद्धार्थ ने कहा दीपिका एक शानदार अदाकारा होने के अलावा हमारे देश की सबसे हॉट अभिनेत्री भी हैं। फिल्म में चरित्र के लिए उन्हें कास्ट करना उतना ही जैविक था जितना कि यह मिल सकता था। वह आसानी से कमजोर और फिर भी बहुत बहुत सेक्सी हो सकती है। तो जब आप फिल्म में उसे लेते हैं तो आपको उसे इस तरह से पेश करना होता है जो उस-के साथ पूरा न्याय करे। बेशरम रंग के लिए जब वह यूरोप के एक आश्चर्यजनक तटीय शहर में शाहरुख खान के साथ नृत्य कर रही हैं हमने फैसला किया कि स्क्रीन पर दीपिका कितनी हॉट दिख सकती हैं और जब आप इस अद्भुत गीत को देखेंगे तो इसका परिणाम सामने आ जाएगा।उन्होंने आगे कहा मैं उन्हें उनके अब तक के सबसे ग्लैमरस अवतार में पेश करना चाहता था। यह टीम और मेरे लिए एक मिशन बन गया।

करण कुंद्रा ने इंडस्ट्री में पूरे किए 14 साल

करण कुंद्रा ने इंडस्ट्री में 14 साल पूरे कर लिए हैं। जब हिंदी मल्टीमीडिया की बात आती है तो अभिनेता और रियलिटी शो स्टार काफी आगे नजर आते हैं। कितनी मोहब्बत है में दिल चुराने से लेकर रियलिटी टीवी स्टार बनने से लेकर फिल्मों में अभिनय करने तक करण कुंद्रा ने वास्तव में यह सब किया है। उनके शानदार अभिनय और उनकी चुलबुली और खुली वास्तविकता प्रेजेंस ने उन्हें एक घरेलू नाम बना दिया है। इंडस्ट्री में अपने वर्षों के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा ऐसा लगता है जैसे कल ही मैं कितनी मोहब्बत है के सेट पर चल रहा था और 14 साल हो गए हैं। यह इतनी दिलचस्प और पूरी यात्रा रही है। मुझे लगता है कि मैं भाग्यशाली हूं और मैंने बहुत कुछ सीखा है और मुझे मिले प्यार और अपने प्रशंसकों और उनकी वफादारी के लिए मैं बहुत आभारी हूं। यह वास्तव में मेरे लिए काफी मायने रखता है। करण कुंद्रा ने 2022 में एक होस्ट होने के साथ व्यस्त म्युजिक वीडियो और बहुत कुछ किया। यह उम्मीद है कि 2023 इस अभिनेता के लिए अधिक से अधिक अवसर लेकर आएगा।

दीपिका-शाहरुख की कैमिस्ट्री का है अलग मजा

-फिल्म पठान का जारी हुआ पहला गीत बेशरम रंग

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड स्टार शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण एक बार फिर अपनी कैमिस्ट्री से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने आ रहे हैं। आगामी वर्ष 25 जनवरी को प्रदर्शित होने वाली उनकी फिल्म पठान के आज जारी हुए पहले गीत बेशरम रंग ने एक बार फिर इस बात को सही साबित किया है कि इन दोनों सितारों की परदे पर कैमिस्ट्री देखने का एक अलग मजा है। जब से शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्टारर पठान का पहला गाना बेशर्म रंग सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है तब से दोनों के प्रशंसक ट्रैक के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं और अब आ-खरकार यह आ गया है। इस गीत में दीपिका समुद्र के किनारे शाहरुख के साथ रोमांस करती दिखाई दे रही हैं। इस गीत को शिल्पा राव विशाल-शेखर और कैरालिसा मोंटेरियो ने गाया है। वहीं इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। गौरतलब है कि पठान 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। इसे हिंदी तमिल तेलुगू में प्रदर्शित किया जाएगा। इस फिल्म में शाहरुख और दीपिका के साथ-साथ जॉन अब्राहम भी लीड रोल में नजर आएंगे।

धूम के बाद यह पहला मौका होगा जब जॉन अब्राहम आदित्य चोपड़ा निर्मित किसी फिल्म में काम कर रहे हैं। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद ने निर्देशित किया है जो इससे पहले यशराज बैनर के लिए वॉर दे चुके हैं। शाहरुख खान आखिरी बार चार साल पहले 2018 में फिल्म जीरो में नजर आए थे। जीरो उन्हीं के बैनर रैड चिलीज के तले बनी थी जिसका निर्देशन आनन्द एल राय ने किया था। इस बीच शाहरुख ब्रह्मास्त्र और रॉकेट्री द नाम्बियार इम्पैक्ट जैसी फिल्मों में कैमियो में दिखाई दे चुके हैं।

दोबारा एंट्री के बाद शालिन से भिड़ी टीना

रियलिटी शो बिग बॉस 16 के नए एपिसोड में घर से बेघर हुईं टीना दत्ता ने घर में दोबारा एंट्री की है। टीना के घर से जानें के बाद शालीन को सह-गृहिणी प्रियंका चौधरी के साथ नृत्य करते देखा गया। बाद में उन्हें प्रतियोगी श्रीजिता डे से बात करते हुए देखा गया कि वह टीना को कभी पसंद नहीं करते थे। शालिन ने कहा टीना को मैं कभी पसंद नहीं करता था चिकन की वजह से ही मैं उसे पसंद करता था। मुझे तो बस अपने खाने की चिंता रहती थी और वो करती थी इसलिए अभी मुझे बस यही कमी खल रही है क्योंकि कौन बनाएगा अब मेरे लिए चिकन? मैं घर से बाहर जाने के बाद उस लड़की से बात भी नहीं करूंगा क्योंकि वहां मेरा अपना रेस्टोरेंट होगा। इसके कुछ देर बाद टीना ने घर में दोबारा प्रवेश किया जिससे शालिन चौंक गए। घर में वापस आते ही टीना ने कहा मैं वापस आ गई हूं! जब मैं घर से बाहर निकली तो आप घर में डांस कर रहे थे। अगर तुम अपने दोस्त के नहीं हो सकते तो किसी के नहीं हो सकते। मैं तुम पर विश्वास नहीं कर सकती शालिन भनोट।

शहनाज ने चुलबुले अंदाज से सभी को किया क्रेजी

- विक्की कौशल का मजेदार गिद्दा वायरल

नई दिल्ली (ईएमएस)। रियलिटी शो चैट शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल के हालिया एपिसोड में एक्टर विक्की कौशल उनके शो में गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो एक बार फिर से शहनाज ने अपने चुलबुले अंदाज से सभी का क्रेजी कर दी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल सुपर मजेदार वीडियो में विक्की और शहनाज को गिद्दा करते देखा जा सकते हैं। वीडियो में शहनाज ढोल की थाप पर नाचते हुए उरी अभिनेता की तारीफ भी कर रही है। वह विक्की से कहती है विक्की बॉटलन शराब दीयां अखन तेरियांय फिर यह जोड़ी ढोल की थिरकती बीट्स पर डांस कर रही है और अपने फैंस को रोमांचित कर रही है। दोनों के इस केमिस्ट्री को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें इससे पहले शहनाज गिल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था। जिसमें शहनाज ने विक्की के साथ एक गेम खेला जिसमें शर्त थी की पहले पलक झपकाने वाला आउट हो जाएगा। दोनों ने इस गेम के दो राउंड खेले जिसके फर्स्ट राउंड में विक्की पलक झपका कर आउट हो गए तो वहीं दूसरे राउंड में शहनाज पलक झपका कर आउट हो गईं। गेम की शुरूआत में शहनाज ने मस्ती भरे अंदाज में कैमरामैन को कहा कि जब हम एक-दूसरे की आंख में देखें तो क्लोज-अप ले लेना। मजेदार वीडियो को शेयर करते हुए शहनाज गिल ने लिखा इतना हैंडसम मुंडा हो सामने तो कोई भी खो जाए खेल तो बस बहाना था। कल सुबह 11:11 बजे मेरे शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल में सबसे हैंडसम विक्की कौशल को लाइव और अनफिल्टर्ड देखें। काम की बात करें तो विक्की कौशल फिलहाल अपनी ओटीटी फिल्म गोविंदा नाम मेरा की रिलीज के लिए कमर कस रहे हैं। शशांक खेतान द्वारा लिखित और निर्देशित गोविंदा नाम मेरा एक कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है जिसमें भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 16 दिसंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है। जहां विक्की फिल्म में एक बैकग्राउंड डांसर गोविंदा वाघमारे की भूमिका निभाते हैं वहीं कियारा उनकी प्रेमिकाऔर भूमि उनकी पत्नी की भूमिका निभाती हुई देखी जाएंगी। वहीं शहनाज अपने म्यूजिक वीडियो गनी सयानी के लिए भी प्रशंसा बटोर रही हैं जिसमें एमसी स्क्वायर भी है। मालूम हो कि बिग बॉस के 13 से पॉपुलर हुईं शहनाज गिल अक्सर किसी न किसी वजह से खबरों में छाई रहती हैं। हालांकि वह इस बार वह अपने रियलिटी शो चैट शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल को लेकर लाइमलाइट में है।

हरनाज कौर संधू ने ताजा की मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता की यादें

भारत की बेटी हरनाज कौर संधू को मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता जीते हुए एक साल पूरा हो गया है। ऐसे में हरनाज ने इस प्रतियोगिता से जुड़ी यादें ताजा करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें इस प्रतियोगिता की कई झलकियां शामिल हैं। इस वीडियो को साझा करते हुए हरनाज ने लिखा- 'मंच पर रहते हुए मैंने हर पल प्रार्थना की कि मैं अपने देश को गौरान्वित कर सकूं। जब भी मैं इन मेमोरीज को याद करती हूं तो पीछे मुड़कर नहीं देखती बल्कि मैं और बहुत कुछ करने के लिए तत्पर हूं। आप सभी के प्यार और समर्थन के बिना अपने सपनों को पूरा नहीं कर सकती थी। उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया है और सपोर्ट किया है। मैं आज और हमेशा के लिए आभारी हूं। अभी और भी बहुत कुछ आना बाकी है और ये आसान नहीं होने वाला है लेकिन अभी के लिए।ह्न थैंक यू यूनिवर्सह्न। 70वां मिस यूनिवर्स पेजेंट 12 दिसंबर,2021 को इजराइल में आयोजित हुआ था, जिसमें भारत की बेटी हरनाज कौर संधू ने साउथ अफ्रीका और परागवे को पीछे छोड़ते हुए मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम किया था।

इस प्रतियोगिता के फाइनल में टॉप तीनों प्रतियोगियों से सवाल पूछा गया था कि आप दबाव का सामना कर रहीं महिलाओं को क्या सलाह देंगी? इस पर हरनाज कौर संधू ने जवाब दिया, आपको यह मानना होगा कि आप अद्वितीय हैं और यही आपको खूबसूरत बनाती है। आगे आएं, अपने लिए बोलना सीखें क्योंकि आप अपने जीवन की लीडर हैं। हरनाज के जवाब ने हर किसी का दिल जीत लिया। इसी के साथ हरनाज मिस यूनिवर्स 2021 बन गईं। हरनाज के जरिये भारत ने मिस यूनिवर्स का ताज तीसरी बार जीता। इससे पहले साल 1994 में सुष्मिता सेन और 2000 में लारा दत्ता ने खिताब जीता था।

सामने आई फिल्म 'सेल्फी' की रिलीज डेट, अतरंगी अवतार में नजर आए अक्की

अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की आगामी फिल्म 'सेल्फी' चर्चा में है। प्यार ,रोमांस और रहस्य से भरपूर इस फिल्म के जरिये अक्षय और इमरान पहली बार स्क्रीन स-ाझा करेंगे। वहीं फिल्म में फीमेल लीड में नुसरत भरुचा और डायना पेंटी नजर आयेंगी। मंगलवार को इस फिल्म से जुड़ी एक लेटेस्ट अपडेट सामने आई है, जिसमे फिल्म के लीड एक्टर अक्षय कुमार ने फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा किया है। अक्षय कुमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेल्फी से अपना लुक शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठाया है। शेयर की गई तस्वीर में अक्षय कुमार बिल्कुल अतरंगी अवतार में नजर आ रहे हैं। ट्रैक पैंट के साथ शर्टलेस अक्षय ने ऊपर से रंग-बिरंगी फरवाली जैकेट कैरी की है और कार के ऊपर चढ़कर बैठे हुए दिख रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा-'गर्मी, नमी और फॉक्स फर...सब चलेगा. बस काम कर, काम कर...सेल्फी के लिए नए गाने की शूटिंग कर रहा हूं। आपसे 24 फरवरी को सिनेमा घरों में मिलता हूं।' फिल्म 'सेल्फी' मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस की हिंदी रीमेक होगी। ड्रा-इविंग लाइसेंस की कहानी एक पुलिस वाले और सुपरस्टार पर आधारित है। पुलिस वाला स्टार का प्रशंसक होता है, लेकिन जब स्टार पुलिस वाले और उसके प-रिवार के साथ तस्वीर लेने से इंकार करता है, तो दोनों आपस में भिड़ जाते हैं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी।फिल्म के हिंदी रीमेक सेल्फी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है और इसका निर्देशन राज मेहता कर रहे हैं। यह फिल्म 24 फरवरी,2023 को रिलीज होगी।

अर्जुन तेंदुलकर ने किया पिता सचिन जैसा कमाल : रणजी डेब्यू में शतक जमाया, सचिन ने 34 साल पहले किया था कारनामा

नई दिल्ली।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने बुधवार को अपने डेब्यू रणजी मैच में शतक लगाया। उनके साथी बल्लेबाज सुयश प्रभु देसाई ने भी शतक लगाया, लेकिन अर्जुन का शतक खास बन गया। 34 साल पहले 1988 में पिता सचिन ने भी रणजी डेब्यू किया था। तब उन्होंने भी शतक लगाया था और महीना भी दिसंबर का ही था। पिता के कारनामे को बेटे ने दोहरा दिया। अर्जुन ने रणजी में राजस्थान के खिलाफ डेब्यू किया। 120 रन बनाए। 16 चौके और 2 छक्के लगाए। उन्होंने ये कारनामा दो बार की रणजी चैंपियन राजस्थान के खिलाफ दिखाया। उस टीम में कमलेश नागरकोटी और महिपाल लोमरोर जैसे स्टार गेंदबाज हैं। अर्जुन का विकेट भी नागरकोटी ने लिया। अर्जुन ने सुयश प्रभु के साथ छठे विकेट के लिए 221 रन की साझेदारी की। सचिन ने 11 दिसंबर 1988 को मुंबई की ओर से गुजरात के खिलाफ अपना पहला रणजी मैच खेला था। तब वह 15 साल के थे। उन्होंने 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। तब सचिन फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे कम उम्र में शतक जमाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने थे। सचिन ने बाद में दलीप ट्रॉफी और ईरानी ट्रॉफी में भी डेब्यू मैच में शतक जमाया था।

अर्जुन तेंदुलकर ऑलराउंडर हैं। वह तेज गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी भी करते हैं। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं। उन्हें अब तक डेब्यू का मौका नहीं मिला है। वहीं उन्होंने अब तक खेले 9 टी-20 मैचों में 12 विकेट लिए हैं। 10 रन पर 4 विकेट उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा है। वो लिस्ट ए क्रिकेट में 7 मैचों में 8 विकेट ले चुके हैं। लिस्ट ए में 32 रन पर 2 विकेट उनका बेस्ट प्रदर्शन है। रणजी में गोवा और राजस्थान मैच के स्टैट्स रणजी में गोवा और राजस्थान मैच के स्टैट्स राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी। गोवा पहले दिन 5 विकेट पर 210 रन बनाए। छठा विकेट 422 रन पर गिरा।

अर्जुन तेंदुलकर (120)और सुयश प्रभुदेसाई(186*) के बीच 221 रन की साझेदारी।

राजस्थान की ओर से एवी चौधरी और कमलेश नागकर कोटी को दो-दो विकेट

राजस्थान की टीम दो बार की रणजी चैंपियन - अर्जुन तेंदुलकर ने किसी हल्की टीम के खिलाफ यह कारनामा नहीं किया है। राजस्थान की टीम दो बार की रणजी चैंपियन हैं। वहीं टीम में कमलेश नागरकोटी महिपाल लोमरोर जैसे आईपीएल स्टार गेंदबाज हैं।

न्यूज ब्रीफ

सुनील नारायण अबु धाबी नाईट राइडर्स के कप्तान नियुक्त

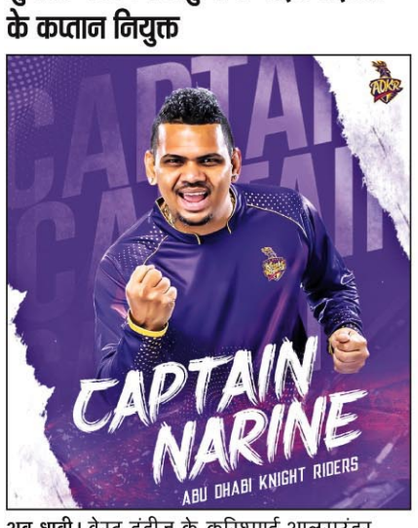

अबु धाबी। वेस्ट इंडीज के करिश्माई आलराउंडर सुनील नारायण को संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आईएल टी20 के लिए अबु धाबी नाईट राइडर्स का कप्तान नियुक्त किया गया है। नारायण नाईट राइडर्स खेमे का हिस्सा रहे हैं जब कोलकाता फ्रेंचाइजी ने उन्हें 2012 में आईपीएल के लिए अनुबंधित किया था। फ्रेंचाइजी द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में नारायण ने कहा, मैं अबु धाबी नाईट राइडर्स टीम का कप्तान बनने को लेकर बहुत रोमांचित हूं। यह मेरे लिए नई चुनौती है क्योंकि अब मुझे अपने खेल या अपने चार ओवर के मुकाबले पूरी टीम के बारे में सोचना पड़ेगा। यह कुछ ऐसा है जिसका मुझे इंतजार था। नारायण ने कैरेबियन प्रीमियर लीग भी त्रिनबागो नाईट राइडर्स का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने कहा, मैं नाईट राइडर्स पर आगे बढ़ा हूं, नाईट राइडर्स मुझ पर आगे बढ़ा है। यह एक परिवार की तरह है। जहां भी उनकी टीम होती है मैं उसका हिस्सा बनना पसंद करता हूं। उन्होंने कहा, मैंने यूएई में काफी क्रिकेट खेली है, मैं वहां के हालात को अच्छी तरह समझता हूं। यदि आप अबु धाबी नाईट राइडर्स के ढांचे को देखें तो यह जाना-पहचाना ढांचा है कुछ भी नया नहीं है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है क्योंकि मैं अपने खिलाड़ियों की ताकत को जानता हूं। अबु धाबी नाईट राइडर्स टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरूआत 12 जनवरी को दुबई कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

ब्रिटिश-पाकिस्तानी क्रिकेटर को नस्लवाद के आरोप के बाद ब्रिटेन छोड़ने को होना पड़ा मजबूर

लंदन। यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब (सीसीसी) में पिछले साल नस्लवाद के आरोपों के बाद 31 वर्षीय ब्रिटिश-पाकिस्तानी पूर्व क्रिकेटर अजीम रफीक को ब्रिटेन छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने यह खुलासा नहीं किया कि वह अभी कहां हैं। हालांकि, दूसरी बार एक ब्रिटिश संसदीय प्रवर समिति से बात करते हुए रफीक ने कहा कि उन्हें धमकियों और दुर्व्यवहार के साथ देश से बाहर निकाल दिया गया। उन्होंने सांसदों से कहा कि उन्हें अब इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से 24/7 सुरक्षा मिलती है और उन्होंने अपने और अपने परिवार के अपमान के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। यॉर्कशायर पोस्ट ने मीडिया को बताया कि उसने कहानी के सभी पक्षों को बताने की कोशिश में निष्पक्षता और व्यावसायिकता के समान नियम लागू किए। ईसीबी ने कहा कि नवीनतम सुनवाई दिखा रही है कि क्रिकेट में व्यापक बदलाव की आवश्यकता क्यों है। भारतीय मूल के कमलेश पटेल को पिछले साल यॉर्कशायर सीसीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

टेस्ट में सबसे तेज 50 छक्के पूरे करने में भारतीयों में दूसरे नंबर पर पहुंचे ऋषभ पंत

चटगांव। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 50 छक्के पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। यह उपलब्धि उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन बुधवार को हासिल की। पंत ने 45 गेंदों पर 46 रन की अपनी आक्रामक पारी में छह चौके और दो छक्के लगाए। पंत ने दिन के दूसरे सत्र में 32वें ओवर में मेहदी हसन मिराज की फुल टॉस गेंद पर डीप मिड विकेट के ऊपर से छक्का मारकर यह कीर्तिमान अपने नाम किया। उन्होंने यह उपलब्धि 54 पारियों में हासिल की जबकि उनके नियमित कप्तान रोहित शर्मा 51 पारियों में इस उपलब्धि तक पहुंचे थे। ओवरआल सबसे तेज 50 टेस्ट छक्कों में पंत तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के शाहिद आफरीदी 46 पारियों के साथ इस लिस्ट में सबसे आगे हैं। पंत इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले आठवें भारतीय बने हैं। इससे पहले यह कारनामा रोहित, वीरेंदर सहवाग, एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, कपिल देव, सौरव गांगुली और रवींद्र जडेजा कर चुके हैं।

श्रेयस अय्यर शतक के करीब

भारत ने पहले दिन 278/6 का स्कोर बनाया, पुजारा 90 रन बनाकर आउट

नई दिल्ली।

वनडे सीरीज गंवाने के बाद टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले ही दिन 6 विकेट खोकर 278 रन बना लिए हैं। भारत ने सुबह 3 विकेट गंवाने के बाद दोपहर के खेल में जोरदार वापसी की। हालांकि, शाम होते-होते बांग्लादेशी गेंदबाजों ने चेतेश्वर पुजारा और अक्षर पटेल को आउट कर मेजबानों को कुछ हद तक बराबरी पर ला दिया। चट्टोग्राम में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया। स्टंप्स पर श्रेयस अय्यर 82 रन के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे। जबकि, दिन की आखिरी बॉल पर अक्षर पटेल 14 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मेहदी हसन मिराज ने आउट किया। अक्षर से पहले टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाल चेतेश्वर पुजारा (90) को तैजुल इस्लाम ने बोल्ड कर दिया। पुजारा 51 पारियों से शतक नहीं बना सके हैं। इससे पहले ऋषभ पंत (46 रन), शुभमन गिल (20 रन), कप्तान केएल राहुल (22 रन) और विराट कोहली (1 रन) ने अपने विकेट गंवाए। बांग्लादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने 3 विकेट लिए। मेहदी हसन मिराज ने 2 विकेट लिए।

हर सेशन में पलटा पासा

पहला सेशन : बांग्लादेशी गेंदबाजों का दबदबा पहले सेशन के खेल में मेजबान टीम का दबदबा रहा। लंच तक भारत ने 26 ओवर में 85 रन बनाने में तीन विकेट गंवा दिए थे। टीम के टॉप-3 बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट गए थे। पारी की शुरुआत करने आए कप्तान केएल राहुल 22, शुभमन गिल 20 और विराट कोहली 1 रन बनाकर आउट हुए। इस सेशन में बांग्लादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने 2 विकेट चटकाए। जबकि खालिद अहमद को एक विकेट मिला।

दूसरा सेशन : भारतीय बल्लेबाजों की जोरदार वापसी भारत ने चाय ब्रेक तक 4 विकेट पर 174 रन बनाए। इस सेशन में भारतीय बल्लेबाजों ने जोरदार वापसी की। उन्होंने 89 रन जोड़े। हालांकि टीम को एक झटका भी लगा। ऋषभ पंत 46 रन बनाकर आउट हुए। लंच के बाद भारत ने 85/3 के स्कोर से खेलना शुरू किया।

तीसरा सेशन : आखिरी ओवर्स में पुजारा-अक्षर के विकेट गिरे सेशन की शुरुआत में श्रेयस अय्यर और पुजारा ने मिलकर अच्छी साझेदारी की, लेकिन दिन का खेल समाप्त होने से पहले पुजारा को तैजुल इस्लाम और अक्षर को मेहदी हसन मिराज ने पवेलियन की राह दिखाई।

पुजारा-अय्यर : 5वें विकेट के लिए, 149 रन - पुजारा ने श्रेयस अय्यर के साथ 5वें विकेट लिए 149 रनों की पार्टनरशिप की है। पुजारा ने अपना 34वां अर्धशतक बनाया। जबकि श्रेयस अय्यर अपने दूसरे शतक के करीब हैं। उन्होंने चौथा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया है।

पंत-पुजारा : चौथा विकेट, 64 रन - ऋषभ पंत और चेतेश्वर पुजारा ने चौथे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। 48 पर तीन विकेट गंवाने के बाद दोनों ने भारतीय पारी को संभालने की कोशिश की और 112 रन पहुंचाया।

गिल-राहुल: पहला विकेट, 41 रन - भारतीय पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान केएल राहुल और शुभमन गिल के बीच 41 रनों की साझेदारी हुई। दोनों आसानी से रन बटोर रहे थे। तभी गिल कैच दे बैठे।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला : शुभमन गिल (20) तैजुल इस्लाम की बॉल पर स्वीप कर शार्ट लेग की दिशा से सिंगल चुराना चाह रहे थे। लेकिन, बॉल बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर खड़ी हो गई और यासिर ने कैच कर लिया। दूसरा : केएल राहुल (22) बनाकर पवेलियन लौट गए। वे खालिद अहमद की लेंथ बॉल पर बोल्ड हुए। खालिद की बॉल राहुल के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर स्टंप से टकराई। तीसरा : विराट कोहली तैजुल इस्लाम की बॉल पर आउट हुए। अंपायर ने अंगुली उठाई। लेकिन, कोहली ने पुजारा से चर्चा करने के बाद रिव्यू लिया। पर फैसला नहीं बदला। चौथा: ऋषभ पंत को मेहदी हसन मिराज ने बोल्ड कर दिया। पंत अर्धशतक चूक गए। पांचवां : तैजुल इस्लाम ने पैर के सामने बॉल डाली। पुजारा डिफेंस करना चाहते थे। बॉल टर्न होकर विकेट पर जा लगी। छठा : मेहदी हसन ने गुडलेंथ पर बॉल डाली। अक्षर फ्रंट फुट पर डिफेंस करने गए। लेकिन, मिस कर गए और बॉल पैड पर लगी।

दोनों देशों की प्लेइंग-11

भारत: केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश : जाकिर हसन, नजमुल हसन शान्तो, यासिर अली, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, नुरुल हसन, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, खालेद अहमद और इबादत हुसैन।

कार दुर्घटना के बाद अस्पताल में भर्ती एंड्रयू फिलंटॉफ

मुंबई।

इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फिलंटॉफ बीबीसी के एक शो टॉप गियर के एपिसोड की शूटिंग के दौरान कार दुर्घटना में चोटिल हो गए , जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय मीडिया रिपोटरें में यह जानकारी दी गयी है। यह हादसा हुआ जब 45 वर्षीय फिलंटॉफ सरे में डंसफोल्ड पार्क एयरड्रोम में ठंडी परिस्थिति में शूटिंग कर रहे थे।

बीबीसी ने एक बयान जारी करते हुए कहा, इस सुबह फ्रेडी (फिलंटॉफ) टॉप गियर टेस्ट ट्रैक में एक दुर्घटना में चोटिल हो गए हैं, क्रू ने तुरंत स्थिति को संभाला। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया और आगे हम और जानकारी देंगे। फिलंटॉफ की चोट खतरनाक नहीं है, जिसमें बताया गया है कि वह ट्रैक पर साधारण गति से ड्राइव कर रहे थे और वह तेज गति में नहीं थे। एक सूत्र ने द सन को बताया, शूटिंग में सभी स्वास्थ्य और सुरक्षा की व्यवस्था थी। फ्रेडी को एयर एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। शूटिंग अभी स्थगित हो गई है और सभी का ध्यान फ्रेडी की रिकवरी पर है। फिलंटॉफ के साथी कलाकार क्रिस हैरिस भी टेस्ट ट्रैक पर मौजूद थे जो पैडी मकगिनेस के साथ थे। 2019 में फिलंटॉफ टॉप गियर के ही एक एपिसोड की शूटिंग के दौरान 125एमपीएच की स्पीड से कार चलाने के बावजूद अपघात से बच गए थे और खुद को सुरक्षित बताया था। उस समय उन्होंने कहा था, यह सुनिश्चित करने के लिए कि मैं टॉप गियर ड्रैग रेस में अच्छा करूं, मैं बहुत आगे तक जाता हूं, लेकिन इस अवसर पर मैं कुछ हद तक बहुत आगे चला गया। जब आप इसे टीवी पर देखेंगे तो यह खतरनाक से ज्यादा हास्यास्पद लगेगा।

अश्विनी पोनप्पा बोलीं- शारीरिक से ज्यादा मानसिक स्वास्थ्य जरूरी, सोशल मीडिया से दूर रहें युवा

नई दिल्ली।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय महिलाओं ने स्पोर्ट्स में देश का नाम रोशन किया है। चाहे वह कॉमनवेल्थ गेम्स हो या महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप, महिलाओं ने शानदार प्रदर्शन कर खूब वाहवाही बटोरी है। कॉमनवेल्थ गेम्स में अश्विनी पोनप्पा, पीवी सिंधु, मीराबाई चानू समेत कई महिलाओं ने भारत को पदक दिलाया। वहीं, महिला क्रिकेटरों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीता।

निश्चित तौर पर बैडमिंटन जैसे खेल में ताकत और सहनशीलता की जरूरत होती है, लेकिन यह एक तरह से आसान भी है, क्योंकि आप अपने शरीर का ध्यान रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि आप सही तरह की ट्रेनिंग ले रहे हैं और किस तरह रिकवर कर रहे हैं। हालांकि, मुझे लगता है कि यह मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की तुलना में ज्यादा आसान है। 30 साल की उम्र का पड़ाव पार करने के बाद अब मुझे अपने खेल पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही अपने दिमाग को तरोताजा रखने की जरूरत है। ऐसे समय में खुद को उत्साहयुक्त और प्रेरित रखना होता है। खास तौर पर हम काफी समय से इस खेल से जुड़े हुए हैं, तो

ऐसे में मुझे लगता है कि शरीर से ज्यादा खेल का मानसिक पहलू ज्यादा मुश्किल हो जाता है। हालांकि, मैं इसे मुश्किल नहीं कहूंगी क्योंकि आप खेल को और अच्छे तरीके से समझने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने दिमाग को तरोताजा रखें, ताकि कोर्ट पर हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। साथ ही अपने शरीर को लेकर भी सकारात्मक रहें।

हम खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि तब हमारे पास आज की तरह बहुत सारी जानकारियां नहीं होती थीं। इसका मतलब यह है कि कभी-कभी मुझे लगता है कि ज्यादा जानकारी या ज्ञान चीजों को उलझा देता है। जब मैंने खेलना शुरू किया था तब यह पूरी तरह से अपने खेल पर ध्यान देने और कोच पर भरोसा करने की बात थी। उन्होंने जो सिखाया है उसी को फॉलो करना होता था। हालांकि, अभी के युवाओं के लिए जानकारी के कई माध्यम मौजूद हैं। आप ऑनलाइन भी बड़े खिलाड़ियों को खेलता देखकर सीख सकते हैं। कभी-कभी मुझे लगता है कि यह परेशानी भी बन सकता है, क्योंकि युवा खिलाड़ी इससे भ्रमित भी हो सकते हैं। हम काफी भाग्यशाली हैं कि हमारे समय में ऐसा नहीं था। अब आपके पास फोन होना व्याकुलता का विषय है। किसी भी युवा के लिए ऐसे में रास्ता आसान नहीं होने वाला है। इसलिए मेरी युवाओं को यही सलाह है कि जब आप खेल रहे होते हैं तो पूरा ध्यान कोर्ट पर लगाएं और खेल को एंजॉय करें। अपने दिमाग को वहीं एकाग्र रखें। सोशल मीडिया पर नाम पाने के लिए कुछ न करें। अगर आप खेल और सोशल मीडिया दोनों पर ध्यान लगाते हैं तो बिल्कुल करें, लेकिन किसी भी स्पोर्ट्स के लिए यह जरूरी है कि आप ऑन कोर्ट कितना समय व्यतीत करते हैं और वहां कितना फोकस करते हैं, क्योंकि वहीं आपको सीखने को मिलता है और यही समय होता है सीखने का, खुद को बेस्ट बनाने का।

फुटबॉल क्लब आर्सनल को खरीद सकते हैं मुकेश अंबानी, बेटे आकाश को दे सकते हैं खास तोहफा

नई दिल्ली।

मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल सहित कई बड़े अंग्रेजी क्लब जल्द ही बिक सकते हैं। इन क्लबों के मालिक साफ कर चुके हैं कि वह क्लब को बेचने के लिए तैयार हैं और उन्हें सही मालिक की तलाश है। मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल के बाद अब इस सूची में आर्सनल का नाम भी जुड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारत के बिजनेसमैन मुकेश अंबानी आर्सनल क्लब को खरीद सकते हैं।

ग्लेजर फैमिली ने लगभग तीन सप्ताह पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड में अपनी हिस्सेदारी बेचने की बात कही थी। ऐसा होने पर यह क्लब 17 साल बाद ग्लेजर फैमिली के अलावा किसी दूसरे के हाथ में जाएगा। बीच में यह भी खबर आई थी कि अंबानी इस क्लब को खरीद सकते हैं, लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अंबानी आर्सनल का क्लब खरीद सकते हैं।

दुनिया के 10वें सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी के बेटे आकाश अंबानी आर्सनल के बड़े फैन हैं। ऐसे में अगर अंबानी परिवार फुटबॉल लीग में कोई क्लब खरीदता है तो यह आर्सनल ही होगा। हालांकि, इस बार में अंबानी परिवार या आर्सनल की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। आर्सनल के अधिकतर शेयर वर्तमान में क्रॉन्के स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के पास हैं।

फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप (एफएसजी) ने क्लब को बेचने की घोषणा की थी। इसके तुरंत बाद कहा गया कि अंबानी को लिवरपूल को खरीद सकते हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारत में क्रिकेट के अलावा भी निवेश करने की रुचि बढ़ रही है। लगभग 90.7 बिलियन डॉलर के मालिक मुकेश अंबानी भी फुटबॉल में निवेश करने में रुचि रखते हैं।

एसकेईएमए बिजनेस स्कूल में खेल और भू-राजनीतिक अर्थव्यवस्था के प्रोफेसर साइमन चाडविक ने इस मामले पर कहा, खेल में गैर-क्रिकेट निवेश के अवसरों के लिए भारत में भूख बढ़ रही है। यह भारत की डिजिटल और मनोरंजन अर्थव्यवस्था से जुड़ता है। सिटी फुटबॉल ग्रुप ने मुंबई में निवेश किया है। मुंबई भारत की डिजिटल, मनोरंजन और वित्तीय राजधानी है। यदि आप अबू धाबी के वेल्थ फंड में निवेश कर रहे लोगों को देखें, तो उन्होंने मुंबई में डिजिटल स्टार्ट-अप में निवेश किया है।

फीफा विश्व कप

पिछले 44 साल में सिर्फ रोनाल्डो ने 6+ गोल कर जीता गोल्डन बूट, मेसी-एम्बाप्पे के पास बड़ा मौका

दोहा।

विश्व कप के सर्वाधिक गोल स्कोरर को प्रतिष्ठित गोल्डन बूट का खिताब मिलता है। इस विश्व कप में फ्रांस के काइलिन म्बापे अब तक पांच गोल कर गोल्डन बूट के सबसे बड़े दावेदारों में हैं। अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनल मेसी और फ्रांस के ही उम्रदराज स्ट्राइकर ओलिवर गिरोड चार-चार गोल कर उनसे पीछे हैं, लेकिन पिछले 44 साल और 11 विश्व कप में सिर्फ एक बार ऐसा मौका आया है, जब गोल्डन बूट जीतने वाले फुटबॉलर ने एक विश्व कप में छह से ज्यादा गोल किए हैं।

यह उपलब्धि 20 साल पहले 2002 के विश्व कप में ब्राजील के दिग्गज रोनाल्डो ने आठ गोल कर हासिल की थी। इस अपवाद को छोड़ दें तो इन 44 सालों में किसी भी फुटबॉलर ने छह से ज्यादा गोलकर गोल्डन बूट नहीं जीता है। इस बार म्बापे, मेसी और गिरोड के सामने छह

गोल के रिकॉर्ड को सुधारने का मौका है।

एक विश्व कप में सर्वाधिक 13 गोल फ्रांस के फांटेन ने किए हैं

रोनाल्डो के 2002 में आठ गोल के बाद 2006 और 2010 के विश्व कप में तो पांच-पांच गोल पर ही गोल्डन बूट मिला। विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक 16 गोल करने वाले जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोज ने 2006 में और जर्मनी के ही थॉमस मूलर ने 2010 के विश्व कप में पांच-पांच गोल कर गोल्डन बूट जीता। 2014 में कोलंबिया के जेम्स रॉड्रिगेज और और 2018 में इंग्लैंड के हैरी केन ने छह-छह गोल कर यह खिताब जीता।

रोनाल्डो से पहले 1974 के विश्व कप में पोलैंड के ग्रेजगोर्ज लाटो ने सर्वाधिक सात गोल कर गोल्डन बूट जीता था। एक विश्व कप में सर्वाधिक 13 गोल कर गोल्डन बूट जीतने का रिकार्ड फ्रांस के जूस्ट फांटेन के नाम है। उन्होंने 1958 के विश्व कप में यह उपलब्धि हासिल की थी। 1970 के विश्व कप में पश्चिम जर्मनी के जर्ड मूलर ने 10 गोल किए थे। मूलर ने 1974 में भी चार गोल किए।

92 साल में सिर्फ तीन बार विजेता टीम के फुटबॉलर ने जीता गोल्डन बूट

फीफा विश्व कप के 92 साल के इतिहास में सिर्फ तीन ही ऐसे मौके आए हैं जब विश्व कप जीतने वाली टीम के फुटबॉलर ने गोल्डन बूट जीता है। पहली बार यह उपलब्धि 1978 के विश्व कप में अर्जेंटीना के मारियो केंपस ने छह गोल कर हासिल की थी। उसके बाद 1982 में इटली के पाउलो रोसी ने छह गोल कर और 2002 में ब्राजील के रोनाल्डो ने गोल्डन बूट जीता।

फीफा विश्व कप : अर्जेंटीना से हारने के बाद कोच डालिच ने कहा, क्रोएशिया फिर से अपने पैरों पर खड़ा होगा

दोहा। क्रोएशिया के मैनेजर ज्लातको डालिच ने कहा है कि उनकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ हार जरूर मिली, लेकिन टीम एक बार फिर जरूर वापसी करेगी। क्रोएशिया क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को हराने वाले प्रदर्शन की छाया मात्र नजर आयी और लक्ष्य पर सिर्फ दो शॉट का मौका ही बना पायी और अर्जेंटीना ने 3-0 से जीत हासिल की। मैच के बाद उन्होंने कहा, मैं सेमीफाइनल जीतने और फाइनल में जगह बनाने के लिए अर्जेंटीना को बधाई देना चाहता हूं। अब हम अपने पैरों पर खड़े होंगे और तीसरे स्थान के लिए शनिवार को मैच जीतने की कोशिश करेंगे।

सौंदर्य

स्किन टैग को खत्म करें ये टिप्स

शरीर या चेहरे के किसी हिस्से पर मौजूद स्किन टैग, तिल, ब्लैकहेड्स, स्पॉट और मस्से आपकी सुंदरता को बिगाड़ देते है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ इनकी गिनती भी बढ़ती जाती है। इनसे छुटकारा पाने के लिए बहुत सी लड़कियां सर्जरी या मंहगे ब्यूटी ट्रीटमेंट का सहारा लेती है लेकिन इसका अच्छा असर दिखने की बजाए कई साइड-इफेक्ट्स नजर आने लगते है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान तो हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते है।

मस्से:- मस्से की समस्यां को दूर करने के लिए एक सोक्ड बेंडेज पर

एप्पल साइडर सिरका लगाकर हफ्ते में 2 बार मस्से पर लगाएं। इसके बाद पिमिस स्टेन की मदद से इसे निकाल दें। 1 हफ्ते में ही आपको मस्से से छुटकारा मिल जाएगा।

स्किन टैग्स: कॉटन की मदद से लगातार दिन में 2 स्किन टैग्स पर एप्पल साइडर सिरका लगाएं। लगातार 10 दिन तक इसे लगाने से स्किन टैग्स झड़ जाएंगे।

तिल: अनचाहें तिल से छुटकारा पाने के लिए दिन में 4 घंटे रोजाना

लहसुन पीस कर लगाएं। कुछ ही दिनों में तिल गायब हो जाएंगे।

ब्लैकहेड्स: ब्लैकहेड्स को दूर करने के लिए चेहरे पर स्टीम लेकर 5 मिनट तक शहद लगा लें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो कर साफ करें। रोजाना 1 हफ्ते तक इसका इस्तेमाल ब्लैकहेड्स को हमेशा के लिए गायब कर देगा।

स्पॉट: ब्लैक स्पॉट के लिए नींबू के रस को रोजाना चेहरे पर लगाएं। नेचुरल ब्लीच की तरह काम करने वाला नींबू के रस आपको चेहरे के भद्दे स्पॉट से छुटकारा मिल जाएगा।

यह है कपल्स के बीच डिवॉर्स की बड़ी वजह

शादी के बाद जल्द ही डिवॉर्स लेने के केसेज अब बढ़ रहे हैं। यूं तो इसकी कई वजहें हैं लेकिन एक कॉमन रीजन है कपल्स के बीच पैसों का झगड़ा। अक्सर देखा गया है कि कपल्स पर्सनल खर्चों और सेविंग से जुड़ी बातें एक-दूसरे से शेयर ही नहीं करते। यही बात आगे चलकर उनके बीच मनमुटाव का कारण बन जाती है। लेकिन अगर सही मनी मैनेजमेंट के साथ ही थोड़ी सी ट्रांसपैरेंसी बरती जाए, तो रिश्ता अच्छा होगा।

मंथली बजट

मनी मैनेजमेंट की शुरुआत करने का सबसे अच्छा तरीका मंथली बजट बनाना है। इसमें आप अपने सभी जरूरी खर्चे लिखें। इसके बाद आपको सिर्फ बचे हुए पैसे को इन्वेस्ट करने के बारे में सोचना होता है। हालांकि यह पैसा तब बचेगा, जब आप फिजूलखर्ची से दूर रहें। मंथली बजट से आपको पता रहेगा कि किन चीजों पर खर्च करना और कहां आप लिमिट क्रॉस कर रहे हैं। साथ ही इससे साथी के सामने आपका खर्चा पारदर्शी भी रहेगा।

चेक एंड बैलेंस

अगर आप पर्सनल फाइनैंस मैनेज करते हैं, तो खर्च पर चेक एंड बैलेंस की पॉलिसी अपनाएं। अगर हजबैंड ज्यादा खर्च करता है, तो उसको उसी समय पर बताना जरूरी है कि वह बजट और जरूरत से अधिक खर्च कर रहा है। अगर वाइफ अधिक खर्च करती है, तो हसबैंड का फर्ज बनता है कि वह उसे कंट्रोल करे। ऐसे में खर्चे पर कंट्रोल करना आसान हो सकता है।

सेविंग फंड बॉक्स

अगर आपने किसी काम के लिए कोई अमाउंट फिक्स किया है लेकिन खर्चा उससे कम होता है, तो उस पैसे को फालतू उड़ाने की जगह सेविंग फंड बॉक्स में डाल दें। इस बॉक्स को उस अमाउंट के लिए ही यूज करें, जो आप इस तरह इधर-उधर से बचा पाते हैं।

शेयर करें

समय-समय पर दोनों मिलकर बात करें। एक-दूसरे के खर्चों, तरीकों और फ्यूचर इन्वेस्टमेंट के बारे में एक-दूसरे को बताएं। इससे आपसी अंडरस्टैंडिग बढ़ेगी।

इन्वेस्टमेंट

आप जितना पैसा इन्वेस्ट करेंगे, आगे उसकी वैल्यू बढ़ना तय है। ये इन्वेस्टमेंट किसी पॉलिसी या सेविंग सर्टिफिकेट के रूप में हो सकता है।

डिसेबल हो बच्चा तो जरूर दें ये स्पेशल ट्रीटमेंट

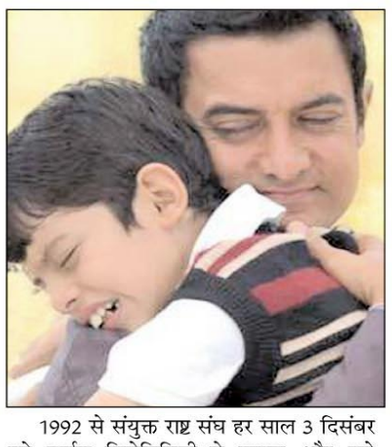

1992 से संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 3 दिसंबर को वर्ल्ड डिसेबिलिटी-डे मनाता और उसे प्रचारित करता आ रहा है। इंटरनैशनल प्लेटफॉर्म पर शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के प्रति समाज के रवैये को बदलने और ऐसे लोगों के जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना ही इसका मुख्य लक्ष्य है।

चार तरह की मानसिक अक्षमता

माइल्ड : ऐसे बच्चों का आईक्यू 50-70 के बीच होता है, हालांकि इन बच्चों को शिक्षण और प्रशिक्षण दोनों दिया जा सकता है। ये बच्चे थोड़ी मुश्किलों के बाद समाज में अच्छे से अपना जीवन यापन कर सकते हैं।

मॉडरेट : ऐसे बच्चों का आईक्यू 35-50 के बीच होता है। ऐसी स्थिति में बच्चों को शिक्षण से इतर प्रशिक्षण दिया जा सकता है, ताकि वे आगे चलकर आत्मनिर्भर बन सकें।

सीवियर: ऐसे बच्चों का आईक्यू 20-35 होता है। इन्हें न तो शिक्षण दिया जा सकता है और न ही प्रशिक्षण। ऐसे बच्चों को उनके रोजमर्रा के काम जैसे टॉयलेट हैबिट, खाने-पीने के तरीकों के बारे में भी सिखाया जाता है। ऐसे बच्चों को एजुकेटर उनके रोजमर्रा के काम के बारे में ही अच्छी तरह से सिखाते हैं।

प्रोफाउंड: ऐसे बच्चों का आईक्यू 20 से नीचे होता है। इन बच्चों को पूरे जीवन दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे बच्चों का पूरा जीवन बिस्तर पर ही रहकर गुजर जाता है।

रखें खास खयाल

» अगर बच्चे में प्रारंभिक विकास यानी बोलने, चलने, उठने, बैठने में छह महीने से ज्यादा की देर हो रही हो तो क्लीनिकल साइकॉलजिस्ट से तुरंत बात करें।

» बच्चे पढ़ाई में मेहनत कर रहे हैं और रिजल्ट खराब आता है तो टीचर्स को उन पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर वे बच्चे में कुछ भी असामान्य देखते हैं तो तुरंत पैरेंट्स से बात करें।

» स्पेशल बच्चों को कुछ भी सीखने में थोड़ा ज्यादा वक्त चाहिए होता है, इसलिए हर कदम पर धैर्य रखें।

» बच्चों को सोशल करने के लिए पैरेंट्स को उन्हें ज्यादा से ज्यादा बाहर ले जाना चाहिए। समाज में घुलने मिलने देना चाहिए, जिससे सोसायटी में उन्हें एक्सेप्टेंस मिल सकें। समाज से अलग रखने से उनका विकास और धीमा हो सकता है।

» आमतौर पर लोग स्पेशल बच्चों का मजाक बनाते हैं। उनको समाज में वैसी इज्जत नहीं देते जिनके वे हकदार हैं। लोगों को समझना चाहिए कि इस दुनिया में सबको सम्मान से जीने का हक है। इसलिए उनका माखौल उड़ाने या गलत व्यवहार करने की जगह उनको सपोर्ट करें। हिकारत से न देखें। उनकी अक्षमताओं को नहीं बल्कि क्षमताओं को उन्हें समझने का आधार बनाएं।

» बच्चे से कभी यह न कहें या कि वह कमजोर है। हमेशा सपोर्ट करें और छोटी-मोटी गलती करने पर भी हौसला बढ़ाएं।

ये होता है आईक्यू

20 से नीचे प्रोफाउंड
50-35- आईक्यू मॉडरेट
35-20- आईक्यू सीवियर
70-50- आईक्यू माइल्ड

ये हो सकते हैं कारण

ऐसे बच्चे जिनकी सोचने-समझने की क्षमता उनकी उम्र के सामान्य बच्चों से कम होती है और जो न्यूरोडिवेलपमेंटल डिसऑर्डर के शिकार होते हैं, उन्हें स्पेशल बच्चे कहा जाता है। बच्चों के ऐसा होने के और भी कई कारण हो सकते हैं

गर्भावस्था के दौरान कोई संक्रामक रोग

» जन्म के बाद किसी इंफेक्शन के कारण » प्रेग्नेंसी के दौरान शारीरिक» मानसिक विसंगतियां » प्रेग्नेंसी के दौरान और जन्म के बाद भी पोषण की कमी

वास्तु

मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगें तो समझो मकान में है वास्तुदोष

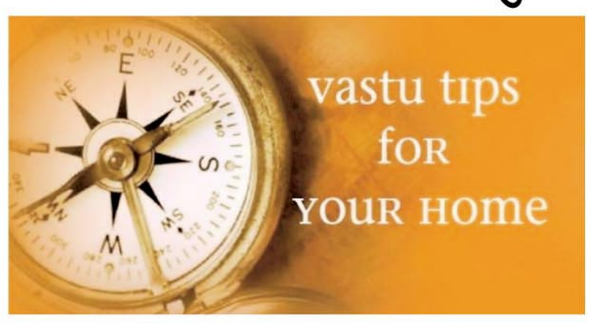

अगर मकान में रहने वाले लोग बार-बार बीमार पड़ने लगें, घर में झगडे ज्यादा होने लगें, लाभ से ज्यादा व्यय हो, ज्यादातर लोगों की मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगे, घर में डर लगने लगे, अकेले या रात में मकान में अजीब सी आवाजें आने लगे, चलते काम रूकने लगे, मकान में आत्माएं दिखने लगे, लगातार घर में क्लेश रहने लगे, बुरे सपने दिखें, शादी या संतान में रुकावट हो या घर में भारीपन रहे तो समझिए कि घर में वास्तु दोष है। ऐसे में ज्योतिष सलाह लें और बताए खास उपायों को भी अपनाने की कोशिश करें।

मकान में अजीब एहसास होना-

यदि आपके मकान के सामने किसी प्रकार का वेध यानी खंभा, बड़ा पेड़ या बहुमंजिला इमारत हो तो इसकी वजह से आपका स्वास्थ्य या आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

यदि वेध दोष हो तो निम्न उपाय करना कारगर होगा। अपने मकान के सामने लैम्प पोस्ट लगा लें, यदि यह संभव नहीं हो, तो घर के आगे अशोक का वृक्ष और सुगंधित फूलों के पेड़ के गमले लगा दें। तुलसी का पौधा स्वास्थ्य के लिए शुभ होता है।

यदि मकान के पास में फैक्टरी का धुआं निकलता हो, तो एग्जास्ट पंखा या वृक्ष लगा लें। यदि मकान में बीम इसी जगह हो जिसके कारण आप मानसिक तनाव महसूस करते हो तो बीम से उत्पन्न होने वाले दोषों से बचाव के लिए यह उपाय अपना सकते हैं।

शयनकक्ष में वास्तु दोष

शयनकक्ष में बीम हो, तो इसके नीचे अपना बैड या डाइनिंग टेबल नहीं लगाएं। यदि ऑफिस हो तो मेज व कुर्सियां नहीं रखें। बीम के दोनों ओर बांसुरी लगा दें, इससे वास्तुदोष निवारण हो जाता है। पवन घंटी बीम के नीचे लटका दें या बीम को सीलिंग टायलस से ढक दें।

बीम के दोनों ओर हरे रंग की गणपति प्रतिमा लगा दें, यह वास्तु दोषनाशक मानी जाती है। यदि मकान का कोई कोना आपके मुख्य द्वार के सामने आए, तो स्पॉट लाइट लगाएं। जिससे प्रकाश आपके घर की ओर रहे तथा सीधा ऊंचा वृक्ष बीच में लगा दें।

शयनकक्ष में घी का दीपक व अगरबत्ती करें जिससे मन प्रसन्न रहे, इस बात का ध्यान रखें कि झाड़ू शयनकक्ष में नहीं रखें। मकान में मुख्य द्वार पर देहरी बना लें, इससे बुरे व अन्य दोष घर में प्रवेश नहीं कर पाते हैं।

पूर्व-उत्तर (ईशान) कोण दोष

ईशान कोण के दोष के लिए इस दिशा में पानी से भरा मटका रखें. इस कोण को साफ-सुथरा रखें। अग्नि कोण दोष निवारण के लिए कोने में एक लाल रंग का बल्ब लगा दें जो दिन-रात जलता रहे। वायव्य कोण दोष निवारण के लिए इस ओर की खिड़कियां खुली रखें, ताकि वायु आ सके। एग्जॉस्ट पंखा भी लगा सकते हैं।

नैऋत्य कोण दोष निवारण के लिए इस कोने को भारी बनाएं, स्टोर बनाना यहां शुभ होता है। शयनकक्ष में दर्पण का प्रतिबिंब पलंग पर न पड़े तथा डबल बेड पर एक ही गद्दा रखें, तो ठीक रहेगा।

पूजा घर पूर्व-उत्तर (ईशान कोण) में होना चाहिए तथा पूजा यथासंभव प्रातः 06 से 08 बजे के बीच भूमि पर ऊनी आसन पर पूर्व या उत्तर की ओर मुंह करके बैठ कर ही करनी चाहिए। पूजा घर के पास उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में सदैव जल का एक कलश भरकर रखना चाहिए इससे घर में सपन्नता आती है।

मकान के उत्तर पूर्व कोने को हमेशा खाली रखना चाहिए। घर में कहीं भी झाड़ू को खड़ा करके नहीं रखना चाहिए, उसे पैर नहीं लगना चाहिए, न ही लांघा जाना चाहिए, अन्यथा घर में बरकत और धनागम के स्त्रोतों में वृद्धि नहीं होगी।

पूजा घर में तीन गणेशों की पूजा नहीं होनी चाहिए, अन्यथा घर में अशांति उत्पन्न हो सकती है। तीन माताओं तथा दो शंखों का एक साथ पूजन भी वर्जित है। धूप, आरती, दीप, पूजा अग्नि आदि को मुंह से फूंक मारकर नहीं बुझाएं, पूजा कक्ष में, धूप, अगरबत्ती व हवन कुंड हमेशा दक्षिण पूर्व में रखें।

पति-पत्नी में प्रेम के लिए प्रेमी परिंदे का चित्र या मेडरिन बतख का जोड़ा रखें अथवा सपरिवार प्रसन्नचित मुद्रा वाला चित्र लगाएं। डायनिंग टेबल को प्रतिबिंबित करने वाला आईना आपके सद्भाव व भाग्य में वृद्धि करता है, इसे लगाएं।

जीपीएस सिग्नल में आ रही समस्या का करें समाधान

आप घर से निकलने के साथ ही पूरा पता और नक्शा अपने फोन पर सर्च कर लेते हैं, जिससे कि आपका फोन हर छोटे-बड़े मोड़ और रास्तों की जानकारी देता रहे। इतना ही नहीं, आज फोन में कई एप्लिकेशन्स हैं, जो लोकेशन सर्विस का उपयोग करते हैं। ऐसे में यदि जीपीएस सिग्नल में थोड़ी भी परेशानी हो, तो आपके लिए बड़ी मुश्किल हो जाती है। जानिए कैसे जीपीएस सिग्नल को बेहतर किया जा सकता है।

क्या है जीपीएस

जीपीएस का आशय है ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम। यह तकनीक आपकी उपस्थिति को बताता है, जैसे- आप कहां हैं और किस दिशा में बढ़ रहे हैं आदि। जीपीएस तकनीक का डेवलपमेंट सबसे पहले यूएस आर्मी द्वारा किया गया था। वर्ष 1973 में अमेरिकन आर्मी ने इसे नेवी के लिए बनाया था, लेकिन 1995 में इस सेवा को आम उपभोक्ताओं के लिए भी पेश किया गया।

पता करें जीपीएस की परेशानी

यदि आपके फोन के जीपीएस में कोई भी समस्या है, तो उसका भी पता लगा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए फोन में जीपीएस

इसेन्शल एप्लिकेशन डाउनलोड करना होगा। इससे जीपीएस में समस्या कमजोर सिग्नल की वजह से है या फिर यह हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर की वजह से, इसकी जानकारी मिल जाएगी। एप मेन्यू में सैटेलाइट का विकल्प मिलेगा। उस पर क्लिक करने से फोन सैटेलाइट से कनेक्ट हो जाएगा। यदि फोन सैटेलाइट से कनेक्ट नहीं हो रहा है, तो इसका मतलब है कि फोन के आसपास कोई मेटैलिक वस्तु है, जो सिग्नल को रोक रहा है। स्मार्टफोन केस या फिर कुछ और भी हो सकता है। ऐसे में फोन केस को हटाएं। यदि सैटेलाइट सही दिखा रहा है, लेकिन जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो समझें कि यह सॉफ्टवेटर की समस्या है।

जीपीएस डाटा को करें रिफ्रेश

कभी-कभी सैटेलाइट सिग्नल न होने की वजह से भी फोन का जीपीएस फ्रीज हो जाता है। ऐसी स्थिति में फोन में जीपीस स्टेटस या टूलबॉक्स जैसे एप्स डाउनलोड कर सकते हैं। ये फोन के जीपीएस डाटा को क्लियर कर उसे फिर से सैटेलाइट से कनेक्ट करने में सक्षम बनाते हैं।

हाई एक्यूरेसी मोड से हटाए

कई बार लोग फोन में बैटरी की खपत को कम करने के लिए जीपीएस सिग्नल को हाई एक्यूरेसी मोड से हटा देते हैं। बैटरी बचाने के लिए तो यह सही है, लेकिन इससे कभी-कभी जीपीएस सटीक जानकारी नहीं देता। यदि कभी लाकेशन सर्च के दौरान आपको लगता है कि जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो हाई एक्यूरेसी पर ही उसे रखें। हाई एक्यूरेसी का विकल्प आपको फोन की सेटिंग में जाकर लोकेशन में मिलेगा।

स्मार्टफोन में जीपीएस

स्मार्टफोन में जीपीएस के लिए एक सेंसर लगा होता है। यह सेंसर अंतरिक्ष में स्थापित जीपीएस से कम्युनिकेशन कर आपकी उपस्थिति को बताता है। इस सेंसर को फोन में लगे अन्य हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर द्वारा कंट्रोल किया जाता है। ऐसे में कभी-कभी जीपीएस सिग्नल में समस्या आ जाती है।

सर्दी में जुकाम से बचाएगी लौंग वाली चाय

आपकी सुबह की शुरुआत में मिठास घोलने वाली चाय, स्वाद के साथ सेहत से भी भरपूर होती है। अपने फायदों के साथ चाय के कई प्रकार बाजार में उपलब्ध हैं और कुछ विशेष स्वाद के लिए आप घर पर भी कुछ अलग तरह से चाय बनाते हैं। लौंग की चाय भी इन्हीं में से एक है, जो खास तौर से सर्दियों में बेहद फायदेमंद होती है। जानिए लौंग की चाय के फायदे।

1. सर्दी से बचाने के लिए लौंग की चाय बेहद लाभकारी है। लौंग की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दी के मौसम में दिन में 2 से 3 बार पीने पर आप सर्दी से बचे रह सकते हैं साथ ही खांसी और जुकाम से भी।

2. अगर आप बुखार से पीड़ित हैं, तो लौंग की चाय पीना आपके लिए काफी फायदेमंद होगा। इसका प्रयोग करने से आपका बुखार अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा।

3. शरीर के अंगों और मांस पेशियों में होने वाले दर्द से निजात पाना चाहते हैं तो लौंग की चाय जरूर पिएं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो लौंग की चाय से दर्द वाले स्थान की सिकाई कर सकते हैं। इससे आपको काफी फायदा होगा।

4. पाचन संबंधी समस्याओं में लौंग की चाय असरकारक है। पेट में एसिडिटी होने और पाचन तंत्र की धीमी गति होने पर लौंग की चाय पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से कार्य करता है।

5. दांतों में दर्द होने पर अक्सर लौंग के तेल का प्रयोग किया जाता है। लेकिन लौंग की चाय भी इसके लिए फायदेमंद हो सकती है। इसके अलावा कफ और गले के विकारों के लिए भी लौंग की चाय लाभदायक है।

ऐसे बनाएं

एक चम्मच लौंग को पहले खुरदुरा पीस लें, फिर एक कप पानी में इसे डालकर पांच से 10 मिनट तक उबालें। जब पानी उबलने लगे तो आधा चम्मच चाय की पत्ती डाल दें। फिर कुछ मिनट तक इसे पकाएं, अब चाय बनकर तैयार है। इसे ठंडा कर छान लीजिए। आप चाहें तो इसे फ्रिज में भी स्टोर कर सकते हैं। लौंग की चाय साइनस की समस्या में भी राहत पहुंचाती है।

रेसिपी

हरे प्याज का पराठा

सामग्री

मैदा: 280 ग्राम, नमक: 3/4 छोटा चम्मच
चीनी: 1 छोटा चम्मच, गर्म पानी: 80 मिलीलीटर, शीत पानी: 70 मिलीलीटर
तेल: फ्राई करने के लिए
हरा प्याज: स्वादानुसार
तेल: ब्रश करने के लिए

विधि

एक बाउल में 280 ग्राम मैदा, 3/4 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी, 80 मिलीलीटर गर्म पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 70 मिलीलीटर ठंडा पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इसे 20 मिनट के लिए रख दें। अब आटे को बराबर भागों में विभाजित करके उन्हें गेंद की तरह रोल करें। इस पर थोड़ा सा सूखा आटा लगाकर बेलन की सहायता से रोटी की तरह बेल लें। इस पर हरा प्याज छिड़कें और गोल-गोल रोल कर लें। फिर इसे दबाकर दोबारा बेलन की सहायता से परांठे की तरह बेलें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें और उसमें ब्रश की सहायता से थोड़ा सा तेल लगाकर गर्म करें। इसके बाद इस पर परांठा रखकर 3 मिनट तक पकाएं। फिर इसे पलटकर दूसरी तरफ से पकाएं। अब परांठे के दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से सेंक लें या जब तक यह सुनहरा भूरा नहीं हो जाता। आपका हरे प्याज का पराठा तैयार है, इसे हरे प्याज के साथ गार्निश करके सर्व करें।

एप्पल रबड़ी

सामग्री

3 कप वसा भरपुर दूध
2 1/2 टेबल-स्पून शक्कर
3/4 कप छिले और कसे हुए सेब
3 टेबल-स्पून हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर

विधि

एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें, दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें और ठंडा परोसें।

सुलभ सुझाव: इस बात का ध्यान रखें कि आप सेब को रबड़ी में डालने से तुरंत पहले ही कसे, क्योंकि सेब का रंग भूरा हो सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**